THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 34 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.4 2083 मंगलवार, 5 मई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

रक्षा मंत्री बोले-डिफेंस की तरह नॉलेज कॉरिडोर तैयार करें

प्रयागराज, 4 मई (एजेंसियां)। प्रयागराज में सोमवार को उत्तर प्रौद्योगिकी संगोष्ठी (नॉर्थ टेक सिम्पोजियम) 2026 की शुरूआत हो गई। इसका उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दीप प्रज्वलित करके किया। उन्होंने कहा- डिफेंस कॉरिडोर की तरह नॉलेज कॉरिडोर तैयार करें। उन्होंने कहा- ऑपरेशन सिंदूर के बाद दुनिया को हमारी ताकत का एहसास हो गया है।

उन्होंने कहा- मैं प्रो-एक्टिव तैयारी की बात कर रहा हूं। वो है सरप्राइज एलीमेंट। हमें ऐसी क्षमताएं भी विकसित करनी है जो जरूरत पड़ने हम ऐसा प्रहार कर सकें जिससे दुश्मन सरप्राइज हो जाए। मुझे पता है कि हमारी सेना इस ओर काम कर रही हैं।

'वर्षों की साधना सिद्धि में बदली'

गंगा से गंगासागर तक कमल ही कमल : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने कहा-पिछले साल 14 नवंबर को जब बिहार चुनाव के नतीजे आए थे, तब मैंने इसी जगह से, भाजपा मुख्यालय से आपसे कहा था कि गंगाजी बिहार से आगे बहते हुए गंगा सागर तक जाती हैं। आज बंगाल की जीत के साथ गंगोत्री से गंगासागर तक कमल ही कमल खिला हुआ है। उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल आज मां गंगा के इर्द-गिर्द बसे इन राज्यों में भाजपा-एनडीए सरकार है।

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- जय-पराजय लोकतंत्र और चुनावी राजनीति का स्वाभाविक हिस्सा होता है, लेकिन पांच राज्यों की जनता ने पूरे विश्व को दिखाया है कि ये हमारा भारत मदर ऑफ डेमोक्रेसी क्यों है। लोकतंत्र हमारे लिए सिर्फ एक तंत्र नहीं है। ये हमारी रगों में दौड़ता हुआ संस्कार है। आज सिर्फ भारत का लोकतंत्र नहीं जीता है, आज भारत का संविधान भी जीता है। हमारी सांविधानिक संस्थाएं जीती हैं। हमारी लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं जीती हैं। बंगाल में करीब 93 प्रतिशत मतदान होना, अपने आप में ऐतिहासिक रहा है। भारत के लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखने में आप सबका योगदान इतिहास हमेशा याद रखेगा। पीएम मोदी ने आगे कहा- आज अलग-अलग उपचुनाव के परिणाम भी उत्साहजनक रहे हैं। महाराष्ट्र, गुजरात, नगालैंड और त्रिपुरा में जो उपचुनाव हुए, उनमें हमारे उम्मीदवारों को जनता-जनार्दन ने आशीर्वाद दिया। हम इन राज्यों में भी जीत गए। एनडीए की नेता सुनेत्रा पवार जी ने भी बड़ी जीत दर्ज की है। मैं सभी राज्यों की जनता का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

मैं बंगाल की जनता का, असम की जनता का, पुदुचेरी की जनता का, तमिलनाडु और केरल की जनता का आदरपूर्वक नमन करता हूं। मैं उनका वंदन करता हूं। भाजपा के हर छोटे-बड़े कार्यकर्ता ने कमाल कर दिया है, कमल खिला दिया है। आपने नया इतिहास रच दिया है। भाजपा के अध्यक्ष नितिन नवीन के अध्यक्ष पद संभालने के बाद ये पहले विधानसभा चुनाव थे। इनमें पार्टी कार्यकर्ताओं को जो उनका मार्गदर्शन मिला, वह इस विजय में बहुमूल्य रहा है। >14

विजय की आंधी में द्रविड राजनीति का सफाया

सिनेमा के बाद अब सियासत के थलाइवा

चेन्नई, 4 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के वोटों की गिनती के बीच, प्रारंभिक रुझानों ने राज्य की राजनीति में एक बड़ा उलटफेर कर दिया है।

अभिनेता विजय थलपति की नवगठित राजनीतिक पार्टी, तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) ने शुरूआती रुझानों में 109 सीटों पर बढ़त बनाकर सभी को चौंका दिया है। इस प्रभावशाली प्रदर्शन के सामने, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) जैसी स्थापित पार्टियां काफी पीछे नजर आ रही हैं। टीवीके के मजबूत प्रदर्शन के बीच जाने-माने फिल्म निर्देशक और विजय थलपति के पिता एस.ए चंद्रशेखर ने राजनीतिक दलों से एक महत्वपूर्ण आह्वान किया है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान, उन्होंने उन पार्टियों, विशेषकर कांग्रेस जैसी (जिन्होंने अपनी राजनीतिक जमीन खो दी है) से विजय की पार्टी के साथ गठबंधन करने का आग्रह किया। चंद्रशेखर का मानना है कि विजय के नेतृत्व में गठबंधन करने से ये पार्टियां अपनी खोई हुई सत्ता को वापस पा सकती हैं। एस.ए. चंद्रशेखर ने कहा कि टीवीके को जनता का मिल रहा समर्थन इस बात का स्पष्ट संकेत है कि लोग मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था से असंतुष्ट हैं और एक नए विकल्प की तलाश में हैं। उनके अनुसार, टीवीके की ओर जनता का झुकाव केवल एक पार्टी के प्रति समर्थन नहीं, बल्कि जनता के गुस्से और बदलाव की प्रबल इच्छा को भी दर्शाता है। लोग अब पारंपरिक पार्टियों से हटकर एक नई और युवा राजनीतिक शक्ति की ओर आकर्षित हो रहे हैं। विजय थलपति के राजनीतिक सफर पर प्रकाश डालते हुए, उनके पिता ने कहा कि जनता ने उन्हें केवल एक अभिनेता के रूप में ही नहीं, बल्कि एक नेता के रूप में भी स्वीकार किया है। >14

पिता के घर पहुंचकर विजय ने बजाई सीटी बालकनी से फैंस का किया अभिवादन

चेन्नई, 4 मई (एजेंसियां)। अभिनेता विजय ने सिनेमाई पर्दे पर अपना लोहा मनवाया। अभिनय से दर्शकों के दिलों पर राज किया। अब वे राजनीति में उतरे हैं। पहली बार अपनी पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) के जरिए वे चुनावी अखाड़े में उतरे और यहां भी करिश्मा कर दिखाया। राज्य की कुल 234 सीटों में से 109 सीटों पर उनकी पार्टी बढ़त है। एक्टर जीत पक्की होते देख अपने पिता का आशीर्वाद लेने पहुंचे।

मुख्य सचिव का सख्त फरमान, ऑफिस से नहीं हटेंगे कागजात

उल्लंघन पर होगी कड़ी कार्रवाई

कोलकाता, 4 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के लिए जारी गहमागहमी और मतगणना के बीच राज्य प्रशासन ने एक अत्यंत संवेदनशील फैसला लिया है। मुख्य सचिव दुष्यंत नारियाला ने सोमवार को एक सख्त आदेश जारी करते हुए सभी सरकारी विभागों को फाइलों और दस्तावेजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि किसी भी स्थिति में कार्यालयों से महत्वपूर्ण कागज या फाइलें बाहर नहीं जानी चाहिए। सरकार की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, अब कोई भी सरकारी फाइल न तो हटाई जा सकेगी और न ही उसे किसी प्रकार का नुकसान पहुंचाया जा सकेगा। इसके साथ ही,

सरकारी दस्तावेजों की बिना अनुमति के फोटोकॉपी करने या उन्हें स्कैन करने पर भी पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। मुख्य सचिव ने कहा है कि हर एक फाइल और सरकारी पत्राचार का उचित हिसाब रखना अनिवार्य होगा। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि इन नियमों का पालन कराने की सीधी जिम्मेदारी विभाग के प्रमुखों और सचिवों की होगी। यदि भविष्य में किसी भी फाइल के गायब होने या नियमों के उल्लंघन का कोई मामला सामने आता है, तो संबंधित उच्च अधिकारी की व्यक्तिगत जवाबदेही तय की जाएगी। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, इस तरह के आदेश अक्सर तब जारी किए जाते हैं जब 'ट्रांजिशन ऑफ पावर' यानी सत्ता के हस्तांतरण की स्थिति करीब होती है। भाजपा की बढ़त के दावों के बीच, फाइलों की स्कैनिंग और फोटोकॉपी पर पूर्ण प्रतिबंध यह संकेत देता है कि सरकार किसी भी विभागीय जानकारी के लीक होने या आधिकारिक रिकॉर्ड्स के गायब होने के जोखिम को शून्य करना चाहती है। >14

असम में एनडीए की प्रचंड जीत : हिमंत बिस्वा ने जनता के बीच झूमकर मनाया जश्न, दिलीप सैकिया बोले-जिम्मेदारी बढ़ी

गुवाहाटी, 4 मई (एजेंसियां)। असम विधानसभा चुनाव 2026 में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 126 सदस्यीय सदन में 102 सीटों पर जीत या बढ़त हासिल कर बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। इसके साथ ही हिमंत बिस्वा सरमा ने लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की ओर मजबूत कदम बढ़ाया है। नतीजों के बाद मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने विक्ट्री साइन दिखाकर और झूमकर कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया और इसे जनता के विश्वास की जीत बताया। चुनावी नतीजों के बाद पूरे राज्य में भाजपा समर्थकों के बीच जश्न का माहौल है। पार्टी नेताओं ने इसे विकास और स्थिरता की राजनीति पर जनता की मुहर बताया है। यह जीत सुरक्षा और विकास के एजेंडे पर मिली बड़ी जनस्वीकृति के रूप में देखी जा रही है। भाजपा का वोट शेयर 2016 के 33.6 प्रतिशत से बढ़कर 2026 में 38.59 प्रतिशत हो गया।

सुप्रीम कोर्ट का कड़ा रुख : रजिस्ट्री की कार्यप्रणाली पर सवाल

सुपर सीजेआई जैसा व्यवहार बताया, जांच के आदेश

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अपने ही रजिस्ट्री तंत्र के कामकाज पर तीखी नाराजगी जताते हुए उसे नैस्टी करार दिया। कोर्ट ने कहा कि कुछ अधिकारी खुद को सुपर चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया समझने लगे हैं। अदालत ने इस मामले में प्रशासनिक चूक की जांच के भी निर्देश दिए हैं।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमल्या बागची की पीठ यह टिप्पणी उस समय कर रही थी, जब वह आयुषी मित्तल उर्फ आयुषी अग्रवाल की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी। आयुषी मित्तल और उनके पति पर 37,000 करोड़ रुपये से अधिक के कथित निवेश घोटाले में शामिल होने का आरोप है। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने 23 मार्च के अपने आदेश का हवाला देते हुए कहा कि यह समझ से परे है कि रजिस्ट्री ने कैसे निष्कर्ष निकाल लिया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी नहीं किया गया।

सीजेआई ने कड़े शब्दों में कहा कि रजिस्ट्री बहुत खराब तरीके से काम कर रही है। यहां बैठे लोग खुद को सुपर सीजेआई समझते हैं। अदालत ने अपने ताजा आदेश में स्पष्ट किया कि 23 मार्च के आदेश का आशय ईडी को पक्षकार बनाकर नोटिस जारी करना था। पीठ ने निर्देश दिया कि ईडी को तुरंत नोटिस भेजा जाए।

जांच के आदेश :

सुप्रीम कोर्ट ने रजिस्ट्री में हुई इस चूक को गंभीर मानते हुए रजिस्ट्रार ज्यूडिशियल को तथ्यात्मक जांच करने का निर्देश दिया है। जांच में यह पता लगाया जाएगा कि अदालत के आदेश की गलत व्याख्या कैसे हुई और नोटिस जारी क्यों नहीं किया गया।

मामला एक बड़े निवेश घोटाले से जुड़ा है, जिसमें याचिकाकर्ता आयुषी मित्तल, उनके पति और उनकी कंपनी पर हजारों करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप हैं। बचाव पक्ष का कहना है कि निवेशकों का एक बड़ा हिस्सा पैसा वापस कर दिया गया है, हालांकि सैकड़ों करोड़ रुपये अभी भी बैंक खातों में फ्रीज हैं, जिन्हें ईडी ने जब्त कर रखा है। अदालत ने स्पष्ट किया कि जब तक याचिकाकर्ता और उसके परिवार की सभी चल और अचल संपत्तियों का समग्र विवरण नहीं दिया जाता, तब तक जमानत याचिका पर मेरिट के आधार पर विचार नहीं किया जाएगा।

केरल में कांग्रेस का जश्न, जयराम रमेश बोले-'एकता की जीत

> केरल में यूडीएफ की बढ़त पर कांग्रेस का जश्न

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेताओं ने सोमवार को केरल चुनाव के नतीजों में पार्टी के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक गठबंधन (यूडीएफ) की स्पष्ट बढ़त का स्वागत किया और इसे 'यूडीएफ की एकता की जीत' करार दिया।

कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'केरलम को छोड़कर जो अन्य नतीजे आए हैं वो हमारी उम्मीदों से कम हैं। लेकिन हम ना निराश हैं ना हताश। हम विचारधारा की लड़ाई लड़ रहे हैं। एकतंत्र और झूठ के खिलाफ लोकतंत्र और सच की लड़ाई का रास्ता हमेशा लंबा और कठिन होता है। परंतु हम संकल्प और दृढ़ता से एकनिष्ट हो कर आगे बढ़ते रहेंगे। जल्द ही हम नतीजों का गहराई से विश्लेषण करेंगे। ऑब्जर्वर्स को केरलम भेजने की प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है।'

कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा, 'यह जीत हमारे लिए बहुत बड़ी है, और देशभर में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं को बहुत-बहुत बधाई। केरल की जनता को विशेष बधाई। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने कहा, 'हमारा ध्यान केरल पर केंद्रित है।' उन्होंने जोर देकर कहा कि जिन पांच राज्यों में चुनाव हुए, उनमें से किसी में भी सरकार नहीं बन पाई, उससे अब यह स्पष्ट है कि केरल में कांग्रेस गठबंधन सरकार बनाएगी। इससे पहले, केरल कांग्रेस अध्यक्ष सनी जोसेफ ने मतदाताओं और पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया।

'बंगाल जीते, अब पंजाब की बारी'

ममता बनर्जी को हराने के बाद बीजेपी का अगला मिशन पंजाब

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में बीजेपी के शानदार प्रदर्शन के बाद बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं का जोश हाई है। दिल्ली समेत देश के तमाम राज्यों में स्थित बीजेपी कार्यालयों में जीत का जश्न मनाया जा रहा है। पीएम मोदी भी दिल्ली स्थित बीजेपी मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं के जश्न में शामिल हुए, साथ कार्यकर्ताओं को संबोधित भी किया। इस बीच पश्चिम बंगाल में मिली बढ़त के बीच बीजेपी ने इस प्रदर्शन को राजनीतिक हथियार बनाना शुरू कर दिया है।

बीजेपी के प्रवक्ता जयवीर शेरगिल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, पश्चिम बंगाल के बाद अब पंजाब की बारी! आप, अपना बोरिया-बिस्तर बांध लो! इस बयान से साफ है कि बीजेपी इस बढ़त को अन्य राज्यों में भी सियासी मुद्दा बनाने की तैयारी में है।

देशभर में जश्न का माहौल :

पश्चिम बंगाल में बीजेपी के शानदार प्रदर्शन ने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं में जबरदस्त उत्साह भर दिया है। दिल्ली समेत देशभर के बीजेपी कार्यालयों में जश्न शुरू हो गया है। कार्यकर्ता ढोल-नगाड़ों और नारों के साथ इस जीत का स्वागत कर रहे हैं।

बंगाल से बड़ा राजनीतिक संदेश :

बंगाल में बीजेपी की मजबूत स्थिति को पार्टी बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देख रही है। यह प्रदर्शन न केवल राज्य की राजनीति में असर डाल सकता है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी बीजेपी की रणनीति को मजबूती देने वाला माना जा रहा है।

एसिड हमलों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

सजा बढ़ाने, आरोपी पर दोष साबित करने का बोझ डालने का सुझाव

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एसिड हमलों के मामलों में तेज से बढ़ने पर गंभीर चिंता व्यक्त की। शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को ऐसे अपराधों के लिए सजा बढ़ाने पर विचार करने का सुझाव दिया है। इसके साथ ही, अदालत ने यह भी कहा कि अपराध साबित करने का बोझ आरोपी पर डाला जाना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने निर्देश दिया कि जिन व्यक्तियों को जबरन एसिड पिलाया जाता है या आंतरिक चोटें आती हैं, भले ही कोई बाहरी विकृति न हो, उन्हें भी विकलांग व्यक्ति अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत एसिड अटैक पीड़ित माना जाएगा। यह स्पष्टीकरण 2016 अधिनियम के लागू होने के समय से ही शामिल माना जाएगा। पीठ ने संबंधित मंत्रालय से इस मानित संशोधन को औपचारिक रूप से अधिसूचित करने की सराहना की।

राहुल ने ममता-स्टालिन से की बात, चुनाव नतीजों पर चर्चा

टीवीके के प्रदर्शन पर विजय को बधाई भी दी

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने हाल ही में आए पांच राज्यों के चुनाव नतीजों के बाद तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी, डीएमके अध्यक्ष एम.के. स्टालिन और टीवीके प्रमुख विजय से फोन पर बातचीत की। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने जानकारी देते हुए बताया कि राहुल गांधी ने चुनाव परिणामों पर चर्चा की और टीवीके के प्रदर्शन के लिए विजय को बधाई भी दी।

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि राहुल गांधी ने ममता बनर्जी और एम.के. स्टालिन से चुनाव नतीजों को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने टीवीके प्रमुख विजय को उनकी पार्टी के प्रदर्शन पर शुभकामनाएं दीं। इस चुनाव में पश्चिम बंगाल में टीएमसी को भाजपा के हाथों हार का सामना करना पड़ा, जबकि तमिलनाडु में डीएमके को नए राजनीतिक दल टीवीके से चुनौती मिली। कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में अकेले चुनाव लड़ा, वहीं तमिलनाडु में डीएमके के साथ गठबंधन में हिस्सा लिया।

केरल में यूडीएफ की जीत पर राहुल गांधी का संदेश

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक भावुक संदेश साझा करते हुए केरल की जनता का धन्यवाद किया। उन्होंने लिखा कि केरल के लोगों ने एक स्पष्ट और निर्णायक जनादेश दिया है। उन्होंने अपने संदेश में कहा 'केरल की मेरी बहनों और भाइयों का दिल से धन्यवाद, जिन्होंने एक मजबूत जनादेश दिया। हर यूडीएफ नेता और कार्यकर्ता को कठिन और सुव्यवस्थित चुनाव अभियान के लिए बधाई।' राहुल गांधी ने आगे कहा कि केरल में प्रतिभा और क्षमता की कोई कमी नहीं है और अब राज्य में यूडीएफ सरकार एक नई दृष्टि के साथ आगे बढ़ेगी। उन्होंने यह भी लिखा कि वे जल्द ही केरल परिवार से मिलने के लिए उत्सुक हैं।

'कानून व्यवस्था संभालना सरकार का काम है'

बंगाल चुनाव नतीजों के बीच आया सुप्रीम कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभाव चुनाव को लेकर मतगणणा जारी है। इस बीच ही सुप्रीम कोर्ट सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव के बाद हिंसा की आशंकाओं के मद्देनजर केंद्रीय बलों की तैनाती जारी रखने की मांग वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में आता है। ऐसे में कोर्ट ने कहा कि वह राज्य तंत्र से न्यायिक हस्तक्षेप के बिना ही अपनी जिम्मेदारियों को निभाने की उम्मीद करता है।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कहा कि इस स्तर पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा किसी न्यायिक आदेश की आवश्यकता नहीं है। सीजेआई की बेंच पीठ ने कहा, राज्य का संचालन राजनीतिक कार्यपालिका द्वारा किया जाए। वे निर्णय लेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा :

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमें उम्मीद है कि वे (राज्यसरकार) अपनी जिम्मेदारियों को समझते हैं। पीठ ने केंद्रीय पुलिस बलों की निरंतर तैनाती के निर्देश देने वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया। ये टिप्पणियां तब आईं जब वरिष्ठ अधिवक्ता वी. गिरि ने सनातनी संसद की ओर से दायर उस याचिका का जिक्र किया जिसमें मतदान समाप्त होने के बाद भी केंद्रीय बलों की मौजूदगी सुनिश्चित करने और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में निगरानी तंत्र स्थापित करने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

सशस्त्र बल न्यायाधिकरण में रिक्तियां भरने का मांग

सुप्रीम कोर्ट नें केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सशस्त्र बल न्यायाधिकरण में रिक्त पदों को भरने की मांग वाली याचिका पर केंद्र सरकार और अन्य से जवाब मांगा है। न्यायालय ने सोमवार को केंद्र को निर्देश दिया कि वह समयबद्ध तरीके से चयन प्रक्रिया पूरी कर रिक्त पदों को भरे।

रिक्तियां नहीं भरने पर काम में आ सकती है बाधा :

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति व्यक्त की। पीठ ने महान्यायवादी आर वेंकटरमणी को इस मामले में सहायता करने को कहा। याचिकाकर्ता, सशस्त्र बल न्यायाधिकरण बार एसोसिएशन (क्षेत्रीय पीठ) के वकील को याचिका की प्रति महान्यायवादी के कार्यालय को सौंपने का निर्देश दिया गया। मामले की अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद तय की गई है। याचिकाकर्ता के वकील ने पीठ को बताया कि सशस्त्र बल न्यायाधिकरण की कुल 11 पीठें हैं। यदि रिक्तियां नहीं भरी गईं, तो वर्ष के अंत तक केवल तीन ही कार्यरत रह पाएंगी।

याचिका की मुख्य मांगें :

याचिका में केंद्र को सशस्त्र बल न्यायाधिकरण अधिनियम, 2007 की धारा पांच का पालन करने का निर्देश देने की मांग की गई है। इस धारा के तहत समयबद्ध तरीके से रिक्तियों को भरा जाना है। यह धारा न्यायाधिकरण और उसकी पीठों की संरचना से संबंधित है। याचिका में यह भी मांग की गई है कि न्यायाधिकरण के वर्तमान न्यायिक और प्रशासनिक सदस्य पद पर बने रहें। वे अपनी सहमति के अधीन तब तक पद पर रह सकते हैं जब तक आवश्यक नियुक्तियां नहीं हो जातीं।

ट्रांसजेंडर कानून में अभी नहीं होगा बदलाव

केंद्र से मांगा जवाब, तीन जजों की बेंच करेगी सुनवाई

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांसजेंडर समुदाय के अधिकारों से जुड़े संशोधित कानून की सांविधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केंद्र सरकार, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से जवाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमल्या बागची की पीठ ने याचिकाओं पर सुनवाई के लिए सहमति जताते हुए नोटिस जारी किया। अदालत ने स्पष्ट किया कि फिलहाल किसी अंतरिम राहत का सवाल नहीं उठता।

पीठ ने यह भी कहा कि मामले की आगे की सुनवाई के लिए इसे तीन जजों की बेंच के सामने रखा जाएगा, जिसका गठन सीजेआई करेंगे। अदालत ने इस मामले को छह हफ्ते बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। गौरतलब है कि संसद ने 25 मार्च को ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के संरक्षण और अधिकारों से जुड़े कानून में संशोधन विधेयक पारित किया था, जिसे 30 मार्च को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई। इस संशोधन में 'सामाजिक अभिविन्यास' को कानून के दायरे से बाहर रखा गया है। संशोधित कानून में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के खिलाफ अपराधों के लिए नुकसान की गंभीरता के आधार पर अलग-अलग सजा का प्रावधान भी किया गया है।

आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल में खाली पदों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, केंद्र से मांगा जवाब

सुप्रीम कोर्ट ने आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल (एएफटी) में बढ़ती रिक्तियों पर गंभीर चिंता जताते हुए केंद्र सरकार और अन्य पक्षों से जवाब तलब किया है। अदालत ने समयबद्ध तरीके से खाली पदों को भरने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताई है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमल्या बागची की पीठ ने इस मामले में अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी से भी सहयोग करने को कहा। साथ ही याचिकाकर्ता आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल बार एसोसिएशन के वकील को निर्देश दिया गया कि वे याचिका की प्रति अटॉर्नी जनरल के कार्यालय को सौंपें। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद तय की है। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि एएफटी की 11 पीठों में से यदि जल्द नियुक्तियां नहीं की गईं तो साल के अंत तक केवल तीन ही पीठें कार्यरत रह जाएंगी, जिससे सैन्य मामलों से जुड़े मामलों की सुनवाई पर गंभीर असर पड़ेगा। याचिका में मांग की गई है कि केंद्र सरकार को आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल अधिनियम, 2007 की धारा 5 के तहत ट्रिब्यूनल की संरचना के अनुरूप रिक्त पदों को समयबद्ध तरीके से भरने का निर्देश दिया जाए।

इसके साथ ही यह भी अनुरोध किया गया है कि जब तक नई नियुक्तियां नहीं हो जातीं, तब तक मौजूदा न्यायिक और प्रशासनिक सदस्यों को उनकी सहमति के आधार पर पद पर बने रहने की अनुमति दी जाए, ताकि ट्रिब्यूनल का कामकाज बाधित न हो।

जाजपुर सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत, सात लोग घायल

जाजपुर, 4 मई (एजेंसियां)। ओडिशा के जाजपुर जिले में आज एक भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना दैतारी-पारादीप एक्सप्रेसवे पर बरदा चौक के पास हुई, जब एक एसयूवी ट्रक से टकरा गई। मृतकों में दो महिलाएं शामिल हैं, जबकि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कुल 12 लोग थे सवार, पांच की मौत

पुलिस के अनुसार, एसयूवी में कुल 12 लोग सवार थे, जिनमें तीन महिलाएं और दो बच्चे शामिल थे। ये सभी क्योंझर में एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद अपने घर लौट रहे थे। जेनपुर पुलिस स्टेशन के प्रभारी निरीक्षक निरुपमा जेना ने बताया कि पीड़ित पुरुषोत्तमपुर-संजय नगर गांव के निवासी थे। एसयूवी ने पीछे से एक ट्रक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि एसयूवी ट्रक के नीचे फंस गई। हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि सात अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनकी हालत नाजुक बनी हुई है। घायलों को पहले धर्मशाला और बड़ाचना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। बाद में, उनकी हालत बिगड़ने पर सभी को कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय सरकारी अस्पताल भेज दिया है। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।

कैसे हुई दुर्घटना

यह दुर्घटना जेनपुर पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत हुई। एसयूवी में सवार सभी लोग एक ही गांव के थे और शादी से लौट रहे थे। टक्कर के बाद एसयूवी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने बताया कि फरार ट्रक चालक और वाहन की तलाश के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। पुलिस ने इस घटना के संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फरार ट्रक चालक को पकड़ने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। घायलों का इलाज कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में जारी है, जहां उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

खबरें जरा हटके

सिर्फ पाकिस्तानी ही कर सकते हैं ऐसा!

9 भाइयों ने रचाई 9 बहनों से शादी, कभी थे बीवियों के भाईजान

सोशल मीडिया इन दिनों पाकिस्तान के मुल्तान जिले से आई एक अनोखी शादी की खबर से गूंज रहा है. शुजाबाद इलाके में एक ही परिवार के 9 युवकों ने अपनी 9 चचेरी बहनों से एक साथ निकाह कर लिया. यह सामूहिक विवाह ना सिर्फ अपने पैमाने के लिए बल्कि दहेज मुक्त होने के कारण भी चर्चा का विषय बना हुआ है.

पाकिस्तानी मीडिया और सोशल मीडिया यूजर्स इसे "नेकी की मिसाल" बता रहे हैं. घटना शुजाबाद की है, जो मुल्तान का उपनगरीय इलाका है. यहां 9 दूल्हे मुहम्मद काशिफ, मुहम्मद आसिम, मुहम्मद अमीन, मुहम्मद नईम, मुहम्मद नवेद, मुहम्मद राशिद, मुहम्मद बिलाल, मुहम्मद शहबाज और मुहम्मद अली ने अपनी चचेरी बहनों के साथ एक ही समारोह में शादी कर ली. जैसे ही ये खबर इंडियन मीडिया में आई, वायरल हो गई. जहां पाकिस्तान में इस निकाह की तारीफ हो रही है वहीं भारत में लोगों ने इसपर चिंता जताई है.

एक ही मंडप में 9 जोड़ियों ने निकाह पढ़ा और बाद में एक ही वलीमा का आयोजन किया गया. परिवार ने जानबूझकर भव्यता से दूर रहते हुए सरल तरीके से शादी की. सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि दोनों परिवारों ने दहेज लेने-देने से साफ इनकार कर दिया. पाकिस्तान में जहां दहेज की वजह से कई परिवार कर्ज में डूब जाते हैं, वहां इस फैसले को सराहा जा रहा है. पाकिस्तानी यूजर्स लिख रहे हैं – "ये असली मुस्लिम परंपरा है, रिश्तेदारी मजबूत होती है और खर्च भी बचता है." कुछ पोस्ट्स में इसे "बिना दहेज की मिसाल" बताते हुए वायरल किया गया. भारत में इस खबर पर प्रतिक्रियाएं काफी तीखी हैं. कई यूजर्स इसे "कजिन मैरिज" बताते हुए स्वास्थ्य जोखिम और सांस्कृतिक अंतर पर सवाल उठा रहे हैं. कुछ कमेंट्स में लिखा गया –सिर्फ पाकिस्तानी ही कर सकते हैं ऐसा!"

तलाक के लिए वेडिंग ड्रेस में कोर्ट पहुंची महिलाएं, माथा ठोकते रहे पति

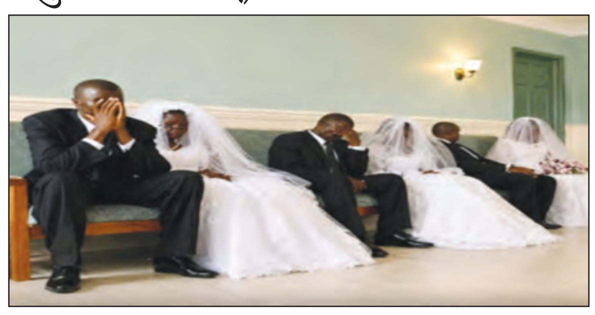

सोशल मीडिया इन दिनों एक अनोखी तस्वीर वायरल हो रही है. तस्वीर घाना के एक कोर्टरूम की बताई जा रही है जिसमें कई महिलाएं शादी वाली ब्राइडल ड्रेस में डिवोर्स के लिए कतार में बैठी नजर आई. उनके बगल में पति सिर पकड़े या माथा ठोकते नजर आए. तस्वीर के बारे में बताया जा रहा है कि महिलाएं तलाक लेने अपने ब्राइडल ड्रेस में पहुंची थी. तस्वीर के कैप्शन में लिखा है- जिस ड्रेस में शादी की, उसी में तलाक के लिए आ गईं". तस्वीर देखकर लोग हंस भी रहे हैं और सोच भी रहे हैं. लेकिन इस वायरल इमेज की असलियत क्या है?

जांच करने पर पता चलता है कि ये तस्वीर स्टेज्ड है. ये किसी रियल कोर्ट केस की फोटो नहीं बल्कि एक फोटोशूट या फिल्म/कैंपेन का हिस्सा है. घाना या अफ्रीकी देशों में तलाक की दर काफी बढ़ रही है, लेकिन इस खास तस्वीर को जानबूझकर ड्रामेटिक बनाने के लिए तैयार किया गया. सोशल मीडिया यूजर्स ने इसे बिना फैक्ट चेक किए शेयर कर दिया, जिससे ये वायरल हो गई. तस्वीर में महिलाएं ब्राइडल ड्रेस में तलाक के लिए बैठी नजर आई. पतियों के चेहरे पर निराशा का एक्सप्रेशन था. ये तस्वीर रिलेटेबल और मीम बनाने लायक कंटेंट से भरा था. तलाक जैसे गंभीर मुद्दे पर हल्का-फुल्का नजरिया इसे वायरल बना गया. कई लोग इसे सबक बताते हुए शेयर कर रहे हैं कि शादी से पहले सोच-समझकर फैसला लें. वायरल होने के बाद कई मीडिया आउटलेट्स ने इसे रियल बता दिया, जिससे गलतफहमी फैल गई. असल कोर्टरूम में ब्राइडल ड्रेस पहनकर आने की कोई परंपरा नहीं है. ज्यादातर लोग सामान्य कपड़ों में ही आते हैं. ये फोटोशूट शायद किसी सोशल कैंपेन, शॉर्ट फिल्म या आर्ट प्रोजेक्ट का हिस्सा था जिसे वायरल मार्केटिंग के लिए इस्तेमाल किया गया. घाना समेत कई अफ्रीकी देशों में तलाक की संख्या बढ़ रही है.

मौत के बाद भी जिंदा रही मोहब्बत, बहन की हड्डियों से बना दी विंड चाइम

हवा का हर झोंका लाता है यादों की गूंज!

सोचिए... आधी रात हो, चारों तरफ गहरा सन्नाटा पसरा हो और अचानक आपकी बालकनी से किसी चीज के टकराने की खनक सुनाई दे. आमतौर पर ऐसी आवाज किसी को भी डरा सकती है. लेकिन डेनवर की रहने वाली 43 साल की एरिन मेरेली लिए यही आवाज डर नहीं, बल्कि सुकून का सबसे प्यारा अहसास बन चुकी है. यह कोई साधारण खनक नहीं, बल्कि उनकी बहन की यादों की वो धुन है, जो हर हवा के झोंके के सात लौट आती है.

दरअसल, एरिन की बहन ने जिंदगी के आखिरी पलों में एक ऐसी इच्छा जताई, जिसे सुनकर कोई भी हैरान रह जाए. उसने कहा- "मुझे दफनाना मत, मुझे एक नीली विंड चाइम बना देना." यह बात किसी फिल्मी सीन जैसी लगती है, लेकिन एरिन के लिए यह सिर्फ एक इच्छा नहीं, बल्कि अपनी बहन से किया गया वादा था. उन्होंने इस वादे को पूरी सच्चाई और भावना के साथ निभाया. आज उनकी बालकनी में टंगी वह नीली विंड चाइम सिर्फ एक सजावट नहीं, बल्कि एक ऐसा रिश्ता है, जो मौत के बाद भी जिंदा है. इस पूरी कहानी के पीछे एक खास वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसे 'अल्कलाइन हाइड्रोलिसिस' कहा जाता है.

इसे आम भाषा में 'जल दाह संस्कार' भी कहा जाता है. इस प्रक्रिया में शरीर को पानी और कुछ विशेष रसायनों के साथ रखा जाता है, जिससे शरीर धीरे-धीरे टूटकर तरल रूप में बदल जाता है. इस तरल को पौधों में मिलाया जाता है, ताकि जीवन किसी नए रूप में फिर से जन्म ले सके. जो हड्डियां बचती हैं, उन्हें सुखाकर महीन पाउडर में बदला जाता है. यही पाउडर आगे चलकर उस अनोखी विंड चाइम को बनाने के इस्तेमाल में आता है.

ठाणे में अपहरण और दुष्कर्म मामले में युवक बरी

अदालत ने कहा-पीड़िता सहमति से गई थी साथ

ठाणे, 4 मई (एजेंसियां)। ठाणे की एक अदालत ने एक युवक को अपहरण और दुष्कर्म के मामले में बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि पीड़िता वयस्क थी और अपनी मर्जी से उसके साथ गई थी। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि चूंकि पीड़िता बालिग थी, इसलिए वह अपने फैसले खुद लेने में सक्षम थी। यह आदेश विशेष पॉक्सो अदालत की जज रूबी यू मलवंकर ने 24 अप्रैल को दिया था, जिसकी प्रति सोमवार को उपलब्ध कराई गई।

मामला 25 जनवरी 2020 का है। महाराष्ट्र के ठाणे के कलवा इलाके में रहने वाले शशिकपूर श्यामलाल गुप्ता (27 वर्षीय) के खिलाफ पीड़िता के पिता की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। आरोप था कि उनकी 16 वर्षीय बेटी को घर से अगवा किया गया। पुलिस ने बाद में लड़की और आरोपी को उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ से बरामद किया, जहां दोनों ने दावा किया कि उन्होंने मंदिर में शादी कर ली थी और बाद में गुजरात के सूरत चले गए थे। आरोपी पर भारतीय दंड संहिता की धारा 363 (अपहरण), 376 (दुष्कर्म), 506 (आपराधिक धमकी) और पॉक्सो कानून के तहत आरोप लगाए गए थे। सुनवाई के दौरान पीड़िता, उसके पिता और एक अन्य गवाह के बयान दर्ज किए गए। अदालत ने पाया कि पीड़िता के पिता की गवाही में नाबालिग होने के दावे में विरोधाभास था। अदालत ने कहा,ऐसा प्रतीत होता है कि उस समय पीड़िता 18 से 19 वर्ष की थी और इसलिए वह अपने निर्णय लेने में सक्षम थी।

'जजों ने पार की हदें, दबंग बन बैठे हैं माई लॉर्ड्स'

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। सीनियर वकील और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की किताब इन दिनों चर्चा में है। उन्होंने अपनी अपकमिंग किताब में जजों के रवैये पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने किताब में दुनिया भर में वकीलों की तरफ से जजों के लिए जताई जाने वाली श्रद्धा को लेकर कई प्रश्न खड़े किए हैं। उनका दावा है कि इससे जजों में 'दिव्यता का झूठा एहसास' पैदा हो गया है। इससे कुछ 'माई लॉर्ड्स' दबंग बन गए हैं। माना जा रहा है कि तुषार मेहता अपनी किताब के बाद बेंच पर बैठे जजों की नाराजगी मोल ले सकते हैं।

वकीलों की बात काटी जा रही

तुषार मेहता ने विदेशी अदालतों की घटनाओं का जिक्र करते हुए 'बेंच पर दादागिरी' वाली थीम को समझाया है, जो भारतीय न्यायपालिका को भी आईना दिखा सकती है। अपनी किताब 'द बेंच, द बार एंड द बिजार' में वे लिखते हैं। न्यायिक दादागिरी कई रूप ले लेती है। कुछ जज वकीलों की बात लगातार काटते रहते हैं, तो कुछ सख्ती की हद पार करके अपमान करने पर उतर आते हैं। तुषार मेहता ने आगे कहा है कि न्यायिक व्यवस्था मुख्य रूप से मुकदमेबाजों के लिए ही बनी है, फिर भी हम अपने संवैधानिक और वैधानिक अधिकारों की सुरक्षा की मांग सीधे तौर पर नहीं कर सकते। इसके बजाय उन्हें अपने वकील के माध्यम से 'माननीय न्यायाधीश की सादर अनुमति' लेकर ही अपनी बात रखनी पड़ती है। यहां तक कि अगर पीठ की ओर से कोई स्पष्ट रूप से बेतुकी कानूनी बात भी कही जाती है, तो वकील सबसे पहले 'हम माननीय न्यायाधीश के समक्ष नतमस्तक हैं' कहकर ही उसका जवाब देते हैं। इसके बाद ही वे 'साहस जुटाकर' माननीय न्यायाधीश के सामने कोई वैकल्पिक प्रस्ताव प्रस्तुत करने की 'गुस्ताखी' करने की हिम्मत कर पाते हैं।

मेहता का दूसरा सबसे लंबा कार्यकाल

व्यंग्यात्मक लहजे में लिखी यह किताब शायद एक साहसी कदम है। ये किताब इसलिए भी खास है, क्योंकि इस लिखने वाले लेखक खुद एक सेवारत विधि अधिकारी हैं। मेहता का कार्यकाल एसजी के तौर पर लगभग 8 साल का है, जो 2018 में शुरू हुआ था। पहले एसजी रहे दिग्गज सी.के. दफ्तरी के 13 साल के कार्यकाल के बाद यह दूसरा सबसे लंबा कार्यकाल है।

जजों की परेशानियों का भी जिक्र

इस किताब की एक एक्सक्लूसिव कॉपी है। ये किताब दुनियाभर के अलग-अलग न्याय-क्षेत्रों और कोर्टरूम के नाटकों से कई दिलचस्प और गहरे उदाहरणों को बयां करती है। मेहता उन समस्याओं को भी स्वीकार करते हैं जिनका सामना जजों को करना पड़ता है।

'सिर्फ जनता के गुस्से पर जागती हैं सरकारें'

पूर्व सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने सिस्टम पर बोला तीखा हमला

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। रेप के मामलों में देश की विभिन्न अदालतों द्वारा कुछ हाई-प्रोफाइल मामलों में आरोपियों को संदेह का लाभ देकर बरी करने के मामले में पूर्व महिला सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने नाराजगी जताई है।

पूर्व सांसद ने एक्स पर जताई नाराजगी

महाराष्ट्र से सांसद रहीं प्रियंका चतुर्वेदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि भारत में बलात्कार की ज्यादातर पीड़ितों को न्याय की एक झलक पाने के लिए भी सालों तक तकलीफें झेलनी पड़ती हैं यही एकमात्र सच है।

देश की न्यायिक व्यवस्था पर भी लगाए आरोप

पूर्व राज्यसभा सांसद ने कहा एक्स पोस्ट में आगे लिखा कि सजा मिलने की दर कम है, पुलिस की जांच घटिया होती है। उन्होंने न्यायापलिका के ढीले रवैये की ओर इशारा करते हुए आगे लिखा कि न्यायपालिका को फैसला सुनाने में बहुत ज्यादा समय लगाती है, और फिर 'संदेह का लाभ' मिलने पर आरोपी बरी हो जाते हैं।

सरकारों पर साधा निशाना

शिवसेना यूबीटी से पूर्व सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने सरकारों पर निशाना साधते हुए लिखा कि सरकारें त्वरित सुनवाई का वादा तभी करती हैं, जब किसी मामले को लेकर जनता में भारी आक्रोश पैदा होता है। यह बेहद शर्मनाक है।

तीस हजारी कोर्ट ने युवा को किया बरी

आपको बता दें कि राजधानी दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने कुछ दिनों पहले ही छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न के मामले संदेह का लाभ देते हुए एक युवक को बरी किया है। मामले की सुनवाई करते हुए एडिशनल सेशन जज ने अपने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपी के खिलाफ संदेह से परे दोष सिद्ध करने में विफल रहा।

'टीएमसी ने किया भ्रष्टाचार, मिलना ही चाहिए था जवाब'

> बंगाल में बीजेपी की बढ़त पर बोले हुमायूं कबीर

बहरामपुर, 4 मई (एजेंसियां)। आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के अध्यक्ष हुमायूं कबीर ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस तीन बार सत्ता में रही। सरकार ने कई गलत निर्णय लिए और राज्य में जमकर भ्रष्टाचार हुआ। यही कारण है कि टीएमसी को सत्ता से बाहर होना पड़ रहा है। हुमायूं कबीर ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, मैंने पहले ही कहा था कि भाजपा को टीएमसी से अधिक सीटें मिलेंगी। मैं खुश हूं कि टीएमसी की हार से खुश हूं। टीएमसी ने लोगों पर अत्याचार किया। राज्य में भ्रष्टाचार किया। इनको जवाब मिलना चाहिए था और इस बार जवाब मिल गया है।

एजेयूपी प्रमुख ने कहा, टीएमसी ने अपने कार्यकाल में कोई काम नहीं किया। लोगों को नौकरी नहीं मिली। सड़कों की बुरी स्थिति है। शिक्षा व्यवस्था भी बेहद खराब है। अस्पतालों में एक बेड पर ही तीन-तीन मरीजों का इलाज कर दिया जाता है। इसलिए टीएमसी को जवाब मिलना ही चाहिए था।

उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा राज्य में आगे बढ़ती है तो उससे उन्हें कोई परेशानी नहीं है। बंगाल की जनता ने उन्हें वोट दिया है, तो भाजपा जीतेगी ही। इस दौरान, हुमायूं कबीर ने रेजीनगर और नाओदा विधानसभा सीटों पर अपनी जीत का दावा किया। फिलहाल, वे दोनों सीटों पर आगे चल रहे हैं। पश्चिम बंगाल में दो चरणों में हुए विधानसभा चुनावों के वोटों की गिनती सोमवार सुबह 8 बजे शुरू हुई।

दिल्ली अग्निकांड में बड़ा खुलासा

सेंट्रल लॉकिंग, एक सीढ़ी, बिजली कटने से जाम हुए लॉक; बचने के रास्ते हुए बंद

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में चार मंजिला इमारत में भीषण आग से नौ लोगों की मौत हो गई। पूरी इमारत में सेंट्रल लॉकिंग सिस्टम, इमारत के पिछले हिस्से में लगी लोहे की ग्रिल और एक ही सीढ़ी का होना घातक साबित हुआ। स्थानीय नागरिकों ने बताया, आग के कारण बिजली आपूर्ति बाधित होने से सेंट्रल लॉक वाले दरवाजे खोलना मुश्किल हो गया, जबकि लिफ्ट अनुपयोगी हो गई।

राष्ट्रीय राजधानी के बेहद पॉश विवेक विहार इलाके में चार मंजिला इमारत में भीषण आग से नौ लोगों की मौत हो गई। इनमें पांच लोग एक ही परिवार के थे। आग का कारण एसी में विस्फोट को बताया जा रहा है। यह दर्दनाक हादसा रविवार तड़के 3:48 बजे हुआ। मौके पर पहुंची पुलिस, आपदा प्रबंधन की टीमों और दमकल की 14 गाड़ियों ने चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बचावकर्मियों ने 15 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया, जबकि छह लोग झुलस गए, जिनमें एक की हालत नाजुक है। दो बेटियों ने दूसरी मंजिल से कूदकर जान बचाई। मृतकों में चार महिलाएं और डेढ़ साल का एक मासूम भी है।

शाहदरा पुलिस उपायुक्त राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया, विवेक विहार फेस-1 के बी-13 नंबर स्थित चार मंजिला इमारत में आठ फ्लैट हैं। इनमें अलग-अलग परिवार रहते हैं।

प्रथम दृष्ट्या आग की शुरुआत पीछे बने दूसरी मंजिल के एक फ्लैट से हुई। इस फ्लैट में नवीन जैन, पत्नी शिखा, दो बेटियों रक्षिता उर्फ परी और प्रियल के साथ रहते थे। कुछ दिनों से शिखा की बुजुर्ग मां दर्शना व पिता अरुण जैन भी इलाज के लिए आए हुए हैं। आशंका है कि आग इनके फ्लैट में एसी ब्लास्ट के बाद लगी। इमारत में धुआं फैला, तो अफरातफरी मच गई। आग ने तेजी से ऊपर के फ्लैटों को भी चपेट में ले लिया। दमकलकर्मियों ने बताया, इमारत में पीछे के चार फ्लैटों में आग की तीव्रता अधिक थी। नौ शव बरामद कर पुलिस को सौंपे गए हैं। विवेक विहार थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया है। क्राइम और फोरेंसिक टीमों ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं।

मां को बचाने में गई शिखा की जान

आग लगते ही शिखा और नवीन ने परिवार के सदस्यों को निकालना शुरू किया। पहले पिता को निकाला। दोनों बेटियां व शिखा की मां दर्शना फंस गईं। नवीन ने दोनों बेटियों को दूसरी मंजिल से कूदने के लिए कहा। नीचे पहले ही गद्दे डाल दिए थे। दोनों बेटियां गद्दों पर कूद गईं, जिससे उनकी जान बच गई। इस बीच, शिखा मां को बचाने लगीं। मां को निकालने में वह कामयाब हो गईं, पर खुद फंस गई और उनकी मौत हो गई। नवीन भी झुलस गए।

सीढ़ियों पर एक साथ मिले मां-बेटे के शव...

आपदा प्रबंधन टीम के एक सदस्य ने बताया, ऊपरी मंजिल पर तीन लोगों ने खुद को बचाने की कोशिश की, पर छत की ओर जाने वाला दरवाजा सेंट्रल लॉकिंग सिस्टम से बंद होने के कारण वे निकल नहीं सके। इन तीन लोगों में मां और बेटे के शव छत की ओर जाने वाली सीढ़ियों पर एक-दूसरे को पकड़े हुए मिले।

सेंट्रल लॉकिंग, लोहे की ग्रिल और एक ही सीढ़ी बनी घातक

पूरी इमारत में सेंट्रल लॉकिंग सिस्टम, इमारत के पिछले हिस्से में लगी लोहे की ग्रिल और एक ही सीढ़ी का होना घातक साबित हुआ। स्थानीय नागरिकों ने बताया, आग के कारण बिजली आपूर्ति बाधित होने से सेंट्रल लॉक वाले दरवाजे खोलना मुश्किल हो गया, जबकि लिफ्ट अनुपयोगी हो गई। पीछे मोटे लोहे की ग्रिल और बंद बालकनी ने निकासी व बचाव प्रक्रिया को और भी जटिल बना दिया।

दमकलकर्मी ने बताया, इमारत में प्रवेश व निकास के लिए एक ही सीढ़ी थी। पीछे का गेट ग्रिल से ढका हुआ था, जिसे औजारों से काटना पड़ा। 15 लोगों को बचाने के लिए हमारी टीम ने अलग दिशाओं से सीढ़ियां लगाईं और घुमावदार सीढ़ी वाहन का इस्तेमाल किया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 5 मई, 2026

सुविचार

हर ख़ुशी को ख़ुशी मत समझो, हर गम को गम मत समझो, अगर इस दुनिया में जीना है तो खुद को किसी से कम मत समझो!

असमय बारिश के बीच धान खरीद तेज करने के निर्देश

किसानों की सुरक्षा पर जोर : उत्तम कुमार

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में असमय बारिश के बीच सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने धान खरीद प्रक्रिया को तेज करने और किसानों की फसल को नुकसान से बचाने के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। सोमवार को हुई एक आपात वीडियो कॉन्फ्रेंस में उन्होंने जिला प्रभारी मंत्रियों, कलेक्टरों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की। बैठक में रबी विपणन सीजन के तहत धान की आवक, खरीद और बारिश से हो रहे नुकसान पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री ने बताया कि अब तक करीब 14.80 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद हो चुकी है और सभी 8575 धान खरीद केंद्र पूरी तरह से संचालित हैं। इसमें 8 लाख मीट्रिक टन से अधिक मोटे किस्म का धान शामिल है। किसानों के खातों में अब तक 2001.96 करोड़ रुपए की राशि भेजी जा चुकी है।

उन्होंने कहा कि इस समय न्यूनतम समर्थन मूल्य के तहत खरीद प्रक्रिया बेहद अहम है और आने वाले दिनों में धान की आवक और बढ़ने की संभावना है, इसलिए खरीद में तेजी लाना जरूरी है। खासतौर पर नलगोंडा और निजामाबाद जिलों के बड़े खरीद केंद्रों पर विशेष ध्यान देने को कहा गया।

असमय बारिश और तेज हवाओं के कारण नलगोंडा, महबूबनगर और खम्मम सहित कई जिलों में धान भीगने की घटनाएं सामने आई हैं। नलगोंडा में अचानक आई आंधी-बारिश से चार केंद्रों पर 299 मीट्रिक टन धान भीग गया।

मंत्री ने निर्देश दिया कि भीगे हुए धान को तुरंत निर्धारित परबॉयल्ड राइस मिलों में भेजा जाए ताकि नुकसान कम किया जा सके। सभी केंद्रों पर तिरपाल की पर्याप्त व्यवस्था करने और मौसम पूर्वानुमान के आधार पर पहले से तैयारी रखने को कहा गया। उन्होंने अधिकारियों को अगले 3-4 दिनों तक संभावित बारिश को देखते हुए सतर्क रहने और किसानों को समय-समय पर जानकारी देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के हवाले से उन्होंने कहा कि किसानों की सुरक्षा में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। सरकार ने स्पष्ट किया कि धान खरीद प्रक्रिया बिना किसी रुकावट के जारी रहेगी।

जिलों में लगभग 16 लाख मीट्रिक टन की अंतरिम भंडारण क्षमता तैयार की गई है। इसके अलावा 18.5 करोड़ जूट बैग की व्यवस्था भी की गई है। बैठक में मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, डी. श्रीधर बाबू, अड्लूरी लक्ष्मण कुमार सहित कई मंत्री और अधिकारी शामिल हुए।

किसानों के समर्थन में राज्यव्यापी आंदोलन का आह्वान

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने किसानों की समस्याओं को लेकर राज्यभर में विरोध प्रदर्शन करने का आह्वान किया है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से खरीद केंद्रों और सरकारी दफ्तरों पर प्रदर्शन करने को कहा है। सोमवार को संगारेड्डी जिले के सदाशिवपेट में एक खरीद केंद्र के दौरे के दौरान उन्होंने किसानों से बात की। किसानों ने आरोप लगाया कि सरकार उनकी फसल की खरीद नहीं कर रही, जिससे वे परेशान हैं। केटीआर ने कहा कि खरीद व्यवस्था पूरी तरह से खराब हो गई है और सरकार समय पर फसल नहीं खरीद रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में खरीद केंद्रों का निरीक्षण करें और किसानों के साथ खड़े रहें।

उन्होंने तहसील और जिला कलेक्टर कार्यालयों के सामने प्रदर्शन करने और अधिकारियों को ज्ञापन देने की भी अपील की। केटीआर ने सभी फसलों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर करने की मांग की और रैतु बंधु योजना में देरी को लेकर सरकार की आलोचना की।

तेलंगाना के कल्याण कार्यक्रमों को केंद्र का पूरा सहयोग: सुधांश पंत

मंत्री ने विभिन्न योजनाओं की दी जानकारी

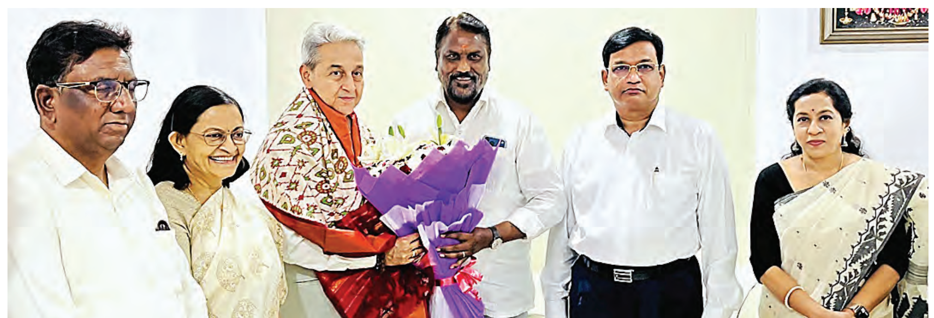

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सचिव सुधांश पंत ने सोमवार को हैदराबाद का दौरा कर राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अनुसूचित जातियों के विकास, पिछड़ा वर्ग दिव्यांगजन, ट्रांसजेंडर कल्याण समेत कई क्षेत्रों में चल रहे कार्यक्रमों का जायजा लिया। इससे पहले सचिव ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर राज्य सचिवालय में कल्याण मंत्री अदलूरी लक्ष्मण कुमार से शिष्टाचार भेंट की। मंत्री ने राज्य में लागू एससी विकास, दिव्यांग सशक्तिकरण, ट्रांसजेंडर कल्याण और वृद्धजन देखभाल योजनाओं पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में सरकार कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और समाज के सभी वर्गों एससी, एसटी, बीसी, अल्पसंख्यक, दिव्यांग, ट्रांसजेंडर और बुजुर्गों के समग्र विकास के लिए विशेष कार्ययोजना के तहत काम किया जा रहा है। मंत्री द्वारा केंद्र से सहयोग की मांग पर सचिव सुधांश पंत ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राज्य की हर नवाचारी योजना को आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी।दौरे के दौरान उन्होंने मसाब टैंक स्थित डे-केयर सेंटर, वृद्धाश्रम और नशामुक्ति केंद्रों का निरीक्षण किया। वृद्धजनों की देखभाल और डे-केयर केंद्रों के संचालन पर उन्होंने संतोष जताया और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त फंड देने का आश्वासन दिया। ट्रांसजेंडरों के लिए कौशल विकास, रोजगार अवसर और कार ड्राइविंग प्रशिक्षण कार्यक्रमों की भी उन्होंने सराहना की। वहीं दिव्यांगजनों के लिए चल रही योजनाओं और आधुनिक सुविधाओं की उपलब्धता को भी सराहा। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा माता-पिता भरण-पोषण कानून के प्रभावी क्रियान्वयन से वृद्धों की सुरक्षा को मजबूती मिलने की भी उन्होंने प्रशंसा की और इसे देशभर में सराहनीय बताया। मंत्री ने बताया कि शहरों में, विशेषकर हैदराबाद में, नशामुक्ति केंद्रों का विस्तार किया जा रहा है और युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए विशेष कदम उठाए जा रहे हैं। साथ ही मेट्रो स्टेशनों की सुरक्षा में ट्रांसजेंडरों की भागीदारी, ड्रोन कैमरों के जरिए निगरानी और प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। सचिव सुधांश पंत ने कहा कि तेलंगाना सरकार के कल्याणकारी कार्यक्रम देश के लिए उदाहरण बन रहे हैं। उन्होंने केंद्र से लंबित निधियों को जल्द जारी करने का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

प्लास्टिक गोदाम में आग, कई घर प्रभावित

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुशीराबाद इलाके के भोलापुर की पद्माशाली कॉलोनी में रविवार रात एक प्लास्टिक के गोदाम में आग लग गई। आग धीरे-धीरे फैलकर पास की दुकानों और घरों तक पहुंच गई। इससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोग डरकर अपने घरों से बाहर निकल आए।

गोदाम के अंदर मौजूद दो लोगों को धुआं लगने से तबीयत खराब हो गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत अब ठीक है। इस घटना में पांच घर और दो गोदाम को नुकसान हुआ है। सूचना मिलने पर दमकल की करीब 10 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कई घंटों की मेहनत के बाद सोमवार सुबह आग पर काबू पाया गया। आग लगने की वजह अभी तक साफ नहीं हो पाई है।

लिव-इन पार्टनर की हत्या, महिला गिरफ्तार

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जीडीमेटला थाना क्षेत्र के अंबेडकर नगर, चिंतल में रविवार रात एक महिला ने कथित तौर पर अपने लिव-इन पार्टनर की हत्या कर दी। मृतक की पहचान शिवारेड्डी के रूप में हुई है, जो महिला के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, महिला ने कथित उत्पीड़न से परेशान होकर इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस को शक है कि आरोपी ने शिवारेड्डी पर चाकू से हमला किया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद शव को ठिकाने लगाने के लिए आरोपी ने उसे बोरी में भरकर ले जाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने रास्ते में ही उसे पकड़ लिया और गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में केस दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

रवींद्र भारती में 6 मई से युवा नाटक महोत्सव

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार की संगीत नाटक अकादमी के तत्वावधान में रवींद्र भारती में 6 मई से तीन दिवसीय युवा नाटक महोत्सव आयोजित किया जाएगा। अकादमी की अध्यक्ष डॉ. अलेख्या पुंजला ने बताया कि महोत्सव में तीन दिनों तक हर शाम 5:30 बजे से कुल नौ नाटकों का मंचन किया जाएगा। 6 मई को विभिन्न सांस्कृतिक समूहों द्वारा 'दिम्भाका राजयम' सहित कई नाटक प्रस्तुत किए जाएंगे। 7 मई को उस्मानिया विश्वविद्यालय और अन्य संस्थानों के कलाकार अपने नाटक पेश करेंगे। 8 मई को 'मायाजालम डॉट कॉम', 'अम्मा चेकिना बोम्मा' और 'ययाति पद्या' जैसे नाटकों का मंचन होगा। उन्होंने बताया कि यह महोत्सव युवाओं को मंच देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है और इसमें प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रहेगा।

केंद्र प्रायोजित कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा, यूनियन सचिव ने की बैठक

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के केंद्रीय सचिव सुधांश पंत ने विशेष मुख्य सचिव सव्यसाची घोष के साथ सोमवार को सचिवालय में राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की। इस बैठक का उद्देश्य केंद्र प्रायोजित योजनाओं के क्रियान्वयन का आकलन करना था। बैठक में वंचित वर्गों के उत्थान के लिए चल रही प्रमुख योजनाओं पर चर्चा की गई, जिनमें प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्तियां, नागरिक अधिकार संरक्षण व्यवस्था, एससी/बीसी छात्रावासों का निर्माण, ट्रांसजेंडर व्यक्तियों का समग्र पुनर्वास तथा नेशनल एक्शन फॉर मेकेनाइज्ड सैनिटेशन इकोसिस्टम शामिल हैं। इस अवसर पर सुधांश पंत ने राज्य सरकार द्वारा केंद्र प्रायोजित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की सराहना की। उन्होंने कहा कि उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद योजनाओं के व्यापक प्रभाव और पहुंच को और बेहतर बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने वंचित और कमजोर वर्गों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए निरंतर और सतत प्रयासों पर जोर दिया। केंद्रीय सचिव ने आश्वासन दिया कि राज्य द्वारा उठाए गए लंबित मुद्दों का केंद्र सरकार समाधान करेगी और भविष्य में अधिक वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी, जिससे अधिक पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंच सके। उन्होंने तेलंगाना पेरेंटल सपोर्ट एक्ट को एक प्रगतिशील पहल बताते हुए इसकी सराहना की और इसे सामाजिक सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। बैठक में विशेष मुख्य सचिव सव्यसाची घोष ने राज्य में केंद्र प्रायोजित योजनाओं की स्थिति पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने उपलब्धियों, जारी पहलों और क्रियान्वयन रणनीतियों की जानकारी दी, साथ ही केंद्र से नीति और प्रक्रियागत सहयोग की आवश्यकता वाले मुद्दों को भी उठाया।

इस बैठक में वित्त विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया सहित एससी, बीसी और दिव्यांग कल्याण विभागों के वरिष्ठ अधिकारी तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जनवाणी कार्यक्रम में 55 शिकायतें मिली

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन (जीएचएमसी) के मुख्य कार्यालय में सोमवार को आयोजित जनवाणी शिकायत कार्यक्रम को जनता से व्यापक प्रतिक्रिया मिली। लोगों ने अपनी समस्याओं को सीधे अधिकारियों के समक्ष रखकर आवेदन पत्र प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त (प्रशासन), अतिरिक्त आयुक्त (स्वास्थ्य), मुख्य नगर योजनाकार, मुख्य अभियंता, भूमि अधिग्रहण अधिकारी, निदेशक (यूबीडी), सीएमओएच, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, संयुक्त आयुक्त (प्रशासन), अतिरिक्त सीसीपी सहित अन्य अधिकारियों ने भाग लिया और जनता से प्राप्त शिकायतों को स्वीकार किया। जोनवार प्राप्त शिकायतों में शमशाबाद जोन में 02, राजेंद्रनगर जोन में 06, चारमीनार जोन में 03, गोलकोंडा जोन में 00, खैरताबाद जोन में 02, सिकंदराबाद जोन में 06 शिकायतें प्राप्त हुईं, जबकि मुख्य कार्यालय में 36 शिकायतें दर्ज की गईं। कुल मिलाकर जनवाणी कार्यक्रम में 55 शिकायतें प्राप्त हुईं। अधिकारियों ने बताया कि प्राप्त शिकायतों को संबंधित विभागों को भेजकर शीघ्र समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

आईफोन को लेकर विवाद, महिला ने जहर खाकर दी जान

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। काचीगुडा इलाके में पति से विवाद के बाद एक 42 वर्षीय महिला ने कथित तौर पर कीटनाशक पीकर आत्महत्या कर ली।

मृतका की पहचान प्रिया के रूप में हुई है, जो अपने पति मल्लिकार्जुन और दो बेटियों के साथ रहती थी। बताया जा रहा है कि रविवार सुबह दोनों के बीच आईफोन खरीदने को लेकर विवाद हुआ था। इससे परेशान होकर महिला ने दोपहर में घर पर जहर पी लिया। परिजन उसे तुरंत अस्पताल ले गए, जहां रात में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लू से मौतें जारी, मुआवजा नहीं मिलने से परिवार परेशान

आदिलाबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में भीषण गर्मी के कारण लू लगने से लोगों की मौतें लगातार हो रही हैं, लेकिन कई परिवारों को सरकारी मुआवजा नहीं मिल पा रहा है। जानकारी के अनुसार, अधिकतर लोगों को अपाथबंधु योजना के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता की प्रक्रिया की जानकारी नहीं है, जिसके कारण वे इसका लाभ नहीं उठा पा रहे हैं।

जिले में तापमान 45 से 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। हाल के दिनों में कई इलाकों में लू लगने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो चुकी है। सरकार ने मुआवजा राशि 50 हजार रुपये से बढ़ाकर 4 लाख रुपये कर दी है, लेकिन जागरूकता की कमी के कारण लोग आवेदन नहीं कर पा रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि मुआवजा पाने के लिए मृतक का प्रमाण पत्र, एफआईआर और पोस्टमार्टम रिपोर्ट तहसील या मंडल कार्यालय में जमा करनी होती है।

उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे समय पर आवेदन कर इस योजना का लाभ उठाएं।

ऑनलाइन उत्पीड़न के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम

छात्रों को साइबर सुरक्षा और कानूनों की दी जानकारी

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना वूमेन सेफ्टी विंग ने सोमवार को डिजिटल डिग्निटी एंड रिस्पेक्ट ऑनलाइन हरासमेंट विषय पर एक इंटरएक्टिव जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम लकड़ी का पुल स्थित डीजीपी कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में 'स्टैंड विद हर' अभियान के तहत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य महिलाओं और बच्चों की डिजिटल सुरक्षा को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में विभिन्न कॉलेजों के करीब 200 छात्रों ने भाग लिया और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। इस दौरान वूमेन सेफ्टी विंग के महानिदेशक, उप महानिरीक्षक, पुलिस अधीक्षक सहित जेंडर सेंसिटाइजेशन और साइबर जागरूकता के विशेषज्ञ मौजूद रहे।

कार्यक्रम में जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार पर विशेष जोर दिया गया। इसमें डिजिटल गरिमा के तहत ऑनलाइन निजता, सहमति और व्यक्तिगत सीमाओं का सम्मान, डिजिटल सहानुभूति के तहत ऑनलाइन व्यवहार के भावनात्मक प्रभाव को समझना और डिजिटल सम्मान के तहत सकारात्मक संवाद को बढ़ावा देने जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने साइबर स्टॉकिंग, ट्रोलिंग, बुलिंग, डॉक्सिंग और सोशल मीडिया के दुरुपयोग जैसी ऑनलाइन उत्पीड़न की विभिन्न घटनाओं के बारे में जानकारी दी। साथ ही छात्रों को साइबर कानूनों और महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनी प्रावधानों के बारे में जागरूक किया गया और साइबर क्राइम पोर्टल व पुलिस हेल्पलाइन के माध्यम से शिकायत दर्ज कराने के तरीकों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान महानिदेशक ने छात्रों से सीधे संवाद करते हुए उन्हें जिम्मेदार डिजिटल नागरिक बनने, ऑनलाइन उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाने और पीड़ितों का समर्थन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि चुप्पी उत्पीड़न को बढ़ावा देती है और सुरक्षित डिजिटल माहौल के लिए सामूहिक जिम्मेदारी जरूरी है। अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों ने अपने अनुभव और शंकाएं साझा कीं। वूमेन सेफ्टी विंग ने युवाओं में डिजिटल सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए ऐसे कार्यक्रम आगे भी जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई।

16 महीने बाद भी लुटेरे फरार, पुलिस के हाथ खाली

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अफजलगंज में ट्रैवल एजेंसी के मैनेजर को गोली मारने वाले दो लुटेरे 16 महीने बाद भी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। पुलिस अब तक उनके ठिकाने का पता नहीं लगा सकी है। यह घटना पिछले साल 16 जनवरी की है, जब दो बदमाश एक निजी बस में सवार हुए थे। सामान की जांच के दौरान उन्होंने मैनेजर को गोली मार दी, जिससे वह घायल हो गया। इससे पहले उसी दिन दोनों ने बीदर में एक कैश वैन भी लूटी थी। पुलिस जांच में आरोपियों की पहचान अमित और मनीष के रूप में हुई। उन्हें पकड़ने के लिए तेलंगाना और कर्नाटक पुलिस ने कई राज्यों में छापेमारी की, लेकिन सफलता नहीं मिली। पुलिस को शक है कि दोनों नेपाल भाग गए हैं।

इसी तरह इस साल 31 जनवरी को कोटी में एक एटीएम पर भी लूट के दौरान एक व्यापारी को गोली मार दी गई थी। हालांकि इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। वहीं अगस्त 2025 में चंदननगर की एक ज्वैलरी दुकान में भी लूट की घटना हुई थी, जिसमें एक कर्मचारी घायल हो गया था।

खरीद न होने पर किसानों का प्रदर्शन, सड़क जाम

खम्मम, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मक्का और धान की खरीद में देरी से नाराज किसानों ने सोमवार को जिले में विरोध प्रदर्शन किया। चिन्ताकानी पीएसी के बाहर किसानों ने धरना दिया और सोसाइटी के सीईओ को कार्यालय में ही रोक लिया। किसानों का आरोप है कि एक महीने से मक्का की बोरियां पड़ी हैं, लेकिन उनका उठान नहीं हो रहा है। बताया गया कि पहले से तौली गई फसल के परिवहन के लिए ट्रकों की व्यवस्था नहीं की गई, जिससे किसान परेशान हैं। इस मुद्दे को लेकर किसानों और कर्मचारियों के बीच बहस भी हुई। इसी बीच, जिले के पिंडीप्रोलू में किसानों ने खम्मम-वारंगल राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगा दिया, जिससे करीब डेढ़ घंटे तक यातायात बाधित रहा। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने किसानों से बातचीत कर उनकी उपज खरीदने का आश्वासन दिया, जिसके बाद किसानों ने प्रदर्शन समाप्त कर दिया।

मंगेतर की मौत के बाद युवती ने दी जान

जगतियाल, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शादी तय होने के बाद एक युवक और युवती की आत्महत्या की दुखद घटना सामने आई है, जिससे इलाके में शोक का माहौल है। मृतक युवक की पहचान 22 वर्षीय मक्काला साई कुमार के रूप में हुई है, जिसने बहरीन में आत्महत्या कर ली। उसकी मंगेतर 20 वर्षीय श्रुति ने जगतियाल के अपने गांव में फांसी लगाकर जान दे दी। बताया जा रहा है कि दोनों एक-दूसरे से प्यार करते थे और परिवार भी शादी के लिए तैयार था। साई कुमार शादी से पहले घर बनाने और पैसे कमाने के लिए बहरीन गया था।

वहां आर्थिक दबाव और काम के तनाव के कारण उसने 1 मई को आत्महत्या कर ली। युवक की मौत से दुखी होकर श्रुति ने भी शनिवार रात अपने गांव में आत्महत्या कर ली। घटना के बाद दोनों परिवारों में गहरा शोक है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Mohan Singh F/o Dipendra Singh, R/o Gram Moosakhiria, Farrukhabad, U.P-209739, have changed my son DOB from 05-04-2014 to 05-02-2014, vide Affidavit Dt.3-5-2026, before Sec-Bad Court

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

भारतीय रिज़र्व बैंक
संपदा विभाग, हैदराबाद

ई-निविदा: हैदराबाद में आरबीआई के कार्यालय परिसरों और आवासीय कॉलोनियों में छत पर ग्रिड इंटरैक्टिव एसपीवी आधारित सौर पावर सिस्टम का डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग।

भारतीय रिज़र्व बैंक, हैदराबाद ने अपने कार्यालय परिसर और आवासीय कॉलोनियों में रूफ टॉप ग्रिड इंटरैक्टिव एसपीवी आधारित सौर ऊर्जा प्रणालियों के डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग के लिए ई-टेंडर आमंत्रित किया है। इस कार्य की अनुमानित लागत ₹70 लाख (सत्तर लाख रुपये केवल) है। पूर्व-योग्यता मानदंडों के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया एमएसटीसी लिमिटेड के ई-टेंडरिंग पोर्टल (https://www.mstcecommerce.com/eprocn) और हमारी वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर "टेंडर" अनुभाग में टेंडर दस्तावेज और टेंडर सूचना देखें, जो 05 मई, 2026, 18:00 बजे से उपलब्ध होंगे।

2. ई-निविदाएं केवल एमएसटीसी पोर्टल (https://www.mstcecommerce.com/eprocn) के माध्यम से 08 जून 2026 के 13:00 बजे तक जमा की जा सकती हैं। इच्छुक पात्र बोलीदाताओं को निविदा प्रक्रिया में भाग लेने के लिए एमएसटीसी लिमिटेड के साथ स्वयं को पंजीकृत करना होगा।

3. बैंक बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

हैदराबाद
मई 05, 2026

हस्ताक्षर/-
क्षेत्रीय निदेशक

बंगाल में बल्ले-बल्ले के बाद बीजेपी का यूपी में हैट्रिक लगाने पर फोकस

बन रही मिशन फतह की रणनीति

मेरठ, 4 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल समेत दूसरे राज्यों में हुए चुनाव रिजल्ट में भारतीय जनता पार्टी अपने प्रदर्शन से काफी खुश है। पश्चिम बंगाल में बल्ले-बल्ले होने के बाद अब भारतीय जनता पार्टी का पूरा फोकस उत्तर प्रदेश पर रहेगा। इसी के साथ उत्तराखंड को भी साधने की तैयारी है। पार्टी ने संगठनात्मक स्तर से बनाए गए 19 जिलों के प्रभारियों और प्रवासियों की बैठक में साफ कह दिया है कि बंगाल निपटा और यूपी फतह की तैयारी करो। विधानसभा चुनाव में हैट्रिक लगाने के लिए जुट जाओ। इसके लिए 12 मई तक बूठ संगठन संरचना को पूरा करने का लक्ष्य सौंपा हैं।

दरअसल, एक तरह यूपी में टीम योगी यानी मंत्रिमंडल में फेरबदल की कवायद चल रही है। दूसरी तरफ संगठन में भी बदलाव के साथ ने प्रदेशाध्यक्ष पंकज चौधरी की टीम बनाने की कवायद जोरों पर हैं। इस सबके बीच यूपी के

धर्मपाल सिंह

महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह 2027 के चुनाव में फतह के लिए फोकस कर तैयारी में जुटे हैं। वह भाजपा की चुनाव जीतो अभियान को तेज करने में जुटे हैं।

यूपी है बीजेपी के लिए अहम

दरअसल, बीजेपी के लिए यूपी अहम सूबा हैं। यूपी की सियासी संदेश देश की राजनीति कि दिशा और दशा तय करता रहा हैं। यूपी के महामंत्री संगठन धर्मपाल ने रविवार को ही अलीगढ़ में भाजपा के संगठनात्म तौर पर ब्रज क्षेत्र में बनाए गए 19 जिलों अलीगढ़ जिला, अलीगढ़ महानगर, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा जिला, आगरा महानगर, फिरोजाबाद जिला, फिरोजाबाद महानगर, मैनपुरी, मथुरा जिला, मथुरा महानगर, बरेली जिला, बरेली महानगर, आंवला, पीलीभीत, बदायूं, शाहजहांपुर जिला और शाहजाहापुर महानगर के प्रभारियों और प्रवासियों की अहम बैठक ली।

बैठक में कहा गया है कि बंगाल चुनाव हो गया। बाकी चार राज्य में भी वोट पड़ गए। बीजेपी ने पूरी तैयारी से चुनाव लड़ा। कमल खिलने को बेताब हैं। लेकिन, अब देश को सियासी राह दने वाले यूपी पर खास फोकस 2027 के लिए करना है। यहां जीत की हैट्रिक लगानी हैं। यह संगठन के बल पर मुमकिन हैं।

भाजपा यूपी चुनाव की तैयारी को लेकर बूथ संरचना पर जोर दिया गया। इसलिए, हमें अपनी जड़ें मजबूत करने के इरादे से बूथ संगठन संरचना हर हाल में 12 मई तक पूरी कर लेनी है। इसके बाद मंडल से लेकर बूथ स्तर तक जून से चुनाव तैयारियों संबंधी कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इस बैठक में 19 जनपदों के सैकड़ों पदाधिकारी शामिल हुए। इसमें कहा गया कि 12 मई तक बूथ संगठन संरचना के तहत अध्यक्ष सहित 11 सदस्यों की कमिटी बनानी है। इसके लिए मंडल प्रभारी और प्रवासी एक-एक बूथ पर जाने होगा।

संगठन महामंत्री ने चेताया कि संगठन धरातल पर बने, फर्जीवाड़ा या लापरवाही नहीं चलेगी। प्रदेश और राष्ट्र स्तर से इस बूथ कमेटी को फोन कर जांच की जा सकती है। अगर बूथ पदाधिकारी सही जवाब नहीं दे पाया फिर उसे लापरवाही माना जाएगा। उन्होंने कहा कि इस काम के लिए प्रत्येक माह मंडल पर एक बैठक जरूर करें। जून से चुनाव संबंधी कार्यक्रम मंडल एवं बूथ तक के तय होंगे।

सम्राट बोले- बंगाल हमारा है, कार्यकर्ताओं ने बांटी झालमुड़ी

जमकर आतिशबाजी, डिप्टी मेयर ने बजाया शंख, मिठाई बंटी-गुलाल लगाया

पटना, 4 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में बीजेपी बड़ी जीत की ओर बढ़ रही है, रिजल्ट से भाजपा उत्साहित है। अबतक के रिजल्ट में बंगाल में बीजेपी प्रचंड जीत दर्ज कर रही है।

सम्राट चौधरी ने बंगाल की जीत के लिए जनता को धन्यवाद दिया, साथ ही पोस्ट में लिखा- 'जहां पैदा हुए श्यामा प्रसाद मुखर्जी,वो बंगाल हमारा है।'

इधर, बीजेपी कार्यकर्ताओं ने पटना में झालमुड़ी बांटकर जश्न मनाया। पार्टी ऑफिस में भी बड़े जश्न की तैयारी है। वहीं दरभंगा के लहेरियासराय में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने टावर पर चढ़कर जश्न मनाया।

बेगूसराय में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की। इस दौरान एक दूसरे को मिठाई भी खिलाई तो वहीं जिला मुख्यालय में डीजे के साथ जुलूस निकाला गया।

शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब के घर पर रेड

आरजेडी विधायक पर जमीन कब्जाने का आरोप 6 दिन पहले रद्द हुई अग्रिम जमानत याचिका

सीवान, 4 मई (एजेंसियां)। सीवान में पूर्व सांसद और मरहूम बाहुबली मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब के घर पर पुलिस ने रेड की है। सोमवार सुबह 8 बजे छापेमारी की गई। डीआईजी निलेश कुमार, एसपी पुरन कुमार झा के साथ मुफ्फसिल और नगर थाने की पुलिस ओसामा के नए घर पहुंचे।

छापेमारी के दौरान इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। आम लोगों की आवाजाही को भी सीमित किया गया। रेड करीब 2 घंटे चली। इसमें क्या कुछ मिला है, इस पर अधिकारी फिलहाल चुप हैं।

ये पूरी कार्रवाई जमीन कब्जा करने और रंगदारी के एक मामले से जुड़ी है। दरअसल, महादेव थाने में एक डॉक्टर की जमीन को जबरन कब्जा करने का मामला दर्ज है। इस केस में रघुनाथपुर के

विधायक का भी नाम है। उनसे जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की गई। पुलिस के मुताबिक, प्राथमिकी दर्ज होने के बाद मामले की जांच शुरू की गई। साक्ष्य जुटाने के क्रम में कई लोगों की संलिप्तता सामने आई है, जिनमें रघुनाथपुर के विधायक का नाम भी शामिल है। सीवान कोर्ट ने 6 दिन पहले ही इस मामले में विधायक की अग्रिम जमानत की याचिका खारिज कर दी थी।

ओसामा शहाब के घर पुलिस ने 2 घंटे रेड की। इस दौरान राजद विधायक ओसामा शहाब और शहाबुद्दीन की पत्नी हिना शहाब घर पर मौजूद नहीं थे। पुलिस पूछताछ के लिए दोनों की तलाश कर रही है।

डीआईजी निलेश कुमार ने बताया, 'पूरे मामले में कोर्ट से ऑर्डर लिया गया। इसके बाद टीम ने अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की। पुलिस ने बताया कि छापेमारी दो अलग-अलग स्थानों पर की गई।

पहली रेड शहर (टाउन) क्षेत्र में की गई। दूसरी कार्रवाई विधायक के पैतृक आवास पर की गई, जो संबंधित थाना क्षेत्र में आता है। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम ने दोनों स्थानों पर जांच-पड़ताल की और आवश्यक साक्ष्य जुटाने का प्रयास किया।'

छापेमारी के दौरान क्या-क्या बरामद हुआ, इस सवाल पर पुलिस ने फिलहाल कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है।

पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी के पति का निधन

लखनऊ, 4 मई (एजेंसियां)। पूर्व भाजपा सांसद रीता बहुगुणा जोशी के पति पीसी जोशी का सोमवार सुबह निधन हो गया। उन्होंने लखनऊ स्थित एसजीपीजीआई में सुबह करीब 7 बजे अंतिम सांस ली। रीता बहुगुणा जोशी ने अपने आधिकारिक X अकाउंट के जरिए इस दुखद समाचार की जानकारी साझा की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई नेताओं ने शोक व्यक्त किया।

परिजनों के मुताबिक, पीसी जोशी पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे और एसजीपीजीआई में उनका इलाज चल रहा था। सोमवार सुबह अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी, जिसके बाद उनका निधन हो गया। पीसी जोशी पेशे से मैकेनिकल इंजीनियर थे। उन्होंने तकनीकी और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्ष 1976 में उनका विवाह रीता बहुगुणा जोशी से हुआ था। वे अपने सरल, मिलनसार और अनुशासित व्यक्तित्व के लिए जाने जाते थे। परिवार के अनुसार, उनका पार्थिव शरीर सोमवार देर शाम प्रयागराज लाया जाएगा। मंगलवार को प्रयागराज में पूरे विधि-विधान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

वहीं, इस दुखद खबर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी शोक व्यक्त किया। उन्होंने X पर लिखा कि पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी के पति का निधन अत्यंत दुखद है और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

लालू परिवार को राबड़ी आवास खाली करने का अल्टीमेटम

सरकार ने दिया 15 दिन का समय, हारे हुए विधायकों को भी नोटिस

पटना, 4 मई (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति से जुड़ी बड़ी खबर सामने आ रही है। सूत्रों के हवाले से जानकारी मिली है कि सम्राट सरकार ने लालू परिवार को 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास खाली करने के लिए 15 दिनों का अल्टीमेटम दिया है।

25 नवंबर 2025 को आवास खाली करने को लेकर आदेश जारी किया गया था, लेकिन लालू परिवार की ओर से अब तक बंगला खाली नहीं किया गया है। ऐसे में सरकार ने दोबारा सख्त रुख अपनाते हुए अब 15 दिनों का अल्टीमेटम दिया गया है।

10 सर्कुलर रोड यानी राबड़ी आवास में पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव रहते हैं।

राबड़ी देवी के अलावा हारे हुए विधायकों को भी नोटिस भेजा गया। सरकारी बंगला खाली करने को कहा गया। भवन निर्माण विभाग के अधिकारी ने नोटिस जारी किया है। हालांकि, इस

मामले में अभी तक सरकार या संबंधित विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। राजनीतिक गलियारों में इस खबर को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

20 साल बाद लालू परिवार को 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास (राबड़ी आवास) खाली करने का नोटिस दिया गया था। बिहार भवन निर्माण विभाग ने 25 नवंबर 2025 को राबड़ी देवी को पहला नोटिस जारी किया था।

भवन निर्माण विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया कि बिहार विधान परिषद के आवासन के लिए पटना केन्द्रीय पुल की आवास संख्या 39 हार्डिंग रोड अलॉट किया गया है।

रोहिणी ने फेसबुक पर लिखा था- सुशासन बाबू का विकास मॉडल। करोड़ों लोगों के मसीहा लालू प्रसाद यादव का अपमान करना पहली प्राथमिकता। घर से तो निकाल देंगे, बिहार की जनता के दिल से कैसे निकालिएगा। सेहत नहीं तो कम से कम लालू जी के राजनीतिक कद का ही सम्मान रखते। 24 नवंबर 2005 को नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बन चुके थे।

सत्ता से बेदखल राबड़ी देवी को अब मुख्यमंत्री का आधिकारिक आवास 1 अणे मार्ग खाली करना था। राबड़ी देवी के लिए 10, सर्कुलर रोड आवास आवंटित किया गया था।

उन्हें मुख्यमंत्री आवास खाली करने के लिए एक नोटिस मिल चुका था, लेकिन उन्होंने तय समय में सीएम हाउस खाली नहीं किया। तब बिहार भवन निर्माण विभाग ने राबड़ी देवी को एक बहुत ही सख्त नोटिस भेजा।

इसमें लिखा था- आपको 7 दिनों के अंदर 1, अणे मार्ग आवास खाली करना होगा। आपको चेतावनी दी जाती है कि अगर आप उपरोक्त अवधि में मकान खाली नहीं करते हैं तो जबरन बेदखल किया जा सकता है। इस नोटिस के बाद राबड़ी देवी और लालू यादव की चिंता बढ़ गई।

यूपी में आंधी-तूफान, 100 फीट ऊंची चिमनी ढही

पानी की टंकी टूटी, शादी का मंडप उड़ गया, 22 जिलों में बरसात, 3 की मौत

वाराणसी, 4 मई (एजेंसियां)। यूपी में आंधी-बारिश का दौर जारी है। सोमवार सुबह अयोध्या, सीतापुर और बारांबकी में ओले गिरे। लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर और कानपुर समेत 22 जिलों में आंधी के बाद बारिश हुई। लखनऊ में तूफान के साथ करीब डेढ़ घंटे तक पानी बरसा। यहां सुबह 8:20 बजे अचानक मौसम बदला। दिन में रात जैसा अंधेरा छा गया। फिर बिजली कड़कने लगी। इसके बाद जोरदार बारिश हुई। बारिश और तूफान से पेड़ और बिजली के पोल उखड़ गए। कई इलाकों की बिजली गुल हो गई। नाले उफना गए। खराब मौसम की वजह से दिल्ली से लखनऊ जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6E-6476 की भोपाल में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। इसमें यूपी के दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक सवार थे।

लखनऊ एयरपोर्ट पर विमान ने तीन बार लैंडिंग की कोशिश की, लेकिन तेज हवाओं और खराब विजिबिलिटी के चलते लैंडिंग नहीं हो सकी। सीतापुर, सिद्धार्थनगर और बाराबंकी में शादी के टेंट उड़ गए। सिद्धार्थनगर में तेज आंधी-तूफान से पानी की टंकी टूटकर लटक गई।

एक मैरिज हॉल का मंडप भी उड़कर हाईवे पर गिरा। पीलीभीत में आंधी-बारिश से ईंट-भट्ठे की 100 फीट ऊंची चिमनी ढह गई।

लखनऊ विश्वविद्यालय में फीस बढ़ोतरी पर बवाल

लखनऊ, 4 मई (एजेंसियां)। लखनऊ विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि को लेकर सोमवार को छात्रों ने एक बार फिर प्रदर्शन किया। छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन और कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान 'वीसी मुर्दाबाद' और 'फीस वापस लो' जैसे नारे लगाए गए। छात्र तख्तियां लेकर सड़क पर बैठ गए और धरना दिया। इस दौरान छात्रों ने कहा फीस वापसी का निर्णय नहीं लिया तो बड़ा आंदोलन होगा। युवजन सभा के प्रिंस ने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन को 6 दिन का अल्टीमेटम दिया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर फीस वापस का फैसला नहीं लिया गया।

भीषण आग, बाप-बेटी की दम घुटने से मौत

मेरठ, 4 मई (एजेंसियां)। मेरठ के एक मकान में लगी भीषण आग में दम घुटने से 8 साल की बच्ची और उसके पिता की मौत हो गई। जबकि 2 परिवार के 10 लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। जिस समय आग लगी उस समय उस मकान में रह रहे लोग सो रहे थे। जब तक लोग कुछ समझ पाते आग ने पूरे मकान को चपेट में ले लिया, चारो तरफ आग और धुआं फैल गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची दमकल गाड़ियां पहुंच गईं। रेस्क्यू कर लोगों को बाहर निकाला गया और अस्पताल में भर्ती कराया गया। रविवार मध्यरात्रि के बाद की यह घटना पल्लवपुरम थानाक्षेत्र के रोशनपुर डोरली की है। डॉक्टर्स के अनुसार, इलाज के दौरान बच्ची और उसके पिता की मौत हो गई। दोनों के फेफड़ों में धुआं भर गया था। जबकि अन्य 10 लोगों का इलाज चल रहा। आग लगने की वजह फिलहाल सामने नहीं आ सकी है। हालांकि, शार्ट सर्किट से आग की आशंका जताई जा रही। रोशनपुर डोरली में किला परीक्षितगढ़ के रहने वाले सतीश का एक मकान है।

बंगाल चुनाव रिजल्ट पर पप्पू यादव को प्रतिज्ञा याद दिला रहे नेटिजन्स

बीजेपी के जीतने पर संघर्ष छोड़ने का किया था ऐलान

पटना, 4 मई (एजेंसियां)। पप्पू यादव जी राजनीति से विदाई कब ले रहे हैं। दीदी को तो बंगाल ने बाय- बाय बोल दिया। तो कब राजनीति छोड़ रहे हैं पप्पू यादव। उपरोक्त प्रतिक्रिया सोशल मीडिया पर दो यूजर्स ने दी है। पप्पू यादव से सवाल किया गया है। उन्होने कुछ ही दिन पहले, जब बंगाल चुनाव चल रहा था। उसकी तैयारी चल रही थी। बीजेपी के जीत के दावे किए जा रहे थे। तब पप्पू यादव ने कहा था- दीदी के अलावे कोई नहीं जीतेगा। यदि दीदी चुनाव नहीं जीती। बीजेपी चुनाव जीत गया। पप्पू यादव सेवा करना, मदद करना, संघर्ष करना बंद कर देगा। पप्पू यादव का ये बयान सोशल मीडिया पर उस वक्त तैरने लगा, जब बंगाल में बीजेपी ने बढ़त बना ली। बीजेपी के कार्यकर्ता जश्न मनाने लगे।

एक नेटिजन्स ने पप्पू यादव के बयान को एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि बंगाल में बीजेपी जीती तो राजनीति छोड़ दूंगा। बाघ का करेजा पप्पू यादव, पलटेगा या बात पर कायम रहेगा। हालांकि, पप्पू यादव ने अपने बयान में राजनीति छोड़ने की बात नहीं की है। उन्होंने सिर्फ सेवा, सहायता और संघर्ष छोड़ने की बात कही थी। तेजस्वी यादव के पैरोडी अकाउंट से पप्पू यादव के इस बयान को एक्स पर डाला गया है, जिसमें पप्पू यादव सेवा, संघर्ष छोड़ने की बात कह रहे हैं। उस पोस्ट में ये कहा गया है कि ये हुई मर्दों वाली बात।

जलेबी नहीं झालमुरी ही चलेगी और किसी को झाल

बंगाल रिजल्ट पर जीतन राम मांझी का तीखा तंज

पटना, 4 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की जीत पर जलेबी नहीं झालमुरी ही चलेगी। उपरोक्त बयान के आईने में आप बंगाल रिजल्ट की उस बानगी को देख सकते हैं, जिसमें जीत की ओर बढ़ रही बीजेपी के लिए बधाई है और टीएमसी के लिए तीखा संदेश भी। जी हां, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी बंगाल चुनाव रिजल्ट टीवी पर देखते हुए झालमुरी खा रहे थे। उन्होंने उसके बाद अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर एक पोस्ट किया। देखते ही देखते पोस्ट को कई लोगों ने री पोस्ट किया। कई लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया दी। जीतन राम मांझी ने अपने पोस्ट में पीएम मोदी और अमित शाह की जमकर तारीफ की है। ममता बनर्जी पर भी तंज कसा है।

जीतन राम मांझी ने अपने एक्स अकाउंट पर बंगाल रिजल्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा- पश्चिम बंगाल की जीत पर जलेबी नहीं झालमुरी ही चलेगी। आज

झालमुरी का दिन है जमकर झालमुरी खा रहा हूँ,किसी को झाल लगे तो बुरा मत मानिएगा। बंगाल जीत की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी। ये जीत आपके मार्गदर्शन और अमित शाह जी के बेजोड़ मेहनत की जीत है। बंगाल के हर एनडीए कार्यकर्ताओं को जीत की विशेष शुभकामनाएं। उन्होंने अपने संदेश में बीजेपी के बंगाल के कार्यकर्ताओं को विशेष शुभकामनाएं दी हैं। उसके अलावा गृहमंत्री अमित शाह की सराहना की है। उन्होंने पीएम मोदी के नेतृत्व में इस जीत को मिलने की बात कही है। जीतन राम मांझी के इस पोस्ट को काफी लोगों ने पसंद किया है। एक यूजर ने प्रतिक्रिया देते हुए लिखा है कि यह जीत सिर्फ और सिर्फ ज्ञानेश कुमार के अथक मेहनत का परिणाम है जिन्होंने बीजेपी की सेवा में कोई कमी नहीं छोड़ी। जिनका समर्पण बीजेपी के कदमों में है। इन्होंने निर्लज तरीके से अपने पद और गरिमा को बीजेपी के कदमों में रख दिया है। उसके अलावा एक यूजर ने जीतन राम मांझी को सलाह देते हुए अपनी पार्टी पर ध्यान देने की बात कही है। एक यूजर ने गया जिले के बेलागंज में हुई युवती से गैंगरेप की घटना की चर्चा करते हुए उस पर ध्यान देने की मांग की है। कुल मिलाकर केंद्रीय मंत्री का ये पोस्ट काफी लोगों तक पहुंच रहा है।

ध्यान रहे कि पश्चिम बंगाल में वोटों की गिनती जारी है। बीजेपी ज्यादा सीटों पर लीड कर रही है।

कार ने सड़क पर खड़े लोगों को रौंदा, 8 की मौत

अम्बेडकरनगर, 4 मई (एजेंसियां)। यूपी के अंबेडकरनगर में बेकाबू कार ने सड़क पर खड़े लोगों को रौंद दिया। हादसे में दो सगे भाइयों समेत 8 लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि रविवार रात करीब 12 बजे पहले दो बाइकों की टक्कर हुई, जिसमें दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए।

आसपास के लोग घायलों की मदद के लिए मौके पर पहुंचे और उन्हें अस्पताल पहुंचाने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान बेकाबू स्विफ्ट डिजायर कार आई और लोगों को कुचल दिया। हादसा जिला मुख्यालय से 17 किमी दूर जलालपुर के अशरफपुर भुवा भट्ठे के पास हुआ।

हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने लोगों की मदद से सभी घायलों को सीएचसी जलालपुर पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने 6 लोगों को मृत घोषित कर दिया। दो घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। बाद में उन्हें टांडा मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई।

मृतकों की पहचान अंबेडकरनगर के रहने वाले कैफी (32), उत्तम कुमार (24), आदित्य कुमार (25), दिव्यांशू (22) लालचंद (24), राजू गुप्ता (32), साहिल (28) और इंद्रेश (30) के रूप में हुई है। आदित्य कुमार और दिव्यांशू दोनों सगे भाई हैं।

रात 12 बजे 2 बाइकों की टक्कर जलालपुर कोतवाली क्षेत्र में अकबरपुर मार्ग पर अशरफपुर के पास देर रात करीब 12 बजे दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने से भिड़ंत में 3 लोग घायल हो गए।

भिड़ंत में बुलेट सवार कैफी पुत्र हसन निवासी लोरपुर ताजन और स्प्लेंडर सवार सम्मनपुर क्षेत्र के जैनापुर निवासी दो सगे भाई आदित्य (25) और दिव्यांशु (14) को गंभीर चोटें आईं। दोनों भाई जलालपुर शादी समारोह से लौट रहे थे।

बचाने आए लोगों को कार ने कुचला

चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद 5 लोग मदद के लिए दौड़े। घायलों को उठाकर किनारे ले जाने लगे। तभी एक तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार बेकाबू हो गई और लोगों को कुचलते हुए कुछ दूरी पर एक गड्ढे में पलट गई। कार सवार मौके से फरार हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

6 मृतकों की पहचान हुई, 2 की बाकी

सूचना पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने राहत कार्य शुरू किया। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां 8 लोगों की मौत हो गई। इनमें बाइक सवार कैफी, आदित्य और दिव्यांश शामिल हैं।

इसके अलावा उनकी मदद के लिए आए लालचंद्र (24) पुत्र फेंकू निवासी पट्टी मुइथन, जलालपुर, उत्तम पुत्र जगतपाल निवासी सेमरा, कटका, राजू (32) पुत्र छेदीलाल निवासी सिकंदरपुर, सम्मनपुर और साहिल (28) व इंद्रेश (30) को भी डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया।

पत्नी और चार बच्चों का कत्ल : बिलारी के रजानगर में सिर्फ चीखें ही चीखें

बिलारी(मुरादाबाद), 4 मई (एजेंसियां)। बिलारी मोहल्ला रजानगर के लिए रविवार की रात कयामत की रात बनकर आई। जैसे ही गुरुग्राम से एक परिवार के पांच शव पहुंचे तो रजानगर ही नहीं लगभग पूरा शहर उमड़ पड़ा। एक मां और उसकी चार मासूम संतानों के शवों को देखते ही परिजनों की चीखें गूंजने लगीं तो पूरे मोहल्ले के महिला-पुरुषों की रुलाई फूट गई।

किसी के चेहरे पर गम था तो किसी के गुस्सा लेकिन मन में एक ही सवाल कि हेयर सैलून संचालक नाजिम इतना बेरहम कैसे हो गया कि प्रेम संबंधों में अपने पहले पति को छोड़कर कोर्ट मैरिज करने वाली नाजमा और बच्चों इकरा, शिफा, आयान

एक सवाल- नाजिम को क्यों नहीं आया रहम

और खदीजा नूर की जान ले ली। रात करीब 9.30 बजे पांचों शव शाहबाद रोड स्थित मोहल्ला रजानगर पहुंचे तो जिसने सुना उधर दौड़ पड़ा।

चीख-पुकार और चीत्कार के बीच रात करीब 11 बजे पांचों जनाजे साथ उठे तो चीखों की आवाज और तेज हो गई। बिलारी के शुमाली स्थित कब्रिस्तान में पांचों को दफन किया गया।

नाजिम के घर से लेकर कब्रिस्तान तक लोगों के सिर ही सिर दिखाई दे रहे थे।

घर से उठतीं महिलाओं की चीखें थमने का नाम नहीं ले रही थीं। देर रात तक जमा भीड़ में शामिल आसपास की महिलाएं व रिश्तेदार बिलखते परिजनों को ढांढस बंधाने की कोशिशें करते रहे। तमाम शहरियों और विधायक फहीम इरफान ने भी गम में घिरे परिवार का दुख बांटने की कोशिश की लेकिन परिजनों की बहती आंखें सूख नहीं पा रही थीं। नाजिम की वृद्ध मां परवीन और वृद्ध पिता नबावजान रोते-रोते बेसुध हो जा रहे थे।

मोहल्ला रजानगर के निवासी नवाबजान का बेटा नाजिम (33) गुरुग्राम के वजीरपुर में किराये के मकान में पत्नी व चार बच्चों के साथ रहता था। गुरुग्राम के एक अन्य गांव में वह हेयर सैलून चलाता था। उसके अन्य पांच भाई भी सैलून चलाते हैं। नाजिम इनमें दूसरे नंबर का है। नाजिम से बड़े भाई आसिम और छोटे भाई सलमान की शादी हो चुकी है। नाजिम के तीन सगे छोटे भाई जीशान, अरमान और रानू अभी अविवाहित हैं। यह तीनों एक साथ वजीरपुर (गुरुग्राम) में किराये के मकान में रहते हैं।

नाजिम के बड़े भाई आसिम के अनुसार उसकी मां परवीन नाजिम की तीनों बेटियों और बेटे से काफी प्यार करती थीं। वह ईद व अन्य मौकों पर फोन करके नाजिम को सपरिवार बिलारी बुलाती थीं। पोते-पोतियों का फोन पर हाल जानती रहती थीं। नाजिम के सगे मामा पूर्व सभासद सखावत सलमानी ने बताया कि नाजिम वजीरपुर में रहने के दौरान कई वर्ष से नशा करने लगा था।

नदी में कार गिरने से 4 मौतें

कबीरधाम, 4 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा में देर रात तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर फोक नदी में जा गिरी। इस हादसे में कार सवार 4 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। घटना पांडातराई थाना क्षेत्र की है। शुरुआती जानकारी के अनुसार सभी युवक बिरगांव (रायपुर) से पंडरिया में शादी में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान पांडातराई के पास कार का बैलेंस बिगड़ा और पलटते हुए 30 फीट नीचे नदी में जा गिरी। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने घायलों को बाहर निकला और पुलिस को हादसे की सूचना दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेस की मदद से अस्पताल पहुंचाया।

ऑपरेशन सिंदूर से दहशत में पाकिस्तान

आईएसआई 24 घंटे कर रही भारतीय और बलूच अकाउंट्स की निगरानी

> पूर्व रॉ एजेंट का दावा

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर से ही पाकिस्तान और समर्थक आतंकवादी दहशत में हैं। आलम ये है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई भारतीय और बलूचों से जुड़े सोशल मीडिया अकाउंट्स की 24 घंटे निगरानी कर रही है। पूर्व रॉ एजेंट लकी बिष्ट ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि,'पाकिस्तानी सेना की घबराहट आप सब मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देख चुके हैं, जब डीजी आईएसपीआर अहमद शरीफ चौधरी खुद मीर यार बलोच जैसे अकाउंट्स की लिस्ट लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे।'

भारतीय और बलूच अकाउंट्स की जासूसी कर रही आईएसआई

लकी बिष्ट ने दावा किया कि, 'पाकिस्तान की आईएसआई की 'डीजी टेक्नीकल' और आईएसपीआर की 'ब्रावो डिवीजन' 24 घंटे उन इंडियन और बलूच अकाउंट्स की जासूसी कर रही है जो पाकिस्तान की हकीकत दुनिया को दिखा रहे हैं। यह उनके गिरते मनोबल और खौफ का साफ सबूत है।'

बलूचिस्तान में असंतोष

बलूचिस्तान लंबे समय से असंतोष और विवादों का केंद्र रहा है। वहां से उठने वाली आवाज़ें जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचती हैं, तो पाकिस्तान की संस्थाएं अक्सर उन्हें दबाने या कंट्रोल करने की कोशिश करती हैं। यही वजह है कि सोशल मीडिया अब उनके लिए 'खतरे' के रूप में देखा जाने लगा है।

पहलगाम हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर

पिछले साल 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या की थी। इसके बाद भारतीय सेनाओं ने आतंकवादियों के खात्मे के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत पाकिस्तान और पाकिस्तान कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों पर हमले किए गए। सेना के मुताबिक इन हमलों में सौ से अधिक आतंकवादी मारे गए। सेना द्वारा किए गए इस ऑपरेशन की जानकारी राष्ट्रपति को दी गई है।

भारतीय सेना ने केवल आतंकवादियों और आतंकवादी ठिकानों को अपना निशाना बनाया था। इस दौरान पाकिस्तान के किसी भी सैन्य या नागरिक ठिकाने पर हमले नहीं किए गए। लेकिन पाकिस्तान आतंकवादियों के समर्थन में खड़ा हुआ और पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सैन्य और नागरिक ठिकानों को टारगेट करने की कोशिश की। हालांकि भारतीय वायु रक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के सभी हमलों को विफल कर दिया। इतना ही नहीं भारतीय सेना के जवाबी हमले में पाकिस्तानी सेना को भारी नुकसान उठाना पड़ा, उसकी एयर डिफेंस प्रणाली को भारतीय सेनाओं ने ध्वस्त कर दिया। पाकिस्तानी सेना अपने कई एयरबेस की भी रक्षा नहीं कर सकी।

आज राष्ट्रपति से मिलेंगे सांसद राघव चड्ढा

सीएम मान से पहले मिला मुलाकात का समय

चंडीगढ़, 4 मई (एजेंसियां)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान पांच मई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलेंगे। इस प्रस्तावित मुलाकात से पहले राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा तीन अन्य सांसदों के साथ राष्ट्रपति से मिलेंगे। ये सभी सांसद हाल ही में भाजपा में शामिल हुए हैं। राष्ट्रपति कार्यालय ने इन सांसदों को 5 मई को सुबह 10.40 बजे का समय दिया है। बताया जा रहा है कि यह सांसद पंजाब सरकार पर राज्य मशीनरी के कथित दुरुपयोग का मुद्दा उठाएंगे। उनका आरोप है कि राजनीतिक प्रतिशोध के तहत उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री मान उसी दिन दोपहर 12 बजे राष्ट्रपति से मिलेंगे।

बंगाल में जीत के जश्न पर ब्रेक : रैलियों और जुलूस पर पूरी तरह से प्रतिबंध, एजेंटों की शिकायतों की हो रही जांच

कोलकाता, 4 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की मतगणना के दौरान प्रशासन ने कड़े एहतियाती कदम उठाए हैं। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि किसी भी उम्मीदवार या पार्टी को जीत का जश्न मनाने के लिए रैलियां निकालने की अनुमति नहीं है।

> आज परिणाम घोषित होने के बाद किसी भी उम्मीदवार की जीत पर जुलूस या रैली निकालने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह कदम कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी संभावित तनाव को रोकने के लिए उठाया गया है।
>
> *मनोज अग्रवाल, पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी*

उन्होंने बताया कि 293 विधानसभा सीटों की मतगणना शांतिपूर्ण ढंग से जारी है और अब तक किसी भी तरह की हिंसा की खबर नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि हमने सभी जिला अधिकारियों को निर्देश दिया है कि आज किसी भी तरह की विजय रैली की अनुमति न दें। ये रैलियां कल से अनुमति के साथ निकाली जा सकेंगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी विजय जुलूस के लिए स्थानीय पुलिस से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य में अब तक चुनाव से जुड़ी किसी हिंसक घटना या मौत की सूचना नहीं मिली है। इस बीच, विभिन्न राजनीतिक दलों के एजेंटों के मतगणना केंद्रों तक समय पर नहीं पहुंच पाने की शिकायतें भी सामने आई हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए चुनाव आयोग के विशेष पर्यवेक्षक सुब्रत गुप्ता ने कहा कि आयोग इन शिकायतों को गंभीरता से ले रहा है। उन्होंने कहा कि एजेंटों के केंद्र तक नहीं पहुंच पाने के मुद्दे की जांच की जा रही है और इसे जल्द ही सुलझा लिया जाएगा।

दिल्ली में बंगाल जीत का जश्न : सीएम रेखा ने की झालमूरी-रसगुल्ला पार्टी

बोलीं-हर राज्य भगवा रंग में रंग रहा

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की शानदार जीत का जश्न मनाया। उन्होंने अपने कार्यालय में झालमूरी और रसगुल्ला खाकर इस जीत का उत्सव मनाया। मुख्यमंत्री गुप्ता के साथ उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी भी दिल्ली सचिवालय में मौजूद थे।

हर राज्य भगवा रंग में रंग रहा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल चुनाव अभियान के दौरान झालमूरी को लोकप्रिय बनाया था। मुख्यमंत्री गुप्ता ने एक्स पर एक बधाई संदेश भी साझा किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का हर राज्य भगवा रंग में रंग रहा है। असम में हैट्रिक जीत के साथ बंगाल में भी भाजपा सरकार बनी है। उन्होंने इस शानदार जीत पर हार्दिक बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे झालमूरी और रसगुल्ला के साथ जीत का जश्न मना रही हैं। इससे पहले, मुख्यमंत्री गुप्ता ने बंगाल में भाजपा के स्टार प्रचारकों के साथ मिलकर मतदाताओं को लुभाया था। उन्होंने 294 सीटों के लिए हुए दो चरणों के चुनाव में उत्साहपूर्वक प्रचार किया।

बंगाल में मुख्यमंत्री का चुनाव प्रचार

मुख्यमंत्री गुप्ता ने खड़गपुर और दुर्गापुर सहित कई क्षेत्रों में भाजपा उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया। उन्होंने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल सरकार के आतंक आधारित शासन पर प्रकाश डाला। दुर्गापुर में उन्होंने एक चाय की दुकान पर जाकर महिला मालिक से बातचीत की। कोलकाता में उनके सड़क शो के दौरान कथित तौर पर स्ट्रीट लाइट बंद करने वाले टीएमसी कार्यकर्ताओं पर भी उन्होंने निशाना साधा। यह घटना उनके कार्यक्रम को बाधित करने के प्रयास में हुई थी।

बदलाव की उम्मीद और महिलाओं की सुरक्षा

अपने एक चुनावी भाषण में उन्होंने कहा था कि बंगाल का हर निवासी बदलाव के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि लोगों ने 15 साल की डर और धमकी वाली राजनीति को सहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार लोग बंगाल में कमल के निशान वाली सरकार लाने को तैयार हैं। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस प्रशासन की आलोचना करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल कई वर्षों से कठिन स्थिति में है। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा पर चिंता जताई और डर के माहौल का

केंद्रीय मंत्री बोले-तख्तापलट होगा, सीएम मान ने कहा-ये शेखचिल्ली के सपने

जालंधर, 4 मई (एजेंसियां)। बंगाल में बीजेपी की बंपर जीत पर पंजाब की सियासत में भी उबाल आ गया है। केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू ने कहा कि बंगाल के बाद पंजाब में तख्तापलट की बारी है। वहीं पंजाब बीजेपी ने भी सोशल मीडिया (एक्स) पर पोस्टर जारी कर लिखा- बंगाल के बाद पंजाब की बारी, भाजपा की है पूरी तैयारी। भाजपा के उत्साहित नेताओं की बयानबाजी को लेकर आप सरकार चला रहे सीएम भगवंत ने पलटवार किया।

सीएम भगवंत मान ने कहा-ये शेखचिल्ली के सपने हैं। पंजाब में बीजेपी को वोट नहीं मिलेंगे। पंजाबी जिस बात पर अड़ गए, उस पर अड़ गए। इसी बीच बंगाल में जीत के बाद पंजाब में भाजपा का क्या रुख रहेगा, इस पर दैनिक भास्कर ने 3 पॉलिटिकल एक्सपर्ट से बात की। उनका कहना था कि बीजेपी ने बंगाल में ममता बनर्जी का किला ढहा दिया।

साफ तौर पर अगली बारी पंजाब की ही होगी। ऐसा इसलिए क्योंकि जैसे बंगाल में भाजपा कभी सरकार नहीं बना सकी, उसी तरह पंजाब में अकेले दम पर सत्ता पाना भी भाजपा के लिए किसी सपने से कम नहीं। बीजेपी अब पंजाब में एग्रेसिव ढंग से पॉलिटिक्स करेगी। इससे आप में टूट का खतरा बढ़ेगा। एक्सपर्ट बंगाल चुनाव का असर कांग्रेस पर भी मान रहे हैं। जालंधर की डीएवी यूनिवर्सिटी के पूर्व डीन प्रो. डॉ. केके रत्तू कहते हैं-बीजेपी बंगाल जीत गई। अब वह पंजाब में भी साम-दाम-दंड-भेद की नीति अपनाएगी। बीजेपी के लिए बंगाल की तरह पंजाब भी सियासी कामयाबी की बड़ी पहेली रहा है। ऐसे में अब बंगाल का फॉर्मूला पंजाब में भी लागू होगा। भाजपा की बंगाल जीत के बाद आप में टूट का खतरा बढ़ेगा। विधायक समझेंगे कि अगर भाजपा बंगाल में सरकार बना सकती है तो पंजाब में भी चौंका सकती है। उनका भरोसा बढ़ेगा और टूट के मौके ज्यादा बनेंगे। इसमें आप छोड़ने वाले राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा और संदीप पाठक उनके बड़े हथियार बन सकते हैं। डॉ. रत्तू इतना जरूर कहते हैं कि अभी ये टूट नहीं होगी।

राहुल गांधी के पीए बताकर महिला से 25 लाख रुपये की ठगी

देहरादून, 4 मई (एजेंसियां)। राजपुर क्षेत्र में एक महिला से राहुल गांधी के कथित पीए के नाम पर 25 लाख रुपये की ठगी मामला सामने आया है।

पीड़िता ने इस संबंध में थाना राजपुर में लिखित शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। तहरीर के अनुसार, पिनाकल रेजीडेंसी निवासी भावना पांडेय ने आरोप लगाया है कि कुछ व्यक्तियों ने खुद को राहुल गांधी का करीबी बताते हुए उनसे संपर्क किया। आरोपियों में एक व्यक्ति ने खुद को पीए कनिष्क बताया और विश्वास दिलाने के लिए कथित तौर पर कई राजनीतिक नामों से स्पीकर फोन पर बातचीत भी कराई।

6 लाख की हेरोइन के साथ पकड़ा युवक, पुलिस ने गुप्त सूचना पर की कार्रवाई

यमुनानगर, 4 मई (एजेंसियां)। जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक सेल ने नशा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब छह लाख रुपये कीमत की 126 ग्राम हेरोइन के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया गया, जहां से पुलिस ने उसे रिमांड पर लिया है। अभियान के तहत एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि गड़ी रोड, हमीदा के पास एक युवक खाली प्लॉट में नशीले पदार्थ बेचने का काम करता है। सूचना के आधार पर इंचार्ज अनिल कुमार के नेतृत्व में उप निरीक्षक सतीश कुमार, नवीन, एएसआई जसवीर सिंह, जयपाल, अमित और ललित की टीम का गठन किया गया।

चुनावी नतीजों के बीच सियासी घमासान

उमर अब्दुल्ला के ट्वीट पर भाजपा का पलटवार

कहा-मर्यादा का ध्यान रखें सीएम

जम्मू, 4 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल चुनाव में भाजपा को बढ़त और बहुमत मिलने के बाद जहां पार्टी कार्यकर्ता जश्न मना रहे हैं, वहीं जम्मू-कश्मीर की राजनीति में बयानबाजी तेज हो गई है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के एक ट्वीट को लेकर भाजपा ने उन पर तीखा हमला बोला है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सत शर्मा ने उमर अब्दुल्ला के ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए उनकी भाषा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एक मुख्यमंत्री रह चुके नेता को अपनी बात रखते समय मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए। सत शर्मा ने विशेष रूप से कथित तौर पर इस्तेमाल किए गए 'ब्लडी हेल' जैसे शब्दों पर आपत्ति जताते हुए इसे अनुचित बताया और कहा कि यह हताशा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने कभी हार के बावजूद इस तरह की भाषा का इस्तेमाल नहीं किया और सभी नेताओं को संयम बरतना चाहिए। सत शर्मा ने पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों का जिक्र करते हुए कहा कि यह जनता के फैसले को दर्शाते हैं। इसके साथ ही उन्होंने आईएनडीआईए गठबंधन और कांग्रेस पर भी निशाना साधा और दावा किया कि कई राज्यों में विपक्ष कमजोर स्थिति में है। उन्होंने यह भी कहा कि चुनावी नतीजे जनता के निर्णय से तय होते हैं, न कि केवल राजनीतिक दावों से। यह बयानबाजी ऐसे समय में सामने आई है जब विभिन्न राज्यों के चुनाव परिणामों के बाद राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं।

चौथा भारत-अफ्रीका शिखर सम्मेलन

10 देशों के नेता होंगे शामिल, थिंक टैंक का जमावड़ा

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। इस महीने चौथा भारत-अफ्रीका शिखर सम्मेलन होने वाला है। यह बैठक करीब एक दशक बाद आयोजित की जा रही है। अफसरों ने बताया कि इस दौरान आधिकारिक चर्चाएं, मंत्री-स्तरीय बैठकें और व्यापारिक वार्ताएं निर्धारित हैं, साथ ही भारत-अफ्रीका थिंक टैंक का एक जमावड़ा भी होगा।

बिग कैट अलायंस का भी होगा आयोजन

ये बैठकें 31 मई को मुख्य शिखर सम्मेलन के साथ समाप्त होंगी, जिसमें कई अफ्रीकी नेता हिस्सा ले सकते हैं। इसके बाद 'बिग कैट अलायंस' शिखर सम्मेलन होगा, जिसमें इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार, लगभग 10 अफ्रीकी देशों के भाग लेने की उम्मीद है। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, यह शिखर सम्मेलन और इससे जुड़े कार्यक्रम अफ्रीका के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को उजागर करेंगे, जिसमें सिद्धांतों पर जोर दिया जाएगा।

भारत और अफ्रीका के बीच सहयोग

इस बार सम्मेलन की थीम "आईए स्प्रीटः नवाचार, सुदृढ़ता और समावेशी परिवर्तन के लिए भारत-अफ्रीका रणनीतिक साझेदारी" रखी गई है, जो भारत-अफ्रीका संबंधों की व्यापकता को दर्शाती है। अफ्रीकी महाद्वीप के साथ सहयोग लगातार बढ़ रहा है। अफ्रीका अब भारत के विदेशी विकास साझेदारी सहयोग का दूसरा सबसे बड़ा प्राप्तकर्ता है।

भारतीय कंपनियों ने जमाई धाक

नई दिल्ली ने 41 अफ्रीकी देशों को 190 से ज्यादा 'लाइन ऑफ क्रेडिट' दी हैं, जिनकी कुल कीमत 10 अरब डॉलर से ज्यादा है; वहीं 4.5 अरब डॉलर के 20 प्रोजेक्ट पूरे हो चुके हैं। ये प्रोजेक्ट बिजली, पानी की सप्लाई, खेती-बाड़ी, ट्रांसपोर्ट, गांवों में बिजली पहुंचाने और डिजिटल कनेक्टिविटी जैसे अहम सेक्टर में हैं। भारतीय कंपनियों ने अफ्रीकी खेती-बाड़ी के सेक्टर में भी अपनी मौजूदगी बढ़ाई है, जिससे मशीनों के इस्तेमाल, वैल्यू-एडिशन और खेती से जुड़े सामान की प्रोसेसिंग को बढ़ावा मिला है।

बता दें कि भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन की तैयारियों को लेकर विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने शुक्रवार को अफ्रीकी संघ (एयू) आयोग के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। यह प्रतिनिधिमंडल एयू स्थायी प्रतिनिधि समिति के अध्यक्ष और भारत में बुरुंडी के राजदूत विली न्यामिटवे के नेतृत्व में भारत पहुंचा था।

अब अपराधियों से सच उगलवाने के लिए बाहर नहीं जाएगी पुलिस

जल्द पॉलीग्राफ टेस्ट की व्यवस्था शुरू

देहरादून, 4 मई (एजेंसियां)। पेशेवर अपराधियों से सच उगलवाने के लिए पुलिस को दिल्ली व अन्य शहरों की दौड़ नहीं लगानी होगी। इसके लिए अब जल्द ही प्रदेश में ही पॉलीग्राफ टेस्ट की व्यवस्था शुरू हो जाएगी। शासन ने इसके लिए फॉरेंसिक लैब को स्वीकृति दे दी है।

फॉरेंसिक की ओर से पॉलीग्राफ और नार्को टेस्ट की व्यवस्था के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा था। इसमें से फिलहाल पॉलीग्राफ टेस्ट की व्यवस्था करने की स्वीकृति मिली है। प्रदेश में अब तक पॉलीग्राफ और नार्को टेस्ट की पुलिस तंत्र में व्यवस्था नहीं है। इसके लिए दिल्ली, चंडीगढ़, हैदराबाद आदि जगहों की लैब पर निर्भर होना पड़ता है। दरअसल, किसी जटिल अपराध जिसमें पुलिस को लगता है कि आरोपी झूठ बोल रहा है तो सच उगलवाने के दो तरीके प्रचलित हैं।

पिछले साल इन दोनों टेस्ट के लिए शासन को भेजा गया था प्रस्ताव

इनमें पॉलीग्राफ टेस्ट और दूसरा नार्को टेस्ट। पॉलीग्राफ टेस्ट में एक मशीन होती है। इसमें आरोपी के शरीर के विभिन्न हिस्सों पर सेंसर लगाकर उसके हाव भाव देखे जाते हैं। विशेषतौर पर रक्तचाप, पसीना, दिल की धड़कन आदि देखा जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार झूठ और सच बोलने की सूरत में इन सब गतिविधियां बदल जाती हैं। इन्हीं का डाटा तैयार कर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाती है।

हालांकि, न्यायालय इस टेस्ट को बहुत ज्यादा विश्वसनीय नहीं मानते हैं लेकिन पुलिस एक नतीजे पर पहुंचने के लिए इसे सहायक जांच के तौर पर प्रयोग करती है। दूसरा नार्को का तरीका होता है जिसमें एक दवा शरीर में इंजेक्ट कर अर्द्धबेहोशी की हालत में आरोपी से सवाल किए जाते हैं। उस वक्त उसकी सोचने समझने की शक्ति खो जाती है और माना जाता है कि वह इस दशा में सच बोल रहा है। हालांकि, यह टेस्ट कई मामलों में विवादित रहा है। विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की ओर से पिछले साल इन दोनों टेस्ट के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया था जिसमें शासन ने पॉलीग्राफ टेस्ट की व्यवस्था करने की स्वीकृति दे दी है। प्रदेश में कई आपराधिक मामलों में आरोपियों के पॉलीग्राफ टेस्ट कराए गए हैं जिनके लिए एम्स दिल्ली जाना होता था। अंकिता भंडारी हत्याकांड में वीआईपी का पता लगाने के लिए न्यायालय से आरोपियों के पॉलीग्राफ और नार्को टेस्ट की अनुमति मांगी गई थी।

> गर्मी व सूखे का डबल अटैक

2090 तक 260 करोड़ लोगों पर खतरा सदी के अंत तक 5 गुना बढ़ेगा असर

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। दुनिया तेजी से एक ऐसे जलवायु संकट की ओर बढ़ रही है, जहां भीषण गर्मी और सूखा मिलकर अभूतपूर्व खतरा पैदा कर रहे हैं। जियोफिजिकल रिसर्च लेटर्स में प्रकाशित एक नई स्टडी के अनुसार अगर मौजूदा जलवायु नीतियों में ठोस बदलाव नहीं हुआ, तो सदी के अंत तक वैश्विक आबादी का करीब 28 फीसदी यानी लगभग 260 करोड़ लोग इस दोहरे संकट की चपेट में होंगे।

अध्ययन के अनुसार इसका असर आज की तुलना में करीब पांच गुना तक बढ़ सकता है। अध्ययन के अनुसार 2001 से 2020 के बीच हर साल औसतन चार बार ऐसे हालात बने, जब भीषण गर्मी और सूखा एक साथ पड़े। यह आंकड़ा औद्योगिक काल 1850 से 1900 की तुलना में दोगुना है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि 2090 तक ऐसी घटनाएं साल में करीब 10 बार तक हो सकती हैं और हर घटना करीब दो हफ्ते तक असर डाल सकती है।

इसे कहते हैं कंपाउंड एक्सट्रीम

जब कई चरम मौसम घटनाएं एक साथ मिलकर प्रभाव को कई गुना बढ़ा देती हैं तब इसे वैज्ञानिक भाषा में कंपाउंड एक्सट्रीम कहा जाता है। इससे फसलें तेजी से सूखती हैं, जल स्रोत सिकुड़ते हैं और जंगलों में आग लगने का खतरा बढ़ जाता है। इसके साथ खाद्य कीमतों में उछाल और लू से मौतों का जोखिम भी बढ़ता है। यह स्थिति वैश्विक खाद्य सुरक्षा पर भी सीधा दबाव डाल सकती है। इसका सबसे ज्यादा असर उन लोगों पर पड़ेगा जो खुले में काम करते हैं।

सही नीतियों से कम हो सकता है खतरा

अगर देश पेरिस समझौते के तहत अपने जलवायु वादों को प्रभावी ढंग से लागू करें तो इस खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। यह अंतर इस बात को रेखांकित करता है कि आने वाले दशकों में अरबों लोगों के जीवन को सुरक्षित या असुरक्षित बना सकते हैं।

अध्ययन का आधार और वैज्ञानिक निष्कर्ष

अध्ययन के अनुसार 8 जलवायु मॉडलों पर आधारित 152 सिमुलेशन का विश्लेषण किया गया, जिसमें जनसंख्या वृद्धि और ग्लोबल वार्मिंग के विभिन्न परिदृश्यों को शामिल किया गया। ये परिदृश्य इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज,संयुक्त राष्ट्र की जलवायु संबंधी वैज्ञानिक संस्था (आईपीसीसी) की छठी आकलन रिपोर्ट पर आधारित हैं। इसके लिए 1961 से 1990 की अवधि को आधार बनाया गया।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 5 मई - 2026

चिंगारी से त्रासदी तक

गर्मियों के आगमन के साथ ही देश के विभिन्न हिस्सों से आग लगने की घटनाओं की खबरें तेज़ी से सामने आने लगती हैं। घरों, कारखानों, बाजारों और बहुमंजिला इमारतों में आग की घटनाएं अब किसी एक दिन की खबर नहीं रह गईं, बल्कि एक चिंताजनक सिलसिला बन चुकी हैं। हाल के दिनों में दिल्ली, इंदौर सहित देश के कई शहरों में हुई आग की घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हमारी तैयारियां अभी भी इस खतरे से निपटने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। हर बार हादसे के बाद कुछ समय तक हलचल होती है, जांच बैठती है, फिर सब कुछ तब तक सामान्य हो जाता है जब तक कि अगली आग किसी नई त्रासदी का कारण न बन जाए। इन घटनाओं के पीछे सबसे बड़ा कारण तकनीकी खामियां और सुरक्षा मानकों की अनदेखी है। शॉर्ट सर्किट, ओवरलोडेड वायरिंग, खराब गुणवत्ता वाले बिजली उपकरण और अवैध कनेक्शन ये सभी ऐसे कारक हैं जो आग लगने की संभावनाओं को बढ़ाते हैं। समस्या केवल तकनीकी नहीं, बल्कि प्रशासनिक और सामाजिक भी है। भवन निर्माण के समय अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जाता, और कई बार संबंधित एजेंसियां भी इन नियमों की अनदेखी कर देती हैं। नतीजतन एक छोटी सी चिंगारी भी बड़ी त्रासदी में बदल जाती है। चिंता की बात यह है कि इन घटनाओं में अक्सर मासूम लोगों की जान चली जाती है। कई बार लोग आग लगने के बाद बचने का रास्ता नहीं खोज पाते, क्योंकि इमारतों में पर्याप्त निकासी मार्ग या अग्निशमन उपकरण मौजूद नहीं होते। सवाल यह उठता है कि आखिर कब तक हम ऐसी घटनाओं को 'दुर्भाग्यपूर्ण हादसा' कहकर टालते रहेंगे? समाधान केवल घटनाओं के बाद कार्रवाई करने में नहीं, बल्कि पहले से तैयारी करने में है। सबसे पहले, बिजली उपकरणों और वायरिंग की गुणवत्ता सुनिश्चित करना आवश्यक है। इसके लिए सख्त मानक तय करने और उनके पालन की निगरानी करने की जरूरत है। साथ ही, भवन निर्माण में अग्नि सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन होना चाहिए। जिन इमारतों में ये सुविधाएं नहीं हैं, वहां नियमित निरीक्षण और सुधारात्मक कदम उठाए जाने चाहिए। इसके अलावा, आम नागरिकों में जागरूकता बढ़ाना भी बेहद जरूरी है। अक्सर लोग छोटी-छोटी लापरवाहियों को नजरअंदाज कर देते हैं, जैसे खराब वायरिंग को समय पर ठीक न कराना या ओवरलोडेड प्लग का इस्तेमाल करना। ऐसी आदतें बड़े हादसों को जन्म दे सकती हैं। यदि लोगों को आग से बचाव और आपातकालीन स्थिति में सही कदम उठाने की जानकारी दी जाए, तो कई जानें बचाई जा सकती हैं। सरकार और प्रशासन की भूमिका भी इस दिशा में अहम है। अग्निशमन विभाग को आधुनिक उपकरणों और पर्याप्त संसाधनों से लैस करना होगा, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत और प्रभावी कार्रवाई की जा सके। साथ ही, नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी, ताकि लापरवाही की कीमत दूसरों को अपनी जान देकर न चुकानी पड़े। अंततः, आग की घटनाओं को केवल एक मौसमी समस्या मानना बड़ी भूल होगी। यह एक ऐसी चुनौती है, जिसका समाधान दीर्घकालिक और समग्र दृष्टिकोण से ही संभव है। जब तक हम सुरक्षा मानकों का पालन, जागरूकता और जवाबदेही को प्राथमिकता नहीं देंगे, तब तक यह 'आग का सिलसिला' थमने वाला नहीं है। अब समय आ गया है कि हम इस समस्या को गंभीरता से लें और सुनिश्चित करें कि भविष्य में किसी भी परिवार को ऐसी त्रासदी का सामना न करना पड़े।

पुणे का कलंक: समाज की संवेदनहीनता का सबसे काला अध्याय

आरके जैन

मानवता को झकझोर देने वाली यह घटना समाज की संवेदनहीनता को उजागर करती है। पुणे के भोर तहसील के नासरापुर गांव में 1 मई 2026 को घटी यह घटना केवल अपराध नहीं, बल्कि गहरी मानवीय त्रासदी है। लगभग चार वर्ष की मासूम बच्ची, जो गर्मी की छुट्टियों में नानी के घर आई थी, उसे भोजन या बछड़ा दिखाने के लालच में पशुशाला में ले जाया गया। 65 वर्षीय व्यक्ति ने बेरहमी से अत्याचार कर पत्थर से सिर कुचलकर हत्या की और शव को गोबर के ढेर में छिपा दिया। सीसीटीवी कैमरों ने सच सामने ला दिया, फिर भी प्रश्न है कि ऐसी घटनाएँ क्यों बढ़ रही हैं। क्या हमारी सुरक्षा व्यवस्था और सामाजिक चेतना इतनी कमजोर हो चुकी है कि बच्चों की रक्षा भी सुनिश्चित नहीं?

यह घटना केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज की गंभीर विफलता का प्रमाण है। आरोपी पर पहले भी यौन अपराध के मामले दर्ज थे, जिससे अपराधियों के बढ़ते हौसले और पुलिस-न्याय व्यवस्था की कमियों पर सवाल और गहरे होते हैं।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के हालिया आंकड़ों के अनुसार महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराधों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। विभिन्न रिपोर्टों और उपलब्ध जानकारियों से भी स्पष्ट होता है कि अनेक क्षेत्रों में स्थिति दिन-प्रतिदिन अधिक गंभीर और असुरक्षित होती जा रही है। जो स्थान कभी सुरक्षित माने जाते थे, वे अब अपराध और असुरक्षा के नए केंद्र बनते जा रहे हैं। समस्या केवल कानूनों की मौजूदगी नहीं, बल्कि उनके कमजोर क्रियान्वयन और प्रभावी निगरानी के अभाव में छिपी है। यदि एक मासूम बच्ची अपने ही घर के आसपास सुरक्षित नहीं है, तो यह पूरे सुरक्षा तंत्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न है। अपराधियों के बढ़ते हौसले का एक बड़ा कारण समाज की उदासीनता भी है, जो समय रहते चेतावनी संकेतों को नजरअंदाज कर देती है। व्यवस्था में गहरे सुधार के बिना ऐसी घटनाओं पर रोक संभव नहीं। पुलिस व्यवस्था और न्याय प्रणाली में ठोस, प्रभावी बदलाव आवश्यक हैं। विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन हुआ है और मुख्यमंत्री ने फास्ट-ट्रैक ट्रायल व कठोर सजा की घोषणा की है, लेकिन ये कदम केवल तात्कालिक प्रतिक्रिया तक सीमित नहीं रहने चाहिए। बाल यौन अपराध संरक्षण कानून के अंतर्गत लंबित मामलों की अधिक संख्या और दोषसिद्धि की कम दर व्यवस्था की कमजोरियों को स्पष्ट करती है। प्रत्येक जिले में 24 घंटे सक्रिय बाल संरक्षण इकाइयों की स्थापना अनिवार्य होनी चाहिए। गाँवों और शहरों में निगरानी कैमरों का व्यापक नेटवर्क विकसित किया जाए तथा महिला पुलिस की पर्याप्त तैनाती सुनिश्चित की जाए। न्याय प्रक्रिया को तेज, पारदर्शी और प्रभावी बनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

सुरक्षा की वास्तविक नींव समाज की जागरूकता और सक्रिय भागीदारी पर ही टिकी होती है। केवल कानून या प्रशासन के भरोसे सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती, जब तक समाज स्वयं सजग न हो। बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा सामूहिक जिम्मेदारी है। स्कूलों, आंगनवाड़ियों और खेल स्थलों को पूर्ण सुरक्षा क्षेत्र घोषित कर कठोर निगरानी आवश्यक है। अभिभावकों के लिए नियमित जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए ताकि वे संभावित खतरों को पहचान सकें। स्थानीय समुदायों में सतर्कता समूह बनाए जाने चाहिए जो संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत सूचना दें। बच्चों को आत्मरक्षा और सुरक्षित व्यवहार की शिक्षा देना भी अत्यंत आवश्यक है। जब तक समाज सक्रिय भागीदारी नहीं निभाएगा, तब तक केवल कानून व्यवस्था पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। सबसे बड़ी और गहरी चुनौती आज भी हमारी जड़ जमाई हुई मानसिकता है, जो वर्षों से बदली नहीं है। कई बार पीड़ित को ही प्रश्नों के घेरे में खड़ा कर दिया जाता है और पुरानी सोच से प्रभावित प्रतिक्रियाएँ दी जाती हैं। यह धारणा बदलनी होगी कि खतरा केवल अजनबियों से होता है, जबकि वास्तविकता यह है कि कई बार परिचित और भरोसेमंद लोग ही अपराधी बन जाते हैं।

गंगोत्री से गंगासागर तक भगवा लहर: टीएमसी का तिलिस्म टूटा!

सुरेश गांधी

फिरहाल, देश की राजनीति में 2026 का यह जनादेश सिर्फ सरकार बदलने की कहानी नहीं, बल्कि विचारधारा के निर्णायक उभार की उद्घोषणा है। गंगोत्री से गंगासागर तक फैली इस चुनावी लहर ने स्पष्ट कर दिया है कि अब भारतीय राजनीति की दिशा बदल चुकी है। पश्चिम बंगाल में 15 वर्षों से अजेय मानी जा रही सत्ता का पतन, असम में लगातार तीसरी बार विजय, दक्षिण भारत में बढ़ती पैठ और केरल में सत्ता परिवर्तन के संकेत, ये सभी मिलकर एक नए भारत की राजनीतिक तस्वीर गढ़ रहे हैं। यह जनादेश बताता है कि अब जनता केवल वादों से नहीं, बल्कि पहचान, सुरक्षा, स्थिरता और निर्णायक नेतृत्व के आधार पर फैसला ले रही है। और इसी बदलती धारा का सबसे बड़ा असर उत्तर प्रदेश की राजनीति पर पड़ने वाला है, जहां 2027 के चुनाव के लिए यह परिणाम एक स्पष्ट संकेत बनकर उभरा है। मतलब साफ है देश की राजनीति में वह क्षण आखिरकार आ ही गया, जिसका लंबे समय से इंतजार था। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव 2026 ने न सिर्फ सरकारें बदली हैं, बल्कि राजनीतिक विमर्श की धुरी भी बदल दी है। पश्चिम बंगाल में 15 वर्षों से अजेय मानी जा रही ममता बनर्जी की सत्ता का अंत, असम में भाजपा की हैट्रिक, पुडुचेरी में बहुमत, तमिलनाडु में नई सियासी करवट और केरल में सत्ता परिवर्तन के संकेत, ये सिर्फ चुनावी नतीजे नहीं, बल्कि जनता के मूड का स्पष्ट संदेश हैं. अब राजनीति भावनाओं, सुरक्षा और ठोस नेतृत्व के इर्द-गिर्द घूमेगी।

बंगाल: 'अभेद्य किला' कैसे ढहा?

पश्चिम बंगाल का परिणाम इस चुनाव का सबसे बड़ा और प्रतीकात्मक घटनाक्रम है। ममता बनर्जी का 15 साल पुराना शासन, जो लंबे समय से अजेय माना जा रहा था, इस बार जनता के फैसले के सामने टिक नहीं सका।

भाजपा ने न केवल सत्ता हासिल की, बल्कि पूर्ण बहुमत के साथ यह दिखा दिया कि राजनीतिक समीकरण स्थायी नहीं होते। बंगाल में यह बदलाव अचानक नहीं आया, बल्कि वर्षों से बन रही परिस्थितियों का परिणाम था।

भ्रष्टाचार, कटमनी और राजनीतिक हिंसा जैसे मुद्दे जनता के मन में गहराई से बैठे थे. त्योहारों और धार्मिक पहचान को लेकर विवाद ने सामाजिक असंतोष को जन्म दिया. कानून व्यवस्था पर लगातार उठते सवाल सरकार की विश्वसनीयता को कमजोर करते रहे. भाजपा ने इन सभी मुद्दों को संगठित तरीके से उठाया और एक मजबूत विकल्प के रूप में खुद को स्थापित किया।

'नामुमकिन' हुआ मुमकिन

पश्चिम बंगाल में जो हुआ, वह भारतीय राजनीति के इतिहास में एक बड़ा टर्निंग पॉइंट है। 15 साल तक अपराजेय रहीं ममता बनर्जी को सत्ता से बेदखल कर भाजपा ने न सिर्फ जीत दर्ज की, बल्कि पूर्ण बहुमत हासिल कर यह साबित कर दिया कि सही रणनीति और माहौल बनने पर कोई भी किला अभेद्य नहीं रहता। यह चुनाव सिर्फ सत्ता परिवर्तन नहीं था, यह एक मूड स्विंग था, जिसमें जनता ने 'परिवर्तन' को प्राथमिकता दी।

इस चुनाव में सबसे निर्णायक भूमिका पहचान आधारित राजनीति ने निभाई। भाजपा ने 'सनातन', 'सांस्कृतिक अस्मिता' और 'सुरक्षा' जैसे मुद्दों को केंद्र में रखा। बंगाल में जहां मुस्लिम मतदाता लगभग 25-30: हैं, वहीं बाकी आबादी का व्यापक एकीकरण भाजपा के पक्ष में गया। यह सिर्फ वोटिंग ट्रेंड नहीं था, बल्कि एक सामाजिक-राजनीतिक पुनर्संरचना थी।

ममता की हार के 5 बड़े कारण

हिन्दू वोटों का अभूतपूर्व ध्रुवीकरण: इस चुनाव में सबसे निर्णायक फैक्टर रहा हिन्दू मतदाताओं का एकतरफा झुकाव। भाजपा ने शुरुआत से ही 'सनातन' और पहचान की राजनीति को केंद्र में रखा। भाजपा ने यह नैरेटिव स्थापित किया कि राज्य में हिन्दू असुरक्षित हैं. 25-30: मुस्लिम वोट बैंक के मुकाबले शेष वोटों का एकजुट होना निर्णायक बन गया. प्रवासी बंगाली हिन्दुओं की वापसी ने समीकरण बदल दिया. यह पहली बार था जब बंगाल में खुला धार्मिक ध्रुवीकरण निर्णायक परिणाम में तब्दील हुआ।

कानून व्यवस्था और महिला सुरक्षा का मुद्दा: आरजी कर मेडिकल कॉलेज और दुर्गापुर गैंगरेप जैसी घटनाओं ने सरकार की छवि को गहरा नुकसान पहुंचाया। महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल लगातार उठे. ममता बनर्जी का "लड़कियां रात में न निकलें" वाला बयान उल्टा पड़ गया. भाजपा ने पीड़ित परिवारों को टिकट देकर मुद्दे को जीवित रखा. जनता ने इसे सिर्फ अपराध नहीं, बल्कि प्रशासनिक विफलता के रूप में देखा।

टीएमसी में अंदरूनी कलह: तृणमूल कांग्रेस चुनाव से पहले ही दो धड़ों में बंटी नजर आई। महुआ मोइत्रा बनाम अन्य गुट. कल्याण बनर्जी प्रकरण ने संगठनात्मक कमजोरी उजागर की. कार्यकर्ताओं में समन्वय की कमी साफ दिखी. चुनाव में एकजुटता की कमी ने टीएमसी को भारी नुकसान पहुंचाया।

विजन की कमी बनाम भाजपा का आक्रामक एजेंडा: 15 साल की सत्ता के बाद एंटी-इंकंबेंसी स्वाभाविक थी, लेकिन उससे निपटने के लिए ममता के पास ठोस विजन नहीं था। वहीं भाजपा ने महिला सम्मान, सुरक्षा, घुसपैठ रोकने, 'डबल इंजन सरकार' जैसे मुद्दों को आक्रामक तरीके से उठाया।

5. '3000 रुपए' और चुनावी गणित: भाजपा की लोकलुभावन योजनाओं ने गेम बदल दिया। महिलाओं को 3000 प्रतिमाह देने का वादा, वोटर लिस्ट रिवीजन (एसआईआर) में बड़े पैमाने पर नाम कटना. इन दोनों फैक्टर्स ने टीएमसी के पारंपरिक वोट बैंक को कमजोर कर दिया।

प्रवासी बंगाली हिंदुओं की वापसी

ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में एक समान झुकाव. युवा मतदाताओं का स्पष्ट रुझान. इन सभी ने मिलकर चुनाव को एकतरफा बना दिया। मतलब साफ है भाजपा ने इस चुनाव में बहुस्तरीय रणनीति अपनाई। वेलफेयर स्कीम्स, सांस्कृतिक मुद्दे, सनातन और पहचान. राष्ट्रीय सुरक्षा: घुसपैठ और सीमा सुरक्षा, नेतृत्व का चेहरा मजबूत और निर्णायक. इन सभी का संयोजन एक प्रभावी चुनावी फॉर्मूला बन गया।

योगी फैक्टर: चुनाव का 'गेम चेंजर'

इस चुनाव में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का प्रभाव बेहद महत्वपूर्ण रहा। उनकी रैलियों ने चुनावी माहौल को पूरी तरह बदल दिया। 20 से अधिक जनसभाएं. 'माफिया मुक्त', 'बुलडोजर' और 'जय श्री राम' जैसे नारे, कानून व्यवस्था पर सख्त रुख. योगी का मॉडल अब केवल यूपी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य होता दिख रहा है। बंगाल में उनकी लोकप्रियता ने भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने में अहम भूमिका निभाई। यानी बंगाल में योगी का अभियान भाजपा के लिए एनर्जी बूस्टर साबित हुआ।

असम: स्थिरता का संदेश

असम में भाजपा की लगातार तीसरी जीत यह दिखाती है कि विकास और स्थिरता की राजनीति को जनता समर्थन दे रही है। हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में पार्टी ने अपना जनाधार मजबूत किया है।

स्वामी सत्यानंद का पदार्पण और तिरूपति बालाजी का आगमन

कुमार कृष्णन

विश्व योग आंदोलन के प्रवर्तक स्वामी सत्यानंद सरस्वती का मुंगेर आगमन 6 मई 1957 को एक परिव्राजक संन्यासी के रूप में हुआ था। परिव्राजक के रूप में बिहार यात्रा के क्रम में छपरा के बाद 1956 में पहली बार मुंगेर आये. यहां की प्राकृतिक छटा उन्हें आकर्षित करती थी। यहां उन्होंने चातुर्मास भी व्यतीत किया। यहीं उन्हें दिव्य दृष्टि से यह पता चला कि यह स्थान योग का अधिष्ठान बनेगा और योग विश्व की भावी संस्कृति बनेगी। उनकी यह यात्रा मुंगेर को एक वैश्विक योग केंद्र (बिहार योग विद्यालय) बनाने की शुरुआत थी।

इस ऐतिहासिक पदार्पण के 69 वर्ष पूरे होने पर 5-6 मई 2026 को मुंगेर में भव्य 'पदार्पण महोत्सव' और श्रीनिवास कल्याणोत्सवम् मनाया जा रहा है।

सबसे बड़ा संयोग है कि इस अवसर पर आंध्र प्रदेश से सड़क मार्ग से चल कर भगवान श्री तिरुपति बालाजी की उत्सव मूर्ति मुंगेर पहुंच रही है। इस ऐतिहासिक क्षण को मुंगेरवासियों के लिए यादगार बनाने को लेकर योगाश्रम और जिला प्रशासन की ओर से तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। परमहंस स्वामी निरंजनानंद सरस्वती के अनुसार 2023 में सत्यानंद सरस्वती की जन्मशताब्दी धूमधाम से मनाई गई। इसकी गूंज पूरे दुनिया में हुई। पूरे भारत में हुई, पूरे बिहार में हुई। शताब्दी सौ वर्ष बाद मनाई जाती है। संन्यासियों की संख्या एक सौ नहीं, बल्कि एक सौ आठ है। इसलिए 2023 से 2031 तक परमहंस स्वामी सत्यानंद की जयंती को पद्म जयंती के रूप में मनाया जा रहा है। इस वर्ष यह बिहार और मुंगेर का सौभाग्य है कि 6 मई को अपने गुरुदेव स्वामी सत्यानंद सरस्वती का प्रथम पदार्पण महोत्सव मनाने जा रहे हैं। इस समय तिरूपति बालाजी जी का आगमन मुंगेर में हो रहा है। तिरूपति वाला जी का आगमन छह तारीख को मुंगेर में होगा। प्रातः मुंगेर के पादुका दर्शन और आराधना होगी।

इस अवसर पर तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम से आए विद्वान आचार्य श्रीनिवास कल्याणोत्सवम समस्त धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराएंगे।

स्वामी सत्यानंद सरस्वती देश के ऐसे संत हुए, जिन्होंने न सिर्फ योग को पूरी दुनिया में फैलाया बल्कि सामाजिक चिंतन के जरिए विकास के मॉडल को पेश किया। उनका वेदान्त शास्त्रीय अथवा किताबी नहीं , बिल्कुल व्यवहारिक, प्रयोगात्मक, उपयोगी एवं मानवतावादी है। उनका मानवतावाद आत्मभाव पर आधारित है। इसे उन्होंने आर्थिक, सामाजिक परिवर्तन की एक सशक्त विचारधारा, उत्तम साधन एवं सर्वोपयोगी उपकरण के रूप में प्रस्तुत किया। स्वामी सत्यानंदजी के जीवन प्रवाह में भी हम पाते हैं कि पढ़- लिख कर भरे-पूरे परिवार से आने वाला एक 20 वर्षीय युवक अध्यात्म की राह पर चल पड़ता है। वह गुरु सेवा में लीन होने के बाद नचिकेता का वैराग्य प्राप्त कर 12 वर्षों बाद एक परिव्राजक के रूप में देश दुनिया में योग के प्रसार में लग जाते हैं। याद करें 1960 के दशक में योग के यह भ्रामक धारणा प्रचलित थी कि यह साधु सन्यासियों का विषय है,गृहस्थों और महिलाओं को योग नहीं करना चाहिए। ऐसे समय में स्वामी सत्यानंद ने योग की उपयोगिता सिद्ध की। आज जहां मुंगेर में विश्व प्रसिद्ध बिहार योग विद्यालय है, वह स्थान कर्णचौरा के नाम से जाना जाता था। किंवदन्ती के अनुसार राजा कर्ण इसी चबूतरे पर बैठकर प्रतिदिन सवा मन सोना दान करता था। उसी चबूतरे पर कई बार शयनकर रातें काटीं थीं। उस चबूतरे पर स्वामी जी को कई दिव्य अनुभव हुए। उन्होंने यहीं पर बैठकर संकल्प लिया कि जहां राजा कर्ण बैठकर सोना दान करता था, वहां से मैं विश्व को शांति बांटूंगा और योग को भविष्य की संस्कृति के रूप में विकसित करूंगा।

दुनिया के कई देशों में लाखों लोगों को भारत भूमि के प्राचीन योग विद्या से परिचित कराया, जिसका परिणाम है कि आज संयुक्त राष्ट्र ने योग को आधिकारिक मान्यता दी है। मुंगेर का गंगा दर्शन, पादुका दर्शन और देवघर के रिखियापीठ को देख यक्ष भाव मन में आता होगा कि परमहंस स्वामी सत्यानंद का जीवन वैभवपूर्ण रहा होगा लेकिन स्वामी सत्यानंद ने अभावपूर्ण, कष्ट और विपन्नता का जीवन जीते हुए पुनः मानवता को योग की संस्कृति देने का स्वप्न साकार किया।

पुनः 1988 में मुंगेर त्यागने के बाद रिखियापीठ में आकार 1991 से रिखिया के स्थानीय लोगों के शैक्षिक - सामाजिक -आर्थिक उत्थान के काम का बीड़ा उठाते है। एक ऐसी आर्थिक -सामाजिक व्यवस्था जो धारित विकास के मूल्यों का मॉडल विश्व के समक्ष प्रस्तुत करता हो। आत्मिक विकास के साथ -साथ आर्थिक स्बाबलंबन के उनके प्रयास को वैश्विक अर्थव्यवस्था और ग्लोबल विलेज के परिप्रेक्ष्य में समझने की आवश्यकता है। उत्तराखंड के अल्मोड़ा में 25 दिसंबर 1923 को जन्मे स्वामी सत्यानंद सरस्वती इस शताब्दी के महानतम संतों में से एक हैं, जिन्होंने समाज के हर क्षेत्र में योग को समाविष्ट कर, सभी वर्गों, राष्ट्रों और धर्मों के लोगों का आध्यात्मिक उत्थान सुनिश्चित कर दिया। योग का तात्पर्य होता है जोड़ना. परमहंस स्वामी सत्यानंद सरस्वती ने योग का वैज्ञानिक रूप में पुनर्जीवन किया उस योग ने पूरी दुनिया को एक सूत्र में जोड़ कर रखा है।आज पूरब से लेकर पश्चिम तक जिस योगलहर में योगस्नान कर रहा है उसके मूल में स्वामी सत्यानंद सरस्वती का कर्म और उनके गुरु स्वामी शिवानंद सरस्वती का वह आदेश है जो उन्होंने सत्यानंद को दिया था। गुरु के आदेशानुसार उनके जीवन का एक ही लक्ष्य था- योगविद्या का प्रचार-प्रसार, द्वारे-द्वारे तीरे-तीरे।

दरअसल इस शताब्दी में योग की कहानी 1940 के दशक से आरंभ होती है। उस समय तक लोग योग से अनजान थे। योग का अस्तित्व तो था त्यागियों वैरागियों और साधु सन्यासियों के लिए 1943 में स्वामी शिवानंद सरस्वती ने ऋषिकेश में शिवानंद आश्रम की स्थापना की।उन्होंने दिव्य जीवन का ज्ञान और अनुभव प्रदान करने के लिए दो विधियों का उपयोग किया योग और वेदांत। स्वामी शिवानंद के साथ वे निरंतर रहे।

समाज को 'अनसोशल' बना रहा है 'सोशल मीडिया

डॉ. शैलेश शुक्ला

सोशल" शब्द अपने भीतर एक सहज, मानवीय और आत्मीय अर्थ लेकर आता है— लोगों से जुड़ना, संवाद करना, अनुभव साझा करना और रिश्तों को जीवंत बनाए रखना। लेकिन जब यही शब्द "सोशल मीडिया" के साथ जुड़ता है, तो उसका अर्थ धीरे-धीरे बदलता हुआ दिखाई देता है। आज जिस माध्यम को लोगों को जोड़ने के लिए बनाया गया था, वही कई बार लोगों को भीतर से अलग-थलग भी कर रहा है। यह विरोधाभास केवल एक तकनीकी समस्या नहीं है, बल्कि एक गहरी सामाजिक और मनोवैज्ञानिक चुनौती है, जो आज जितनी प्रासंगिक है, उतनी ही आने वाले दशकों में भी बनी रहेगी। सवाल यह नहीं है कि सोशल मीडिया अच्छा है या बुरा, बल्कि यह है कि इसका प्रभाव हमारे सामाजिक व्यवहार, हमारे रिश्तों और हमारी मानवीय संवेदनाओं पर किस दिशा में पड़ रहा है।

आज का मनुष्य पहले की तुलना में अधिक जुड़ा हुआ दिखता है, लेकिन भीतर से कहीं अधिक अकेला भी होता जा रहा है। हजारों "फॉलोअर्स" और सैकड़ों "लाइक्स" के बीच भी एक सच्चे संवाद की कमी महसूस होती है। यह एक ऐसा समय है जहाँ बातचीत अधिक है, लेकिन संवाद कम है; संपर्क अधिक है, लेकिन संबंध कम हैं। सोशल मीडिया ने हमारे संवाद के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है।

पहले जहाँ बातचीत आमने-सामने होती थी, उसमें भावनाओं का आदान-प्रदान होता था, वहीं अब शब्दों और इमोजी के जरिए संवाद सिमट गया है। इस बदलाव ने हमारी अभिव्यक्ति को आसान जरूर बनाया है, लेकिन उसकी गहराई को कहीं न कहीं कम भी कर दिया है। जब हम किसी के चेहरे के भाव, उसकी आवाज़ का उतार-चढ़ाव और उसकी उपस्थिति को महसूस नहीं कर पाते, तो संवाद एक सीमित और सतही रूप ले लेता है।

इस स्थिति का सबसे बड़ा असर हमारे रिश्तों पर पड़ा है। रिश्ते केवल संपर्क से नहीं, बल्कि समय, संवेदना और समझ से बनते हैं। सोशल मीडिया ने संपर्क को तो आसान बना दिया है, लेकिन समय और ध्यान को खंडित कर दिया है। आज लोग एक ही समय में कई लोगों से जुड़े रहते हैं, लेकिन किसी एक के साथ पूरी तरह उपस्थित नहीं होते। यह "आधा-अधूरा जुड़ाव" रिश्तों को कमजोर बनाता है। जब बातचीत केवल औपचारिक या दिखावटी रह जाती है, तो उसमें वह आत्मीयता नहीं बचती जो किसी रिश्ते को गहराई देती है। यह स्थिति धीरे-धीरे लोगों को भीतर से "अनसोशल" बना देती है, जहाँ वे वास्तविक संबंधों से दूर होते जाते हैं और आभासी दुनिया में ही संतुष्टि खोजने लगते हैं। सोशल मीडिया का एक और महत्वपूर्ण प्रभाव हमारी सोच और व्यवहार पर पड़ता है। यह माध्यम केवल जानकारी साझा करने का प्लेटफॉर्म नहीं रह गया है, बल्कि यह हमारी धारणाओं और विचारों को भी प्रभावित करता है। एल्गोरिदम आधारित सामग्री हमें वही दिखाती है, जो हम पहले से पसंद करते हैं या जिससे हम सहमत होते हैं।

इससे हमारी सोच का दायरा सीमित हो सकता है। हम धीरे-धीरे एक ऐसे "डिजिटल घेरे" में कैद हो जाते हैं, जहाँ हमें केवल वही विचार दिखाई देते हैं, जो हमारे अपने विचारों से मेल खाते हैं। इससे न केवल हमारी आलोचनात्मक सोच कमजोर होती है, बल्कि समाज में संवाद और असहमति की स्वस्थ परंपरा भी प्रभावित होती है। जब लोग केवल अपने जैसे विचारों के बीच रहते हैं, तो वे अलग विचारों को स्वीकार करने में असहज हो जाते हैं और यही असहजता सामाजिक दूरी को और बढ़ा देती है।

इसके साथ ही, सोशल मीडिया ने तुलना की एक नई संस्कृति को जन्म दिया है। लोग अपने जीवन के सबसे अच्छे और आकर्षक पहलुओं को साझा करते हैं, जिससे देखने वाले के मन में यह धारणा बनती है कि दूसरों का जीवन उससे बेहतर है। यह लगातार तुलना व्यक्ति के आत्मविश्वास और संतोष को प्रभावित करती है। जब व्यक्ति अपने वास्तविक जीवन की तुलना किसी और के "संपादित" और "सजाए गए" जीवन से करता है, तो उसे अपने जीवन में कमी महसूस होने लगती है। यह भावना उसे भीतर से असंतुष्ट और अकेला बना सकती है। इस तरह सोशल मीडिया न केवल सामाजिक दूरी बढ़ाता है, बल्कि व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य पर भी प्रभाव डालता है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि सोशल मीडिया ने समय के उपयोग को पूरी तरह बदल दिया है। पहले जहाँ लोग अपने खाली समय में परिवार, मित्रों या समुदाय के साथ समय बिताते थे, वहीं अब वही समय स्क्रीन पर बीतने लगा है। यह बदलाव धीरे-धीरे हमारी प्राथमिकताओं को प्रभावित करता है। जब आभासी दुनिया वास्तविक दुनिया की जगह लेने लगती है, तो हमारे सामाजिक कौशल भी प्रभावित होते हैं। आमने-सामने बातचीत करने की क्षमता, धैर्य से सुनने की आदत और दूसरों की भावनाओं को समझने की संवेदनशीलता—ये सभी गुण धीरे-धीरे कमजोर पड़ सकते हैं। यह स्थिति केवल वर्तमान की नहीं है, बल्कि भविष्य में भी एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आ सकती है। फिर भी यह कहना उचित नहीं होगा कि सोशल मीडिया केवल नकारात्मक प्रभाव डालता है।

नीले टिक का तर्पण

डॉ. सुरेश कुमार

बनारस की उस पुरानी पुश्तैनी हवेली के दालान में गंगा की लहरों का शोर कम, नोटिफिकेशन की घनघनाहट ज़्यादा थी। पंडित दीनानाथ अपनी लकड़ी की आराम कुर्सी पर ऐसे पसरे थे, जैसे ऑफलाइन दुनिया के आखिरी पुरावशेष हों। हाथ में मोबाइल ऐसे चिपका था जैसे शरीर का कोई नया अंग प्रगट हो गया हो। पोता कल्लू पास आकर बोला, बाबा, बगल वाले टोले से बुआ का फोन आया था... कह रही थीं कि फुआ की तबीयत बहुतै खराब है। दवा-दारू के लिए कुछ कह रही थीं। दीनानाथ की उंगलियां स्क्रीन पर किसी सधे हुए तबला वादक की तरह थिरक रही थीं। अरे गुरु... देते हैं। ज़रा ठहरो, ये जीवन के पाँच अटल सत्य वाला वीडियो ग्रुप में पेल दें, दुनिया का उद्धार हो जाएगा। कल्लू ने माथा पीटा, बाबा, फुआ को अस्पताल ले जाना पड़ेगा, बुआ घबराई हुई हैं। दीनानाथ ने बिना चश्मा ऊपर किए जवाब दिया, अरे लल्ला, घबराने से क्या होगा? ये देख, प्राणायाम के चमत्कार वाली रील मिली है। अपनी फुआ को फॉरवर्ड कर दे, देखते ही ऑक्सीजन लेवल चकाचक हो जाएगा! कल्लू चला गया। पंडित जी अब उस परम फोटो की तलाश में थे जिसमें उगता सूरज थोड़ा वैराग्य ओढ़े लगे और नीचे लिखा हो-रिश्ते देह से नहीं, डेटा से अमर होते हैं। वे जुड़ाव की इस डिजिटल जुगाली में इतने विभोर थे कि दूर कहीं बजती एम्बुलेंस की आवाज उन्हें किसी बैकग्राउंड म्यूजिक जैसी लग रही थी।

सॉकेट पर चार्जर ऐसे लटके थे जैसे दशाश्वमेध घाट पर मन्नत के कलावा। बिजली की हर तरंग के साथ पुण्य का मीटर बढ़ रहा था। पंडित जी ने देखा, शुद्ध सनातनी सखा वाले ग्रुप में सन्नाटा है। उन्होंने फौरन एक फोटो डाली- ओस की ऐसी बूंद कि स्क्रीन भीग जाए। नीचे लिखा- अपनों का संचय करें, समय बालू की तरह फिसल रहा है। लिखते ही उन्हें जो ब्रह्मानंद मिला, लगा जैसे साक्षात मोक्ष का द्वार उनके लिए खुल गया है। तभी कल्लू फिर आया, चेहरा एकदम भभका हुआ। बाबा, बुआ का फिर फोन आया था। कह रही थीं कि फुआ अब कुछ बोल नहीं रही हैं। आप बड़े भाई हैं, एक बार वहां चले जाते तो... पंडित जी झल्ला गए, अरे काहे पैनिक फैला रहे हो बे? ये देखो, हमने ग्रुप में डाल दिया है कि चिंता चिता समान है। सब ओम लिख रहे हैं। तू भी लिख, पुण्य मिलेगा। और सुनो, ये फोटो देखो, इसमें गेंदे का फूल इतना असली है कि सुगंध सीधे आत्मा तक जाएगी। कल्लू ने कांपते हाथों से अपना फोन देखा। वहां उसकी बुआ के संदेश के ऊपर सुप्रभात के चमकीले पीले फूलों का ढेर लग चुका था।

संवेदनाएं आउटसोर्स हो चुकी थीं। पंडित जी मंद-मंद मुस्कुराए, देख, सबने प्रणाम वाला इमोजी भेजा है। अब फुआ को कुछ नहीं हो सकता। मॉडर्न काल है लल्ला, यहाँ यमराज भी बिना डेटा के नहीं आते।रात गहरा गई। दीनानाथ ने शुभरात्रि का ऐसा बम फेंका कि ग्रुप के आधे लोग पापबोध से मर जाएं कि वे अभी तक सोए क्यों नहीं। खुद दो घंटे तक जागकर ये कुंडली खंगालते रहे कि किसने सीन किया और किसने इग्नोर। धत तेरे की... ये मिश्रा जी ने अभी तक ब्लू टिक नहीं दिया? कल ही अहंकार का विनाश वाली रील भेजूंगा इनको। अंधेरे कमरे में मोबाइल की नीली रोशनी उनके चेहरे को किसी शव की तरह धवल कर रही थी। तभी उनके फोन पर बुआ की तरफ से एक मिस्ड कॉल आई, फिर सब सन्न हो गया। पंडित जी को लगा शायद नेटवर्क चला गया। उन्होंने फोन झकझोरा। अरे कल्लू, ज़रा देखो तो राउटर की बत्ती जल रही है क्या? इंटरनेट मर गया तो समझो हम भी मर गए। कोई जवाब नहीं आया। दीनानाथ को क्रोध आया। उन्होंने ग्रुप पर मैसेज डाला-आलस्य मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है। खुद की लिखी दर्शन की गहराई पर वे खुद ही लट्टू हो गए। उनकी उंगलियां अब भी चल रही थीं, भले ही कई मील दूर एक हृदय की धड़कनें एकदम सुस्त पड़ चुकी थीं। उन्हें दृढ़ विश्वास था कि अगर वे एक पल के लिए भी डिस्कनेक्ट हुए, तो यह सृष्टि उनके बिना चलना बंद कर देगी।

अंगारक चतुर्थी व्रत मंगलवार को

गणेश जी के साथ ही हनुमान जी और मंगल ग्रह की पूजा का शुभ योग

आज मंगलवार, 5 मई को ज्येष्ठ कृष्ण चतुर्थी है। ये व्रत घर-परिवार में सुख-समृद्धि बनाए रखने की कामना से किया जाता है। मंगलवार को चतुर्थी होने से इसे अंगारक चतुर्थी व्रत भी कहा जाता है। इस योग में गणेश जी के साथ ही हनुमान जी और मंगल ग्रह की भी विशेष पूजा करनी चाहिए।

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, चतुर्थी तिथि के स्वामी गणेश जी हैं। चतुर्थी तिथि पर ही गणेश जी ने अवतार लिया था। हिन्दी पंचांग के एक महीने में दो चतुर्थियां आती हैं, एक कृष्ण पक्ष में और दूसरी शुक्ल पक्ष में। गणेश जी के भक्त इन दोनों चतुर्थियों पर व्रत करते हैं। इस व्रत में भक्त दिनभर निराहार रहते हैं और शाम को चंद्र दर्शन के बाद गणेश पूजा करके व्रत पूरा करते हैं।

गणेश पूजा की सरल विधि

घर के मंदिर में गणेश जी की प्रतिमा स्थापित करें। भगवान को जल, दूध और फिर जल से स्नान कराएं। हार-फूल और वस्त्रों से श्रृंगार करें। चंदन का तिलक लगाएं। दूर्वा, चावल, जनेऊ सहित अन्य पूजन सामग्री अर्पित करें। लड्डू, दूध से बनी मिठाई और फलों का भोग लगाएं।

गणेश जी के 12 नाम वाले मंत्रों का जप कम से कम 108 बार करें। गणेश जी के मंत्र- ऊँ सुमुखाय नमः, ऊँ एकदंताय नमः, ऊँ कपिलाय नमः, ऊँ गजकर्णाय नमः, ऊँ लंबोदराय नमः, ऊँ विकटाय नमः, ऊँ विघ्ननाशाय नमः, ऊँ विनायकाय नमः, ऊँ धूम्रकेतवे नमः, ऊँ गणाध्यक्षाय नमः, ऊँ भालचंद्राय नमः, ऊँ गजाननाय नमः।

धूप-दीप जलाकर गणेश जी की आरती करें। अंत में भगवान से जानी-अनजानी गलतियों के लिए क्षमा याचना करें। पूजा के बाद प्रसाद बांटें और खुद भी लें।

मंगलवार का कारक ग्रह है मंगल

ज्योतिष में मंगल ग्रह को ग्रहों का सेनापति माना गया है। यह ग्रह मेष और वृश्चिक राशि का स्वामी है। मंगलवार का कारक ग्रह भी मंगल ही है। अंगारक चतुर्थी पर सबसे पहले गणेश जी की पूजा करें। गणेश जी के बाद मंगल ग्रह की पूजा करें।

मंगल ग्रह की पूजा शिवलिंग रूप में की जाती है। इसलिए शिवलिंग का अभिषेक करें। बिल्व पत्र, धतूरा, आंकड़े के फूल के साथ ही लाल फूल भी चढ़ाना चाहिए। मंगल देव का ध्यान करते हुए शिवलिंग पर लाल गुलाल चढ़ाएं। मंगल देव की भात पूजा खासतौर पर की जाती है। भात पूजा में शिवलिंग का पके हुए चावल से श्रृंगार करना चाहिए। ऊँ अं अंगारकाय नमः मंत्र का जप करते हुए शिव पूजा करें।

जिन लोगों की कुंडली मंगल ग्रह से संबंधित दोष हैं, उन्हें मंगलवार को लाल मसूर का दान करना चाहिए।

मंगलवार को हनुमान जी के सामने दीपक जलाकर हनुमान चालीसा या सुंदरकांड का पाठ करना चाहिए। मंगलवार को ही हनुमान जी का अवतार हुआ था, इस वजह से हर मंगलवार हनुमान जी की विशेष पूजा की जाती है।

प्रेरक कथा: चमत्कारी घड़ा और गरीब व्यक्ति का लालच

जल्दबाजी में किए गए काम जोखिम भरे होते हैं; हमेशा धैर्य बनाए रखें, तभी सफलता लंबे समय तक टिकेगी

एक लोक कथा है। पुराने समय की बात है, एक व्यक्ति अपनी गरीबी से बहुत दुखी था। उसे लगा कि जीवन में अब कुछ नहीं बचा, इसलिए उसने नदी में कूदकर अपनी जान देने की कोशिश की। उसी समय वहां से एक संत गुजर रहे थे। उन्होंने तुरंत नदी में छलांग लगाई और उस व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। जब व्यक्ति को होश आया, तो संत ने उससे पूछा, ₹तुमने ऐसा कदम क्यों उठाया? व्यक्ति ने रोते हुए अपनी गरीबी और दुखों की कहानी सुनाई। संत को उस पर दया आ गई। उन्होंने कहा, ₹मेरे पास एक चमत्कारी घड़ा है। तुम इससे जो मांगोगे, वह तुम्हें मिल जाएगा। मैं यह घड़ा तुम्हें दे सकता हूं, लेकिन मेरी एक शर्त है। संत ने कहा कि तुम्हारे पास दो विकल्प हैं।

पहला विकल्प- दो साल की सेवा: अगर तुम दो साल मेरी सेवा करोगे, तो मैं तुम्हें यह घड़ा दे दूंगा।

दूसरा विकल्प- पांच साल की सेवा: अगर तुम पांच साल सेवा करोगे, तो मैं तुम्हें यह घड़ा बनाने की विधि भी सिखा दूंगा।

संत ने एक चेतावनी भी दी- अगर यह घड़ा कभी टूट गया, तो इससे मिली सारी सुख-सुविधाएं तुरंत गायब हो जाएंगी।

उस व्यक्ति को बहुत जल्दी अमीर बनना था, इसलिए उसने दो साल वाला विकल्प चुना। उसने दो सालों तक मन लगाकर सेवा की और समय पूरा होने पर महात्मा से घड़ा लेकर अपने घर आ गया। घड़े के चमत्कार से उसने बड़ा महल, कीमती कपड़े और बहुत सारा धन प्राप्त कर लिया।

अचानक मिली अमीरी ने उसे अहंकारी और लापरवाह बना दिया। उसे बुरी लतें लग गईं और वह नशा करने लगा। एक दिन नशे की हालत में वह घड़े को सिर पर रखकर नाच रहा था, तभी अचानक घड़ा हाथ से छूटकर गिर गया और टूट गया। घड़ा टूटते ही उसका महल, धन और सब कुछ गायब हो गया। वह फिर से पहले जैसा गरीब हो गया। अब उसे पछतावा हो रहा था कि काश उसने धैर्य रखा होता और पांच साल सेवा करके घड़ा बनाने की कला सीख ली होती, तो आज उसे दर-दर न भटकना पड़ता।

कहानी की सीख- जल्दबाजी का परिणाम बुरा होता हैः उस व्यक्ति ने जल्दी के चक्कर में केवल घड़ा मांगा, उसे बनाने का हुनर नहीं। जीवन में जल्दबाजी में किए गए काम हमेशा जोखिम भरे होते हैं। हमेशा टिकाऊ सफलता की राह चुननी चाहिए।

हुनर संपत्ति से बड़ा है: धन या संसाधन कभी भी नष्ट हो सकते हैं, लेकिन जो कला या हुनर आप सीख लेते हैं, वह जीवन भर आपके साथ रहता है। घड़ा एक उपहार था, लेकिन उसे बनाना एक योग्यता थी। योग्यता पर ध्यान देना चाहिए।

धैर्य सफलता की कुंजी है: यदि वह व्यक्ति तीन साल और धैर्य रखता, तो वह खुद घड़ा बनाने का मालिक बन जाता। सफलता के लिए धैर्य रखना बहुत जरूरी है।

सफलता को संभालना सीखें: धन आना बड़ी बात नहीं है, धन को सही ढंग से संभालना और उसका सदुपयोग करना बड़ी बात है। गलत आदतों और नशे ने व्यक्ति का सब कुछ छीन लिया। सफलता मिलने के बाद हमें और ज्यादा सतर्क हो जाना चाहिए। लापरवाही और अहंकार से जैसी बुराइयों से दूर रहना चाहिए।

अनुशासन का महत्व: जब तक वह व्यक्ति महात्मा की सेवा में था, वह अनुशासित था। सुख मिलते ही उसने अनुशासन छोड़ दिया। बिना अनुशासन के प्राप्त की गई सफलता स्थायी नहीं होती।

मुश्किलों से भागना समाधान नहींः कहानी की शुरुआत में व्यक्ति आत्महत्या करने चला था। यह सही नहीं है। संत ने उसे सिखाया कि मेहनत और सेवा से भाग्य बदला जा सकता है, जान देकर नहीं। हमें भी मेहनत पर ध्यान देना चाहिए।

अहंकार पतन का कारण है: धन मिलने के बाद व्यक्ति का व्यवहार बदल गया। अहंकार और लापरवाही इंसान की बुद्धि हर लेते हैं, जिससे वह अपना ही नुकसान कर बैठता है।

आत्मनिर्भर बनें: दूसरों के दिए हुए चमत्कारी घड़ों (दूसरों की मदद) पर निर्भर रहने के बजाय खुद को इस काबिल बनाएं कि आप अपनी जरूरतें खुद पूरी कर सकें। जीवन में जब भी आपको दो रास्तों में से एक चुनना हो, एक जो आसान और छोटा हो और दूसरा जो कठिन, लेकिन कुछ सिखाने वाला हो, तो हमेशा सीखने वाले रास्ते को चुनें। ऐसे रास्ते पर चलकर मिली सफलता लंबे समय तक टिकती है।

तनाव से दूर रहें, सकारात्मक सोच और सही संकल्प से जीवन में उपलब्धियां मिलती हैं

सकारात्मक विचार और मजबूत संकल्प की मदद से सफलता जरूर मिलती है। सही सोच रखने से जीवन में उपलब्धियां और प्रकृति का आशीर्वाद मिलने लगता है। हमेशा सकारात्मक और प्रसन्न रहें। मन के भीतर छिपे डर, भ्रम, शक और बेचैनी को दूर करें। तनाव से दूर रहकर ही हम अदृश्य शक्तियों का लाभ उठा सकते हैं। जब हमारा मन शांत और सकारात्मक होता है, तो पूरी प्रकृति हमारी मदद के लिए तैयार हो जाती है। इसलिए, अच्छी सोच के साथ आगे बढ़ें।

-स्वामी अवधेशानंद जी गिरि

नौतपा में क्यों सूना हो जाता है शहर? नौतपा क्या है और क्यों पड़ती है इतनी तेज गर्मी?

गर्मी का नाम सुनते ही पसीना छूटने लगता है, लेकिन जब बात नौतपा की हो, तो हालात कुछ अलग ही हो जाते हैं। हर साल मई-जून के बीच आने वाला यह दौर सिर्फ तापमान नहीं बढ़ाता, बल्कि लोगों की दिनचर्या तक बदल देता है। कई लोग इसे सिर्फ मौसम की मार मानते हैं, तो कुछ इसे ज्योतिष से जोड़कर देखते हैं। इस बार भी लोगों के मन में यही सवाल है कि नौतपा कब शुरू होगा और इसका असर कितना पड़ेगा। दिलचस्प बात यह है कि नौतपा को लेकर पुराने समय से ही कई मान्यताएं चली आ रही हैं, जिनका असर आज भी लोगों की सोच और जीवनशैली में दिखता है।

कब से कब तक रहेगा नौतपा?

-ज्योतिषाचार्य डॉ। गौरव कुमार दीक्षित के अनुसार, साल 2026 में नौतपा की शुरुआत 25 मई से होगी और यह 2 जून तक चलेगा। ये पूरे नौ दिन ऐसे होते हैं, जब सूरज अपनी पूरी ताकत के साथ धरती को तपाता है। इस दौरान तापमान तेजी से बढ़ता है और दोपहर के समय बाहर निकलना किसी चुनौती से कम नहीं लगता।

-अगर आपने ध्यान दिया हो, तो इस समय सड़कों पर सन्नाटा सा छा जाता है। लोग जरूरी काम भी सुबह या शाम के समय ही निपटाना पसंद करते हैं। खास बात यह है कि इन नौ दिनों के दौरान अगर बारिश हो जाती है, तो इसे नौतपा का टूटना माना जाता है और इसका असर आने वाले मानसून पर भी पड़ सकता है।

क्या है नौतपा का ज्योतिषीय महत्व?

-सूर्य और रोहिणी नक्षत्र का संबंध ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, नौतपा का सीधा संबंध सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश से होता है। इस दौरान सूर्य लगभग 15 दिनों तक रोहिणी नक्षत्र में रहते हैं। रोहिणी नक्षत्र का स्वामी चंद्रमा होता है, जो शीतलता का प्रतीक माना जाता है।

-लेकिन जब सूर्य इस नक्षत्र में प्रवेश करते हैं, तो वे उसकी शीतलता को खत्म कर देते हैं। यही वजह है कि इन दिनों गर्मी अपने चरम पर पहुंच जाती है। कई ज्योतिषी मानते हैं कि अगर नौतपा के दिन पूरी तरह तपते हैं, तो मानसून अच्छा रहता है।

मौसम और मानसून का संकेत

गांवों में आज भी बुजुर्ग नौतपा के आधार पर मानसून का अनुमान लगाते हैं। अगर इन दिनों तेज गर्मी पड़ती है, तो इसे अच्छी बारिश का संकेत माना जाता है। वहीं अगर बीच में बादल छा जाएं या बारिश हो जाए, तो लोग इसे कमजोर मानसून का संकेत समझते हैं।

नौतपा के दौरान क्या करें?

– दिनचर्या में छोटे बदलाव नौतपा के दौरान सबसे जरूरी है अपनी दिनचर्या को थोड़ा बदलना। सुबह जल्दी उठना, हल्का और ठंडा भोजन करना, और ज्यादा से ज्यादा पानी पीना-ये छोटे-छोटे कदम आपको इस भीषण गर्मी से बचा सकते हैं।

धार्मिक और ज्योतिषीय उपाय

ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार, नौतपा में सूर्यदेव को प्रसन्न करने के लिए कुछ उपाय किए जाते हैं। जैसे रोज सुबह स्नान के बाद तांबे के लोटे से सूर्य को जल अर्पित करना। इसके अलावा 'आदित्य हृदय स्तोत्र' और सूर्य गायत्री मंत्र का जाप करना भी शुभ माना जाता है।

दान और सेवा का महत्व

इस दौरान जरूरतमंदों को पानी, गुड़, घी, गेहूं और लाल कपड़े का दान करना पुण्यदायी माना जाता है। खासकर पक्षियों के लिए पानी रखना एक छोटी सी आदत है, लेकिन इसका बड़ा असर होता है। कई लोग अपने घर की छत या बालकनी में पानी के बर्तन रखते हैं, जिससे पक्षियों को राहत मिलती है।

आम जीवन पर असर

नौतपा का असर सिर्फ तापमान तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को भी प्रभावित करता है। स्कूलों की छुट्टियां इसी समय होती हैं, बाजारों का समय बदल जाता है और लोग घर के अंदर रहना ज्यादा पसंद करते हैं। शहरों में जहां एसी और कूलर का सहारा मिलता है, वहीं गांवों में लोग पेड़ों की छांव और मिट्टी के घरों से ही राहत पाने की कोशिश करते हैं। यही वजह है कि नौतपा हर किसी के लिए अलग-अलग अनुभव लेकर आता है।

नौतपा सिर्फ गर्मी का एक दौर नहीं है, बल्कि यह प्रकृति और ज्योतिष के बीच के गहरे संबंध को भी दर्शाता है। यह समय हमें न सिर्फ अपनी दिनचर्या बदलने का मौका देता है, बल्कि पर्यावरण और जरूरतमंदों के प्रति जिम्मेदारी निभाने की भी याद दिलाता है।

चाणक्य नीति से समझें ये 5 काम जो कभी नहीं टालते सफल लोग!

समय पर काम पूरा करना ही असली गेम चेंजर

जरूरी काम को तुरंत निपटाना सफल लोगों की एक खास आदत होती है-वे जरूरी काम को टालते नहीं, अगर कोई काम जरूरी है, तो उसे उसी समय पूरा करना उनकी प्राथमिकता होती है। आपने भी देखा होगा कि जब हम छोटे-छोटे काम टालते रहते हैं, तो वही बाद में बड़ा बोझ बन जाते हैं।

उदाहरण के तौर पर, अगर आप रोज के छोटे काम जैसे बिल पेमेंट या ऑफिस का जरूरी टास्क समय पर नहीं करते, तो धीरे-धीरे ये तनाव बढ़ा देता है। सफल लोग इस जाल में नहीं फंसते।

सीखने का मौका कभी नहीं छोड़ते

आज के समय में जो सीख रहा है, वही आगे बढ़ रहा है। सफल लोग इस बात को अच्छे से समझते हैं। वे नई स्किल सीखने या अपने ज्ञान को बढ़ाने में देरी नहीं करते। मान लीजिए किसी को नई टेक्नोलॉजी सीखनी है, तो वह यह नहीं सोचता कि "अगले महीने देखेंगे।" वह तुरंत शुरुआत करता है। यही आदत उसे दूसरों से आगे ले जाती है।

मेहनत और सुधार से बनती है सफलता

मेहनत से भागना नहीं, उसे अपनाना कई लोग काम को देखकर ही घबरा जाते हैं और उसे टाल देते हैं। लेकिन सफल लोग ऐसा नहीं करते। वे जानते हैं कि मेहनत ही सफलता का रास्ता है, अगर कोई काम मुश्किल है, तो वे उससे बचने के बजाय उसे चुनौती की तरह लेते हैं। यही सोच उन्हें खास बनाती है। आलस और टालमटोल की आदत धीरे-धीरे इंसान को पीछे धकेल देती है।

गलतियों को तुरंत सुधारना जरूरी

गलती हर किसी से होती है, लेकिन फर्क इस बात से पड़ता है कि आप उसे कब सुधारते हैं। सफल लोग अपनी गलतियों को नजरअंदाज नहीं करते। जैसे ही उन्हें अपनी गलती का एहसास होता है, वे उसे सुधारने में लग जाते हैं। वहीं, जो लोग इसे टालते हैं, उनकी छोटी गलती बाद में बड़ी समस्या बन जाती है। रियल लाइफ में भी देखें तो कई बार छोटी-सी लापरवाही बड़ी परेशानी खड़ी कर देती है।

मौके को पहचानना ही असली समझदारी

मौका मिलते ही तुरंत एक्शन लेना जिंदगी में मौके बार-बार नहीं आते। ये बात सफल लोग अच्छे से जानते हैं। इसलिए जब भी उन्हें कोई अच्छा मौका दिखता है, वे बिना देर किए उस पर काम शुरू कर देते हैं। उदाहरण के लिए, अगर किसी को नया बिजनेस शुरू करने का आइडिया आता है, तो वह उसे तुरंत प्लान करता है। वहीं, जो लोग सोचते रहते हैं, वे अक्सर मौका खो देते हैं।

याद रखिए, सही समय पर लिया गया फैसला ही आपको भीड़ से अलग बनाता है।

अगर आप भी जिंदगी में आगे बढ़ना चाहते हैं, तो टालमटोल की आदत को छोड़ना ही होगा। छोटे-छोटे बदलाव ही बड़े रिजल्ट देते हैं। जरूरी काम, सीखना, मेहनत, सुधार और मौके-इन पांच चीजों पर अगर आपने ध्यान देना शुरू कर दिया, तो सफलता खुद आपकी तरफ आने लगेगी।

चित्तौडगढ़ में प्रकृति 24 घंटे करती है शिवलिंग का जलाभिषेक

राजस्थान की धरती अपने इतिहास, किलों और वीरता की कहानियों के लिए जितनी मशहूर है, उतनी ही यहां की आस्था और रहस्यमयी धार्मिक जगहों के लिए भी जानी जाती है। इन्हीं में से एक बेहद खास और लोगों को आकर्षित करने वाली जगह है चित्तौड़गढ़ किले में स्थित गौमुख कुंड महादेव मंदिर। यह मंदिर सिर्फ पूजा-पाठ का स्थान नहीं है, बल्कि ऐसा अनुभव देता है जहां आस्था, प्रकृति और रहस्य एक साथ मिलते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस मंदिर में दर्शन करने मात्र से ही सभी इच्छाएं पूरी हो जाती हैं और हर परेशानी से मुक्ति मिलती है।

किले के अंदर अद्भुत अनुभव

चित्तौड़गढ़ किला वैसे ही भारत के सबसे बड़े और ऐतिहासिक किलों में से एक माना जाता है। इसकी दीवारों में कई युद्धों, बलिदानों और शौर्य की कहानियां छिपी हुई हैं। लेकिन इसी किले के भीतर एक ऐसा स्थान भी है, जो पूरी तरह अलग अनुभव देता है। जब आप किले के अंदर गहराई में स्थित इस मंदिर की ओर बढ़ते हैं, तो माहौल धीरे-धीरे बदलने लगता है। शोर-शराबा पीछे छूट जाता है और एक शांत, ठंडी और रहस्यमयी हवा आपका स्वागत करती है।

गौमुख से होता है शिवलिंग का अभिषेक

गौमुख कुंड महादेव मंदिर की सबसे बड़ी खासियत है यहां का शिवलिंग, जिस पर साल के पूरे 12 महीने लगातार जलाभिषेक होता रहता है। यह जल किसी व्यक्ति द्वारा नहीं चढ़ाया जाता, बल्कि एक पत्थर की संरचना से निकलता है जिसका आकार गाय के मुख जैसा है। इसी वजह से इसे गौमुख कहा जाता है। इस पत्थर के मुख से पानी की एक पतली लेकिन लगातार बहती धारा सीधे शिवलिंग पर गिरती रहती है।

कहां से आता है पानी कोई नहीं जानता

कहा जाता है कि यह जलधारा कभी रुकती नहीं है। चाहे गर्मी हो, सर्दी हो या बारिश, यह पानी लगातार बहता रहता है। इसी कारण लोग इसे सिर्फ एक प्राकृतिक घटना नहीं मानते, बल्कि इसे आस्था और चमत्कार से जोड़कर देखते हैं। हालांकि, कई लोग कहते हैं कि यह जल किसी भूमिगत स्रोत से आता है, लेकिन आज तक यह पूरी तरह साफ नहीं हो पाया है कि यह पानी आखिर लगातार आता कहां से है और कैसे बहता रहता है।

मंदिर में गहरी शांति

मंदिर तक पहुंचने के लिए किले के अंदर कुछ सीढ़ियां और संकरी राहें पार करनी पड़ती हैं। यह रास्ता थोड़ा कठिन जरूर है, लेकिन जैसे-जैसे आप नीचे उतरते हैं, वैसे-वैसे आपको लगता है कि आप किसी और ही दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं। ऊपर की दुनिया की भागदौड़ और शोर धीरे-धीरे पीछे छूट जाता है और एक गहरी शांति आपके आसपास फैल जाती है। मंदिर में आपको ऐसा अनुभव मिलेगा, जिसे आप शब्दों में बंया नहीं कर पाएंगे।

सच्चा प्यार क्या होता है ? स्वामी रामतीर्थ ने बताया सच्चे प्यार का असली अर्थ

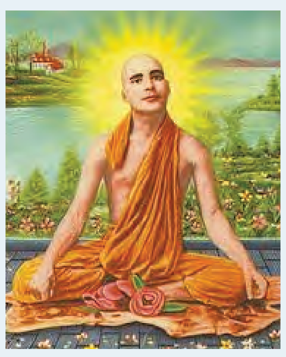

स्वामी रामतीर्थ उन दिनों अमरीका में भ्रमण कर रहे थे। इस दौरान उनसे मिलने एक महिला आई। वह चली तो गई थी , पर दुख के चलते वह कुछ बोल पाने में असमर्थ थी। इन क्षणों में रामतीर्थ भी उससे कुछ बोले नहीं, बस करुणापूर्ण नेत्रों से उसकी ओर देखते रहे। उनकी यह करुणापूर्ण दृष्टि उस महिला को छू गई। उसका जमा हुआ दुख पिघल उठा और आंखों से आंसू बह निकले। कुछ देर तक वह रोती रही।

स्वामी रामतीर्थ उसे स्नेह भाव से निहारे जा रहे थे। भरे गले से उसने अपनी दुख भरी कहानी सुनाई, जिसका सार था कि वह प्रेम में छली गई थी। उसकी बातें सुनने के बाद रामतीर्थ बोले, बहन, यहां हर कोई अपनी क्षमता के अनुसार ही बर्ताव करता है। जिसके पास जितनी शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक जरूरत है, वह उसी के अनुसार व्यवहार करने के लिए विवश है। जिनकी भावनाएं स्वार्थ एवं कुटिलता से भरी हैं, वे तो बस क्षमा के पात्र हैं।

महिला का अगला प्रश्न था, तब क्या जीवन में सच्चा प्रेम पाना असंभव है? नहीं, ऐसा नहीं है। स्वामी रामतीर्थ ने कहा, "सच्चा प्रेम मिलता है, पर उन्हें जो सच्चा प्रेम करना जानते हैं। महिला ने कहा, "मेरा प्रेम भी तो सच्चा था। रामतीर्थ बोले- नहीं बहन, तुम्हारे प्रेम में स्वार्थ की झलक दिख रही थी। सच्चा प्रेम तो सेवा, करुणा एवं श्रद्धा के रूप में ही प्रकट होता है। रामतीर्थ की बातों का अर्थ उस की समझ में आ गया। वह समझ गई कि प्रेम में शर्तें नहीं होतीं। इसके बाद वह एक अस्पताल में नर्स बन गई।

विजय का लेडी लक : जिसके बर्थडे पर चुनाव जीते

तमिलनाडु का रिजल्ट आते ही विजय के घर पहुंचीं तृषा

एक्टर थलापति विजय ने तमिल राजनीति में हीरो की तरह एंट्री की है। उनकी पार्टी TVK ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में 100 से ज्यादा सीटों पर बढ़त हासिल कर ली है। यानी विजय का CM बनना लगभग तय है।

51 साल के विजय आज तमिल फिल्मों के सबसे बड़े स्टार हैं तो तृषा कृष्णन क्वीन ऑफ साउथ इंडिया कही जाती हैं। दोनों करीब 5 फिल्मों में साथ नजर आए हैं, जिनमें से 2023 में रिलीज सुपरहिट फिल्म लियो भी शामिल है। यह वही वक्त था जब विजय की पत्नी संगीता सोर्नालिंगम तलाक के लिए कोर्ट में लड़ाई लड़ रही थीं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, संगीता सोर्नालिंगम ने अपनी तलाक याचिका में पति विजय पर एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का आरोप लगाया था। हालांकि, उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया था। विजय और संगीता ने 1999 में शादी की थी। दोनों के 2 बच्चे हैं।

विजय ने हाल ही में तलाक अनाउंस करने के बाद तृषा के साथ पब्लिक अपीयरेंस दी।

आज जब तमिलनाडु विधानसभा चुनाव का रिजल्ट आ रहा है, आज ही तृषा अपना जन्मदिन मना रही हैं। तृषा सुबह सबसे पहले तिरुमला मंदिर गईं और दोपहर होते-होते विजय के घर पहुंच गईं। साउथ मीडिया पोर्टल की रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि चुनाव के नतीजे आने के बाद दोनों शादी की घोषणा कर सकते हैं। हालांकि इस दावे की पुष्टि नहीं करता। 43 साल की तृषा आज साउथ की सबसे कामयाब एक्ट्रेसेस में शामिल हैं। इस खास मौके पर जानिए, उनके क्वीन ऑफ साउथ बनने और थलापति से नाम जुड़ने की पूरी कहानी-

4 मई 1983 में तृषा कृष्णन का जन्म तमिलनाडु के मद्रास के पलक्कड़ अय्यर परिवार में हुआ। स्कूलिंग के बाद उन्होंने चेन्नई से कॉलेज की पढ़ाई की। कॉलेज के दिनों में तृषा ने मॉडलिंग करना शुरू की। उन्होंने मिस सालेम ब्यूटी कॉन्टेस्ट और फिर मिस चेन्नई का खिताब जीता। उन्होंने 2001 में फेमिना मिस इंडिया में भी पार्टिसिपेट किया, जिसमें फाइनलिस्ट रहते हुए उन्होंने ब्यूटीफुल स्माइल का टैग हासिल किया।

तृषा ने तमिल फिल्म जोड़ी (1999) में साइड कैरेक्टर निभाकर एक्टिंग करियर की शुरुआत की। साल 2000 में तृषा फाल्गुनी पाठक के हिट म्यूजिकल एल्बम के गाने मेरी चूनर उड़-उड़ जाए में आएशा टाकिया के साथ नजर आई थीं।

तृषा कृष्णन क्रिमिनल साइकोलॉजी पढ़ना चाहती थीं, लेकिन जब हेरा फेरी, भूल भुलैया बनाने वाले डायरेक्टर प्रियदर्शन ने उन्हें फिल्म लेसा लेसा (2003) मेजर रोल दिया, तो उन्होंने पढ़ाई अधूरी छोड़ एक्टिंग करियर में फोकस करने का फैसला कर लिया। तमिल इंडस्ट्री में पहचान बनाने के बाद उन्होंने 2004 में फिल्म वर्षम से तेलुगु सिनेमा में डेब्यू किया। इस फिल्म में वो प्रभास के साथ नजर आई थीं।

2005-06 में तृषा की एक साथ 12 फिल्में रिलीज हुईं, जिनमें से ज्यादा हिट रहीं। इनमें से थिरुपाची ब्लॉकबस्टर रही। वहीं इसी समय आई उनकी एक्टर सिद्धार्थ के साथ आई रोमांटिक ड्रामा फिल्म नुवोस्तानांते नेनोद्दंताना भी कमर्शियली हिट रही।

आगे तृषा ने लगातार हिट देते हुए इंडस्ट्री में मजबूत पकड़ बनाई। वो आज भी साउथ की हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस हैं, जिनकी आने वाले सालों में 3 बड़ी फिल्में करुप्पू, विश्वंभरा और राम रिलीज होने वाली हैं।

2010 में अक्षय कुमार के साथ किया बॉलीवुड डेब्यू

तृषा कृष्णन ने 2010 में रिलीज हुई फिल्म खट्टा मीठा से बॉलीवुड डेब्यू किया था। तृषा को करियर का पहला ब्रेक देने वाले प्रियदर्शन ने इसे डायरेक्ट किया था। इसमें वो अक्षय कुमार के साथ नजर आई थीं। शुरुआत में इस फिल्म को मिले-जुले रिव्यू मिले थे। ये तृषा के करियर की इकलौती हिंदी फिल्म है। ये फिल्म हिट रही, लेकिन फिर तृषा ने बॉलीवुड में काम नहीं किया।

25 साल के करियर में तृषा ने करीब 70 फिल्में की हैं, जिनके लिए उन्हें अब तक 5 फिल्मफेयर अवॉर्ड साउथ, तमिलनाडु स्टेट फिल्म अवॉर्ड और एक नंदी अवॉर्ड से नवाजा जा चुका है।

रानी मुखर्जी, प्रीति जिंटा को कर चुकी हैं रिप्लेस

बेहतरीन फिल्मों के अलावा तृषा ब्रांड एंडोर्समेंट से भी कमाई करती हैं। तृषा फैंटा इंडिया की एंबेसेडर रही हैं, जिसमें उन्होंने रानी मुखर्जी को रिप्लेस किया था। इसके अलावा स्कूली पेप प्लस के एड से प्रीति जिंटा को भी रिप्लेस कर चुकी हैं। इनके अलावा उन्होंने एक फेयरनेस क्रीम के एड से एक्ट्रेस असिन को रिप्लेस किया था। वो वोलिनी, जॉय और विवेल साबुन की भी एंबेसेडर रह चुकी हैं।

फिल्में छोड़ने की शर्त रखी तो सगाई तोड़ दी

साउथ इंडस्ट्री में कामयाबी हासिल करने के बाद 23 जनरी 2015 में तृषा कृष्णन की सगाई बिजनेसमैन वरुण मनियन से हुई थी। लेकिन कुछ दिनों बाद ही ये सगाई टूट गई। साउथ मीडिया पोर्टल मनोरमा को दिए इंटरव्यू में तृषा ने सगाई टूटने पर कहा था, मैं जिस इंसान से शादी करना चाहती थी, उसने मेरे सामने एक्टिंग छोड़ने की शर्त रखी थी तो मैंने सगाई तोड़ दी। मैं सिर्फ तब ही फिल्मों से ब्रेक लूंगी, जब मैं प्रेग्नेंट रहूं। अगर मुझे लीड रोल न मिलें, तो मैं कैरेक्टर रोल करूंगी, लेकिन मैं आखिरी सांस तक एक्टिंग करूंगी।

कभी कहा था तलाक पर विश्वास नहीं करती, फिर लगे तलाक करवाने के आरोप

सगाई टूटने के बाद इंडिया ग्लिट्स तमिल को दिए इंटरव्यू में तृषा ने कहा था, मैं तलाक पर विश्वास नहीं करती। मैं कई ऐसे शादीशुदा जोड़ों को जानती हूं जो गलत कारणों से रिश्ते में हैं। वो बेहद नाखुश हैं। वो शादी में हैं सिर्फ बच्चों के लिए। मैं ऐसी शादी नहीं चाहती। मैं सही वक्त और सही पार्टनर के मिलने पर ही शादी करूंगी। मैं प्यार में पड़ना चाहती हूं, शादी मेरे लिए सेकेंड्री है। इसके बाद तृषा का नाम बाहुबली एक्टर राणा दग्गूबाती से जुड़ा। दोनों कुछ सालों तक रिलेशनशिप में रहे, लेकिन फिर दोनों का ब्रेकअप हो गया। हालांकि दोनों ब्रेकअप के बाद भी दोस्त रहे।

संपत्ति के मामले में भी अव्वल विजय; 250 करोड़ तक लेते हैं फिल्म की फीस; जानें नेटवर्थ?

तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के शुरुआती रुझानों ने चौंका दिया है। अभिनेता विजय थलापति की पार्टी सबसे आगे चल रही है। पहली बार ही चुनाव में खड़े हुए विजय थलापति ने तमिलनाडु की राजनीति में भूचाल ला दिया है। उन्होंने पेरम्बूर और त्रिची ईस्ट की सीट से चुनाव लड़ा। आज उनके राजनीति भविष्य की नई कहानी लिखी जाएगी, उससे पहले जानिए अभिनेता विजय कितनी संपत्ति के मालिक हैं? अपनी संपत्ति की ब्यौरा उन्होंने चुनावी हलफनामे में दिया था।

600 करोड़ रुपये से ज्यादा की कुल संपत्ति

टीवीके प्रमुख विजय ने अपने चुनावी हलफनामे में लगभग 603.20 करोड़ रुपये की कुल संपत्ति घोषित की थी। रिटर्निंग ऑफिसर को सौंपे गए हलफनामे में अभिनेता-राजनेता ने बताया कि उनके पास 404.58 करोड़ रुपये की चल संपत्ति है। उनकी अचल संपत्ति करीब 198.62 करोड़ रुपये है, जिसमें कोडाइकनाल में कृषि भूमि और पूरे चेन्नई में व्यावसायिक और आवासीय संपत्तियां शामिल हैं।

कितना कैश है विजय के पास?

विवादित देनदारियों में आकलन वर्ष 2015-16 के लिए 1.50 करोड़ रुपये की राशि शामिल है, जो वर्तमान में आयकर आयुक्त (अपील) और उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है। इसके अलावा आकलन वर्ष 2022-23 के लिए 14.13 लाख रुपये का एक विवाद CIT(A) के समक्ष लंबित है। इसके अलावा विजय की निजी चल संपत्ति में 2 लाख रुपये नकद। वहीं 213 करोड़ रुपये से ज्यादा की धनराशि अलग-अलग खातों में बैंक जमा है। इसके अलावा 2011-12 के लिए लगभग 91.36 लाख रुपये और 2015-16 के लिए 88.96 लाख रुपये शामिल हैं।

महंगी आलीशान गाड़ियां, सोना और चांदी और वार्षिक आमदनी

विजय महंगी गाड़ियों के शौकीन है और उनके पास महंगी गाड़ियों का एक बेड़ा है। इसमें BMW 530, Toyota Lexus, Toyota Vellfire और BMW i7 शामिल हैं, जिनकी कुल कीमत करोड़ों रुपये है। उनके गहनों की जानकारी में 883 ग्राम सोना और 15 लाख रुपये की चांदी की चीजें शामिल हैं। विजय ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपने इनकम टैक्स रिटर्न में कुल 184.53 करोड़ रुपये की आय दिखाई है।

किसी बैंक का बकाया नहीं बाकी

विजय ने बताया कि उन पर बैंकों या वित्तीय संस्थानों का कोई भी बकाया या देनदारी नहीं है। हालांकि, विजय ने कई लोगों और परिवार के सदस्यों को काफी बड़ी रकम बतौर पर्सनल लोन और एडवांस दी है। उन्होंने TVK के महासचिव एन. आनंद को 3 करोड़ रुपये दिए हैं और अपने माता-पिता को भी बड़ी रकम दी है। अपने पिता एस.ए. चंद्रशेखर को 3.02 करोड़ रुपये और अपनी मां शोभा शेखर को 8.71 लाख रुपये का एडवांस दिया है। अन्य बड़े एडवांस में ए.एल.पी. एंटोनियस ब्रिटो और कोकिलाम्बल एजुकेशनल ट्रस्ट को 20-20 करोड़ रुपये, और विद्या चैरिटेबल ट्रस्ट को 5.84 करोड़ रुपये शामिल हैं। विजय ने यह भी बताया है कि उन्होंने अपनी पत्नी संगीता को 12.60 करोड़ रुपये, अपने बेटे जेसन संजय को 8.78 लाख रुपये और अपनी बेटी दिव्या साशा को 4.60 लाख रुपये उधार दिए हैं।

ऐसे समझें कहां कितनी संपत्ति ?

कुल नेटवर्थः लगभग 603.20 करोड़
चल संपत्तिः 404.58 करोड़
अचल संपत्तिः 198.62 करोड़ (चेन्नई और कोड़ाईकनाल में घर/भूमि)
फिल्म फीसः 100 से 250 करोड़ रुपये तक
बैंक बैलेंस/निवेशः 213 करोड़ से अधिक की सेविंग्स कार कलेक्शनः बीएमडब्ल्यू, लैक्सस, टोयोटा वेलफायर, और रोल्स रॉयस सहित लग्जरी कारों का संग्रह

बढ़ती उम्र पर बोले आर माधवन : किसी पर निर्भर होना मेरे लिए नरक जैसा

बॉलीवुड एक्टर आर माधवन ने बढ़ती उम्र, लाइफ प्लानिंग और तेजी से बदलती दुनिया में खुद को रिलेवेंट बनाए रखने की चुनौतियों पर खुलकर बात की है। माधवन का मानना है कि मेडिकल साइंस की वजह से अब लोग पहले से ज्यादा लंबा जीवन जी रहे हैं, लेकिन रिटायरमेंट के बाद आने वाली मुश्किलों के लिए बहुत कम लोग तैयार हैं।

अपनी उम्र के हिसाब से चुन रहे हैं रोल

वरुण दुआ के साथ एक पॉडकास्ट में माधवन ने बताया कि वे अब वही रोल कर रहे हैं जो उनकी असल जिंदगी और उम्र से मेल खाते हैं। अपनी वेब सीरीज 'लेगेसी' का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, मैं ऐसे रोल कर रहा हूं जो मेरी उम्र के हिसाब से सही हैं। पिछली बार की तुलना में अब मेरे बाल पहले से कहीं ज्यादा सफेद हो गए हैं और मैं इसे स्वीकार करता हूं।

90 से 100 साल जीना अब संभव

मेडिकल साइंस में हुए विकास पर बात करते हुए माधवन ने कहा कि लंबी उम्र अब सामान्य होती जा रही है। उन्होंने कहा, अगर आप हेल्दी रहें और अपनी लाइफस्टाइल का ध्यान रखें, तो 90 साल तक जीना अब कोई बड़ी बात नहीं है। अब 100 साल तक जीना भी मुमकिन हो रहा है, लेकिन इसके साथ ही बुढ़ापे की चुनौतियां भी बढ़ गई हैं।

शारीरिक निर्भरता है सबसे बड़ा डर

जब माधवन से उनके सबसे बड़े डर के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने बड़ी बेबाकी से जवाब दिया। एक्टर ने कहा, मेरा सबसे बड़ा डर किसी पर निर्भर होना है, चाहे वो शारीरिक रूप से हो या आर्थिक रूप से। यह स्थिति मेरे लिए नरक से भी बदतर है। मैं अपनी गरिमा और आत्मसम्मान से समझौता नहीं कर सकता। मुझे हमेशा समाज में योगदान देने में सक्षम होना चाहिए।

रिटायरमेंट प्लानिंग पर माधवन की सोच

माधवन ने जीवन के चरणों को समझाते हुए कहा कि पहले 30 साल पढ़ाई और प्लानिंग में बीतते हैं। अगले 30 साल करियर और परिवार बनाने के होते हैं, लेकिन 60 साल की उम्र के बाद एक ठहराव आ जाता है। उन्होंने कहा, 60 के बाद अगले 30 साल के लिए किसी के पास कोई योजना नहीं होती। रिटायरमेंट के बाद अचानक आप अपनी पावर और पहचान खो देते हैं। कल तक आप 'सर' थे, आज सिर्फ एक आम नागरिक हैं। लोग इस बदलाव के मानसिक असर को कम आंकते हैं।

फेक वीडियो फैलाने वालों पर भड़के राहुल रॉय

कहा- सड़कों पर रहने वाला लावारिस नहीं, मेरे पास घर-गाड़ी है, पैसे मांगने वालों पर भरोसा न करें

वायरल वीडियो से सुर्खियों में आए राहुल रॉय को लगातार ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। एक्टर वीडियो पर सफाई दे चुके हैं, इसके बावजूद कई लोग उनका मजाक उड़ा रहे हैं। अब कुछ लोगों ने एक्टर की आर्थिक मदद करने के नाम पर कुछ फेक वीडियो बनाने भी शुरू कर दिए हैं। ये देख एक्टर भड़क गए। उन्होंने हेटर्स और ट्रोलर्स को फटकार लगाते हुए फिर एक बेबाक बयान दिया है।

आगे राहुल रॉय ने लिखा है, 'मेरी समस्या बस इतनी है कि मुझे सादगी से रहना और आसान कपड़े पहनना पसंद है, यह मेरी व्यक्तिगत पसंद है। मैं बॉडीगार्ड नहीं रखता, यह भी मेरी अपनी पसंद है। अगर मैं कभी ऑटो से सफर करता हूं, तो वह आसान और तेज होता है, यह भी मेरा फैसला है। मैंने जो रील्स बनाए, वे सादगी से बनाए थे, किसी चालाकी से नहीं। वह मेरा काम था, कोई आर्थिक मदद नहीं। मैं हमेशा मानता हूं कि काम, काम होता है, यह मेरी सोच है, मेरे फैसले मेरी पसंद हैं।'

मैंने लंबे समय तक अच्छे काम का इंतजार किया- राहुल रॉय

आखिर में राहुल रॉय ने लिखा, 'मैंने लंबे समय तक अच्छे काम का इंतजार किया, लेकिन वह नहीं आया। मैं यूं ही बैठकर अपना समय बर्बाद नहीं कर सकता। और हां, मुझे अपने निजी कोर्ट केसों का भी ध्यान रखना पड़ता है। अगर कोई मेरे नाम पर वीडियो बनाकर यह दावा करता है कि वे मेरी मदद कर रहे हैं या मेरे लिए पैसे मांग रहे हैं, तो कृपया उन पर विश्वास न करें। हमेशा विश्वसनीय स्रोतों से ही जांच करें। मेरे, मेरी बहन, और जीजाजी के अलावा किसी पर भरोसा न करें। और और अब तक मैंने किसी भी न्यूज चैनल, मैगजीन, पॉडकास्ट या यूट्यूबर को कोई इंटरव्यू नहीं दिया है। पॉजिटिव रहें। अगर मुझे कोई अच्छी फिल्म मिलती है, तो आप मुझे फिर फिल्मों में देखेंगे। तब तक मेरे द्वारा किए जा रहे काम में मुझे देखते रहें। मैं जिंदा हूं। राहुल रॉय।'

एक वीडियो से चर्चा में आए राहुल रॉय

राहुल रॉय का एक इन्फ्लूएंसर के साथ वीडियो वायरल हो गया, जिसके बाद कई लोग एक्टर को जमकर ट्रोल करने लगे। ट्रोलिंग के बीच राहुल रॉय ने सफाई में पोस्ट जारी कर कहा कि उन्हें बिल भरने होते हैं और लीगल मैटर्स की देखरेख करनी पड़ती है, जिसके लिए वो हर तरह का काम कर कमाई कर रहे हैं। एक्टर ने ये भी कहा कि अगर कोई वाकई चिंतित है, तो उन्हें अच्छा काम दिलवा दे।

आयुष्मान की फिल्म पर लगे चीटिंग दिखाने के आरोप

एक्टर ने 'पति पत्नी और वो दो' मूवी पर दी सफाई, कहा- यह साफ-सुथरी पारिवारिक फिल्म

आयुष्मान खुराना की अपकमिंग फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' का ट्रेलर रिलीज होते ही विवादों में आ गया है। सोशल मीडिया पर फिल्म पर शादी में धोखाधड़ी को बढ़ावा देने और इसे मजेदार तरीके से दिखाने के आरोप लग रहे हैं। हालांकि, अब ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान आयुष्मान खुराना और रकुल प्रीत सिंह ने इन आरोपों का जवाब दिया है। एक्टर का दावा है कि फिल्म में उनका किरदार 'ग्रीन फ्लैग' है और यह किसी भी तरह की बेवफाई या धोखा देने को प्रमोट नहीं करती है।

शादी में धोखे को बढ़ावा देने का आरोप

फिल्म का टीजर आने के बाद से ही कुछ लोग इस पर सवाल उठा रहे थे। आलोचकों का कहना है कि फिल्म में एक शादीशुदा आदमी का दूसरी औरतों के साथ अफेयर

दिखाना समाज में गलत मैसेज दे सकता है। आरोप है कि ऐसी कहानियों से लोग शादी में पार्टनर को धोखा देने के लिए प्रेरित हो सकते हैं। इसे 'चीटिंग' को ग्लोरिफाई करने वाली फिल्म बताया जा रहा था।

आयुष्मान बोले- मेरा मॉरल कंपास सही

इन आरोपों को खारिज करते हुए आयुष्मान खुराना ने ट्रेलर लॉन्च पर अपनी सफाई दी। उन्होंने कहा, यह फिल्म चार किरदारों की उलझनों के बारे में है। मेरा जो रोल है यानी प्रजापति पांडे, वो पूरी तरह से एक 'ग्रीन फ्लैग' किरदार है। उसका मॉरल कंपास बिल्कुल सही है। हम किसी भी तरह की धोखाधड़ी को बढ़ावा नहीं दे रहे क्योंकि यह एक साफ-सुथरी पारिवारिक फिल्म है। यह सिर्फ एक कॉमेडी ऑफ एरर्स है, जिसमें प्रजापति का किसी के साथ कोई अफेयर नहीं है।

रकुल बोलीं- यह सिर्फ कॉमेडी है

एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने भी आयुष्मान की बात का समर्थन किया। उन्होंने कहा, यह फिल्म गलतफहमियों पर आधारित है। ऐसी सिचुएशन किसी के साथ भी हो सकती है। लोग इससे जरूर रिलेट करेंगे। इसे विवाद के नजरिए से देखने के बजाय मनोरंजन के तौर पर देखा जाना चाहिए। रकुल का मानना है कि फिल्म में कुछ भी ऐसा नहीं है जिससे किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचे।

तीन एक्ट्रेसेस के बीच फंसे आयुष्मान

टीजर में आयुष्मान खुराना 'प्रजापति पांडे' के किरदार में नजर आ रहे हैं। इस बार उनकी लाइफ में कन्फ्यूजन का लेवल काफी ज्यादा है। आयुष्मान एक या दो नहीं, बल्कि तीन महिलाओं के बीच फंसे हुए हैं। फिल्म में सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह लीड रोल में हैं। टीजर में विजय राज एक पुलिस वाले के रोल में दिख रहे हैं, जो कॉमेडी को और बढ़ा रहे हैं। यह फिल्म 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

क्या डेटिंग के बाद शादी करने वाले हैं जान्हवी कपूर और शिखर पहाड़िया? पिता बोनी कपूर ने दिया रिएक्शन

जान्हवी कपूर पिछले कई वर्षों से शिखर पहाड़िया के साथ कई जगहों पर स्पॉट हुई हैं। उन्हें अक्सर मंदिरों में जाते हुए, साथ में डिनर करते हुए और इंडस्ट्री के इवेंट्स में साथ देखा जाता है। सोशल मीडिया पर साथ में उनकी कई तस्वीरें हैं। इस सब बातों ने उनके रिश्ते को लेकर चर्चा को बढ़ा दिया है। इस बीच चर्चा है कि दोनों शादी करने वाले हैं। इस पर जान्हवी कपूर के पिता बोनी कपूर ने रिएक्शन दिया है।

क्या शादी करने वाले हैं जान्हवी और शिखर?

हाल ही में, ऐसी अटकलें सामने आईं कि जान्हवी और शिखर अपने रिश्ते को अगले पड़ाव पर ले जाने की सोच रहे हैं। रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि यह कपल इस साल के आखिर में शादी करने पर विचार कर रहा है। ये अफवाहें सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गईं, जिससे फैंस में काफी उत्साह देखने को मिला।

बोनी कपूर ने अटकलों पर लगाया विराम

इन सभी अटकलों पर जान्हवी के पिता बोनी कपूर ने विराम लगा दिया। उन्होंने कहा, 'नहीं,

यह सच नहीं है।' इस तरह उन्होंने फिलहाल दोनों की शादी को लेकर चल रही सभी चर्चाओं को खारिज कर दिया।

बचपन के दोस्त थे जान्हवी-शिखर

आपको बता दें कि जान्हवी कपूर और शिखर बचपन के दोस्त थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों की दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदली। उनके रिश्ते को लेकर अफवाहें सबसे पहले 2016 में सामने आई थीं, हालांकि दोनों में से किसी ने भी न तो इन अफवाहों की पुष्टि की और न ही इन्हें नकारा।

अलग हो गए थे जान्हवी और शिखर

रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2018 में जान्हवी के बॉलीवुड में डेब्यू करने के कुछ ही समय बाद दोनों अलग हो गए थे। इस बात का जिक्र उन्होंने बाद में 'कॉफी विद करण' शो में भी किया था। हालांकि, बताया जाता है कि 2022 में दोनों फिर से एक हो गए। तब से उनका रिश्ता काफी मजबूत बना हुआ है।

राहुल गांधी से शादी के दावे वाले फर्जी सोशल पोस्ट पर कंगना रनौत का फूटा गुस्सा; बोलीं- 'शर्म आनी चाहिए'

कंगना रनौत अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। वे हर मुद्दे पर मुखर होकर बोलती हैं। उस पर भी बात उनसे जुड़ी फर्जी अफवाहों की हो, तो हर बार वे ट्रोल्स को मुंहतोड़ जवाब देती हैं।

इस बार भी ऐसा हुआ। दरअसल, सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हो रहा है। इसमें कंगना के बारे में अपमानजनक बात लिखी हुई है। इसमें कंगना का नाम राहुल गांधी से जोड़ते हुए आपत्तिजनक फर्जी दावा किया गया है। इस पर कंगना ने रिएक्शन दिया है।

आपत्तिजनक पोस्ट का कंगना ने किया खंडन

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हो रहा है। इसमें कंगना रनौत के नाम से एक

फर्जी कमेंट लिखा है। इसमें एक्ट्रेस के नाम से दावा किया गया है, अगर राहुल गांधी भाजपा से जुड़ते हैं तो मैं उनसे शादी करने को तैयार हूं'। यह पोस्ट जैसे ही कंगना रनौत तक पहुंची, उन्होंने तुरंत इसका खंडन किया है। साथ ही ऐसी अपमानजनक पोस्ट साझा करने वालों को आड़े हाथों लिया है।

कंगना ने लिखा- 'शर्म आनी चाहिए'

कंगना रनौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर यह फर्जी दावे वाला पोस्ट साझा किया है। इसके साथ लिखा है, 'यह फर्जी खबर बेहद घटिया है। राजनीति में भी महिलाओं के लिए कोई गरिमा नहीं बची है। इस तरह की फर्जी खबरें फैलाने वालों को ऐसी हरकतों पर शर्म आनी चाहिए'।

'क्वीन 2' में नजर आएंगी कंगना रनौत

कंगना रनौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर यह फर्जी दावे वाला पोस्ट साझा किया है। इसके साथ लिखा है, 'यह फर्जी खबर बेहद घटिया है। राजनीति में भी महिलाओं के लिए कोई गरिमा नहीं बची है। इस तरह की फर्जी खबरें फैलाने वालों को ऐसी हरकतों पर शर्म आनी चाहिए'। बीते दिनों कंगना ने समाचार एजेंसी एएनआई के साथ एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने 'क्वीन' के सीक्वल पर काम करने की बात कंफर्म की थी। हालांकि, फिल्म से अन्य जरूरी डिटेल्स के बारे में उन्होंने कुछ नहीं बताया। उन्होंने कहा था, 'विकास बहल और मैं साथ आ रहे हैं, लेकिन मैं ज्यादा कुछ नहीं बता सकती। हां, मैं फिर से एक्टिंग कर रही हूं'।

क्या हैं इलेक्ट्रोलाइट्स, क्यों खतरनाक मानी जाती है इसकी कमी?

देश के ज्यादातर हिस्से इन दिनों भीषण गर्मी और लू का प्रकोप झेल रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, सेहत के लिए मुश्किलें भी बढ़ती जाती हैं। अमर उजाला में प्रकाशित रिपोर्ट्स में हमने बताया कि किस तरह से गर्मी बच्चों के लिए बेहद खतरनाक हो सकती है और किस तरह से ये लोगों में किडनी की बीमारियों का कारण बन सकती है।

गर्मी के दिनों में शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) होना काफी आम है। विशेषज्ञ कहते हैं, इस मौसम में सिर्फ पानी पीना ही काफी नहीं है, बल्कि शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स के संतुलन को बनाए रखना बहुत जरूरी है। इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी चक्कर आने, कमजोरी, लो ब्लड प्रेशर जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम बढ़ाने वाली हो सकती है।

इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी और इसके कारण होने वाली समस्याओं को लेकर तो खूब चर्चा होती है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि ये इलेक्ट्रोलाइट्स आखिर होते क्या हैं और ये इतने जरूरी क्यों हैं?

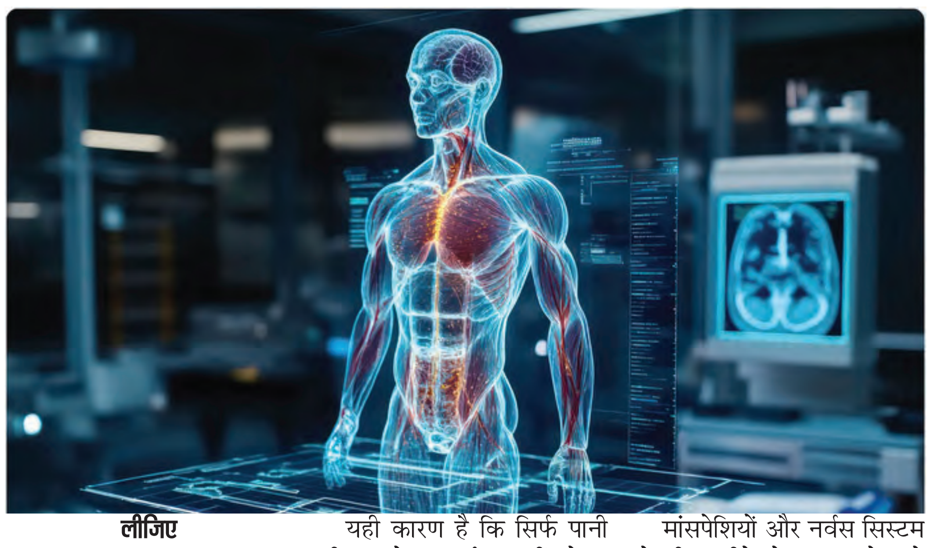

इलेक्ट्रोलाइट्स के बारे में जान लीजिए

इलेक्ट्रोलाइट्स ऐसे मिनरल्स होते हैं जो हमारे शरीर के लगभग हर जरूरी कार्यों को नियंत्रित करते हैं। ये हमारे खून, पसीने और शरीर के तरल पदार्थों में घुले रहते हैं और पानी के साथ मिलकर शरीर के अंदर संतुलन बनाए रखते हैं। सोडियम, पोटैशियम, मैग्नीशियम जैसे जरूरी मिनरल्स इलेक्ट्रोलाइट्स हैं।

गर्मियों में जब शरीर से ज्यादा पसीना निकलता है, तो पसीने के साथ सोडियम, पोटैशियम और अन्य जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स भी शरीर से बाहर निकल जाते हैं।

यही कारण है कि सिर्फ पानी पीना हमेशा पर्याप्त नहीं होता, बल्कि सही इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस बनाए रखना भी उतना ही जरूरी होता है।

अगर यह संतुलन बिगड़ जाए तो शरीर में कमजोरी, चक्कर आना, मांसपेशियों में ऐंठन और दिल की धड़कन भी प्रभावित हो सकती है।

इलेक्ट्रोलाइट्स क्यों जरूरी माना जाता है?

मेडिकल रिपोर्ट्स के मुताबिक इलेक्ट्रोलाइट्स शरीर में कई महत्वपूर्ण कार्य करते हैं।

शरीर में पानी का संतुलन बनाए रखने में इसकी भूमिका होती है।

मांसपेशियों और नर्वस सिस्टम के ठीक तरीके से काम करते रहने के लिए भी ये मिनरल्स जरूरी है।

कैल्शियम और पोटैशियम नर्व सिग्नल्स स्वस्थ रखते हैं, जिससे मांसपेशियां सही तरीके से सिकुड़ती और फैलती हैं।

दिल की धड़कन को नियमित रखने में भी पोटैशियम जैसे मिनरल्स की बड़ी भूमिका होती है।

पोटैशियम की कमी (हाइपोकैलीमिया): पोटैशियम दिल के काम-काज के लिए बहुत जरूरी है। इसकी कमी से दिल की धड़कनों में अनियमितता, मांसपेशियों में कमजोरी, ऐंठन, कब्ज और लकवा हो सकता है।

मैग्नीशियम की कमी (हाइपोमैग्नेसीमिया): इसकी वजह से चिड़चिड़ापन, मांसपेशियों में ऐंठन, स्वभाव में बदलाव, दौरे पड़ने और दिल की धड़कनों में अनियमितता का जोखिम रहता है।

सोडियम की कमी (हाइपोनेट्रेमिया): सोडियम की कमी से तंत्रिका तंत्र से जुड़ी समस्याएं होती हैं। इससे लो बीपी, जी मिचलाने, उल्टी, चक्कर आने, भ्रम और दौरे पड़ने का खतरा रहता है।

इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस कैसे बनाए रखें?

शरीर में इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस बनाए रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहने के साथ मिनरल्स की पूर्ति करते रहना भी जरूरी है।

नारियल पानी, केला, संतरा, तरबूज, दही और नमक युक्त पेय पदार्थ शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी को पूरा करने में मदद करते हैं। ओआरएस के इस्तेमाल की सलाह दी है। घर पर भी ओआरएस बनाकर इसके सेवन से लाभ पाया जा सकता है।

इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस बनाए रखने के लिए संतुलित आहार जैसे फल-सब्जियां और सीमित मात्रा में नमक का सेवन भी बहुत जरूरी है।

चाय को ज्यादा देर तक उबालना कितना हानिकारक?

भारतीय घरों में चाय की चुस्की के बिना दिन शुरू नहीं होता। लोग इसे गैस पर चढ़ाकर उबलने देते हैं। ऐसा माना जाता है कि चाय जितनी ज्यादा देर तक उबलेगी, उतना ही इसका स्वाद अच्छा आएगा। पर हकीकत इससे काफी अलग है।

पर, क्या आपने कभी सोचा है कि जरूरत से ज्यादा उबाली गई चाय आपके स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकती है? आमतौर पर लोग चाय को लंबे समय तक उबालकर उसका स्वाद और गाढ़ापन बढ़ाने की कोशिश करते हैं, लेकिन यही आदत शरीर पर नकारात्मक असर डाल सकती है। बहुत से लोगों को इस बारे में जानकारी ही नहीं है। इसलिए यह जरूरी है कि हम चाय बनाने के सही समय और तरीके को समझें, ताकि हम इसके स्वाद के साथ-साथ स्वास्थ्य लाभ भी प्राप्त कर सकें। आइए इस लेख में आपसे इसी बारे में बात करते हैं।

कितनी देर उबालनी चाहिए चाय?

चाय बनाने का सही समय और तरीका आपके स्वास्थ्य पर सीधा असर डालता है। अक्सर लोग चाय को ज्यादा देर तक उबालकर उसे गाढ़ा और स्ट्रॉन्ग बनाना पसंद करते हैं, लेकिन यह आदत नुकसानदेह हो सकती है।

1–2 मिनट: यह चाय बनाने का सबसे सही समय माना जाता है। इसमें स्वाद, सुगंध और पोषक तत्व संतुलित रहते हैं।

3–5 मिनट: इस दौरान चाय थोड़ी ज्यादा स्ट्रॉन्ग हो जाती है, लेकिन धीरे-धीरे इसके पोषक तत्व कम होने लगते हैं।

6–10 मिनट: ज्यादा उबालने से चाय में टैनिन और कैफीन की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे पाचन पर असर पड़ सकता है।

10 मिनट से अधिक: इतनी देर तक उबली चाय शरीर के लिए हानिकारक हो सकती है और इससे एसिडिटी, गैस व कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

ज्यादा उबली चाय के नुकसान

पाचन तंत्र पर बुरा असर डालती है

आयरन के अवशोषण में बाधा डालती है

पेट में जलन और भारीपन बढ़ाती है

एंटीऑक्सीडेंट की मात्रा घटाती है

लंबे समय में शरीर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकती है

चाय बनाने का सही तरीका

हमेशा ताजा और साफ पानी का इस्तेमाल करें

पानी उबालने के बाद चाय पत्ती डालें और 1–2 मिनट तक ही पकाएं

जरूरत के अनुसार दूध और चीनी मिलाएं

चाय को तुरंत छानकर ताजा ही सेवन करें

बची हुई चाय को दोबारा गर्म करने से बचें

ये याद रखें : चाय के शौकीन लोगों को हमेशा याद रखना चाहिए कि सही तरीके से बनाई गई चाय न सिर्फ स्वादिष्ट होती है, बल्कि आपके स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद साबित होती है। इसलिए हमेशा सही तरह से चाय बनाएं और उबालने के समय का खास ध्यान रखें।

क्या गर्मियों में भी अस्थमा अटैक का रहता है खतरा?

आज विश्व अस्थमा दिवस है। दुनिया भर में श्वसन से संबंधित इस गंभीर बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाने और रोगियों में इसकी देखभाल को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से हर साल मई

महीने के पहले मंगलवार को वर्ल्ड अस्थमा डे मनाया जाता है।

सांस की नलियों में सूजन के कारण होने वाली ये बीमारी हर साल लाखों लोगों की मौत का कारण भी बनती है। धूल-धुंआ, प्रदूषण के अलावा बदलते मौसम में भी अस्थमा के अटैक का खतरा काफी बढ़ जाता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी मरीजों को सांस की समस्याओं को ट्रिगर होने से बचाने के लिए उपाय करते रहने की सलाह देते हैं। कई रिपोर्ट्स बताते हैं कि सर्दी का मौसम अस्थमा रोगियों के लिए काफी कठिनाइयों वाला होता है, ऐसे में सवाल है कि क्या गर्मियां भी अस्थमा अटैक के खतरे को बढ़ाने वाली हो सकती है?

चूंकि इन दिनों तापमान में तेजी से बढ़ोतरी देखी जा रही है तो क्या अस्थमा रोगियों को सावधान हो जाने की जरूरत है?

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

भारत में इन दिनों पारा लगातार 40 के पार बना हुआ है, क्या बढ़ती गर्मी अस्थमा रोगियों के लिए खतरनाक है?

ठंडा और गर्म दोनों ही मौसम अस्थमा रोगियों के लिए खतरनाक हो सकता है। पर्यावरण और बढ़ते तापमान का सीधा असर श्वसन स्थितियों पर पड़ता है। गर्म मौसम, प्रदूषण और एलर्जी के स्तर में वृद्धि सीधे तौर पर अस्थमा अटैक के जोखिम को बढ़ाते हैं।

गर्म मौसम में वायुमार्ग के संकुचित होने का खतरा रहता है। प्रदूषकों (ओजोन) का स्तर बढ़ने और ह्यूमिडिटी बिगड़ने के कारण अस्थमा के अटैक का खतरा काफी बढ़ जाता है। ज्यादा गर्मी के दिनों में डिहाइड्रेशन होने का जोखिम भी अधिक देखा जाता रहा है जिससे फेफड़ों पर और अधिक दबाव पड़ता है।

बढ़ते तापमान से सांस की समस्याओं का खतरा

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि जब तापमान बढ़ता है, तो हवा में ओजोन और पार्टिकुलेट मैटर का स्तर भी बढ़ जाता है, जो फेफड़ों में सूजन और सांस लेने में तकलीफ पैदा करता है। ये सभी फैक्टर मिलकर अस्थमा के मरीजों के लिए ट्रिगर का काम करते हैं।

इसके अलावा गर्मी में डिहाइड्रेशन, इलेक्ट्रोलाइट्स के असंतुलन और थकान के कारण भी सांस की तकलीफ बढ़ सकती है।

सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के डेटा के अनुसार, हीटवेव के दौरान अस्पतालों में अस्थमा से जुड़ी इमरजेंसी में 10-15% तक की वृद्धि देखी गई है।

गर्मियों में अस्थमा रोगी क्या उपाय करें?

अस्थमा के मरीजों को मौसम में होने वाले बदलाव के दिनों में सेहत को लेकर खास सावधानी बरतने की जरूरत होती है।

अस्थमा से बचाव के लिए सबसे पहले उन चीजों से दूरी बनाएं जो आपकी समस्या को ट्रिगर कर सकते हैं।

घर के अंदर साफ-सफाई बनाए रखना जरूरी है। एयर कंडीशनर और कूलर के फिल्टर को नियमित साफ करें।

गर्मियों में हाइड्रेशन बनाए रखना भी बेहद जरूरी है। पर्याप्त पानी पीने से म्यूकस पतला रहता है और सांस लेने में आसानी होती है।

डॉक्टर की सलाह पर दवाओं और इनहेलर का नियमित उपयोग करें।

यदि बाहर जाना जरूरी हो, तो मास्क पहनें। यह धूल और एलर्जन से बचाव करता है।

खाली पेट किन चीजों का सेवन सही और किनका गलत?

खाली पेट भोजन करना हमारे स्वास्थ्य पर गहरा असर डाल सकता है। सही चीजे खाने से हमारी पाचन शक्ति मजबूत होती है, ऊर्जा बढ़ती है और रोग प्रतिरोधक क्षमता बेहतर होती है। वहीं, गलत चीज़ें खाने से पेट में गैस, अम्लता, कब्ज और अन्य पाचन समस्याएं हो सकती हैं।

इस आर्टिकल में हम जानेंगे कि कौन-कौन सी चीजें खाली पेट खानी चाहिए और कौन-कौन सी नहीं, ताकि हम अपने स्वास्थ्य को बेहतर रख सकें और दिनभर ऊर्जा महसूस करें। अगर आप इन बातों का ध्यान रखेंगे तो आपकी तबीयत खराब होने से बची रहेगी।

खाली पेट किसका सेवन करें?

गुनगुना पानी + नींबू

गुनगुना पानी शरीर को हाइड्रेट करता है और नींबू इसमें विटामिन C जोड़ता है।

यह शरीर को डिटॉक्स करता है और पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है।

नियमित सेवन से वजन कम करने में मदद मिलती है और सुबह ऊर्जा मिलती है।

भिगोए बादाम

रात भर भिगोकर सुबह खाने से बादाम ज्यादा पोषक तत्व प्रदान करता है।

यह मस्तिष्क की कार्य क्षमता और याददाश्त बढ़ाता है।

शरीर को तुरंत ऊर्जा देने के साथ हड्डियों के लिए भी फायदेमंद है।

भिगी किशमिश

यह खून को साफ करती है और हीमोग्लोबिन बढ़ाती है।

कब्ज और पेट की गड़बड़ी को दूर करने में मदद करती है।

प्राकृतिक शुगर होने के कारण शरीर को तुरंत एनर्जी देती है।

आंवला

इम्यूनिटी बढ़ाने में सबसे बेहतरीन है।

त्वचा, बाल और आंखों के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।

पाचन को दुरुस्त रखने के साथ यह शरीर को ठंडक भी देती है।

खाली पेट किसका सेवन न करें

चाय/कॉफ़ी

खाली पेट चाय या कॉफ़ी पीने से एसिडिटी, गैस और सिरदर्द हो सकता है।

पाचन तंत्र कमजोर होता है और पेट की परत पर असर पड़ता है।

कोल्ड ड्रिंक

खाली पेट कोल्ड ड्रिंक पीने से पेट की परत को नुकसान पहुंचता है।

मोटापा बढ़ सकता है और पाचन धीमा हो जाता है।

टमाटर

इसमें एसिडिटी अधिक होती है, इसलिए खाली पेट लेने से पेट में जलन हो सकती है।

अम्लता बढ़ सकती है और गैस की समस्या हो सकती है।

खट्टे फल

खाली पेट खाने से एसिडिटी और गैस की समस्या हो सकती है।

पेट की नाजुक परत पर असर डालकर अम्लता बढ़ा सकते हैं।

गर्मियों में स्विमिंग करने के क्या नुकसान हैं?

जान लें ताकि न हो कोई परेशानी

गर्मी के मौसम में स्विमिंग करना न केवल राहत देता है बल्कि यह एक बेहतरीन एक्सरसाइज भी माना जाता है। तेज धूप और बढ़ते तापमान के बीच लोग स्विमिंग पूल या नदी में तैराकी करना पसंद करते हैं, जिससे शरीर को ठंडक मिलती है और फिटनेस भी बनी रहती है।

फर, क्या आप जानते हैं कि स्विमिंग के जितने फायदे हैं, उतने ही नुकसान भी हैं। ऐसे में स्विमिंग करते समय कुछ सावधानियां बरतना भी जरूरी हैं जिनका ध्यान रखना बेहद आवश्यक है। इस लेख में हम आपको स्विमिंग के नुकसान और जरूरी सावधानियों के बारे में विस्तार से बताएंगे।

स्विमिंग के नुकसान

1. त्वचा संक्रमण

अगर स्विमिंग पूल का पानी

साफ नहीं है या उसमें सही मात्रा में केमिकल्स का संतुलन नहीं रखा गया है, तो उसमें बैक्टीरिया और फंगस पनप सकते हैं। ऐसे पानी में स्विमिंग करने से त्वचा पर रैश, खुजली, लाल चकत्ते या एलर्जी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। जिन लोगों की त्वचा संवेदनशील होती है, उन्हें यह समस्या ज्यादा जल्दी हो सकती है। इसलिए स्विमिंग से पहले पानी की साफ-सफाई पर ध्यान देना बेहद जरूरी है।

2. आंखों में जलन

अधिकांश स्विमिंग पूल में पानी को साफ रखने के लिए क्लोरीन का उपयोग किया जाता है। हालांकि यह कीटाणुओं को खत्म करता है, लेकिन ज्यादा मात्रा में क्लोरीन आंखों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। बिना गॉगल्स के तैरने पर आंखों में जलन, लालपन और सूखापन महसूस हो सकता है। लंबे समय तक ऐसा होने पर आंखों की समस्या बढ़ सकती है।

3. कान में संक्रमण

स्विमिंग के दौरान पानी का कानों में जाना एक आम समस्या है। जब पानी कान में फंस जाता है, तो उसमें बैक्टीरिया विकसित हो सकते हैं, जिससे "स्विमर ईयर" जैसी समस्या हो सकती है। इससे कान में दर्द, खुजली और कभी-कभी सुनने में भी परेशानी हो सकती है।

स्विमिंग करते समय सावधानियां

हमेशा ऐसे स्विमिंग पूल या स्थान का चयन करें जहां पानी की नियमित सफाई और मेंटेनेंस होता हो।

गंदे पानी में तैरना कई तरह के संक्रमण का कारण बन सकता है, इसलिए स्वच्छता सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए।

आंखों को क्लोरीन से बचाने के लिए गॉगल्स पहनना जरूरी है।

स्विमिंग कैप बालों को नुकसान से बचाती है और उन्हें सूखा व सुरक्षित रखती है।

पूल से बाहर आने के बाद तुरंत साफ पानी से नहाना चाहिए, ताकि शरीर पर लगे क्लोरीन और बैक्टीरिया हट जाएं।

लंबे समय तक पानी में रहने से शरीर थक सकता है और ठंड लगने का खतरा बढ़ जाता है।

गर्मी में आंखों में जलन क्यों बढ़ जाती है? जानें मुख्य कारण और बचाव के तरीके

गर्मी का मौसम आते ही जहां तापमान बढ़ता है, वहीं इसका असर हमारे शरीर के कई हिस्सों पर भी देखने को मिलता है। आंखें भी इससे अछूती नहीं रहतीं। इस मौसम में अक्सर लोगों को आंखों में जलन, सूखापन, लालिमा और चुभन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

कई बार लोग इसे सामान्य मानकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन समय पर ध्यान न देने से यह परेशानी गंभीर रूप ले सकती है। इसलिए यह समझना जरूरी है कि गर्मी में आंखों में जलन क्यों होती है और इससे बचाव के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। सही देखभाल और कुछ आसान उपाय अपनाकर आप अपनी आंखों को स्वस्थ और सुरक्षित रख सकते हैं।

इन वजहों से गर्मी में जलती हैं आंखें

गर्मी में सूर्य की किरणें काफी तीव्र होती हैं, जो सीधे आंखों की सतह को प्रभावित करती हैं। लंबे समय तक धूप में रहने से आंखों की प्राकृतिक नमी कम होने लगती है, जिससे ड्राईनेस बढ़ती है और जलन महसूस होती है। कई बार आंखें लाल भी हो जाती हैं और चुभन जैसी समस्या होती है।

इसके अलावा धूल, मिट्टी और प्रदूषण भी आंखों के लिए काफी नुकसानदायक होते हैं। गर्मी में हवा में धूल के कण ज्यादा होते हैं, जो आंखों के अंदर चले जाते हैं। इससे एलर्जी, खुजली, जलन और लालिमा जैसी समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं। जिन लोगों को पहले से एलर्जी होती है, उनकी समस्या और बढ़ सकती है।

आज के समय में डिजिटल स्क्रीन का ज्यादा इस्तेमाल भी एक प्रमुख कारण बन गया है। मोबाइल, लैपटॉप और टीवी स्क्रीन को लंबे समय तक देखने से आंखों पर लगातार दबाव पड़ता है। इससे आंखों की झपकने की गति कम हो जाती है, जिससे आंखें सूखने लगती हैं और थकान महसूस होती है। इसे डिजिटल आई स्ट्रेन भी कहा जाता है।

डिहाइड्रेशन यानी शरीर में पानी की कमी भी आंखों की समस्या को बढ़ा देती है। जब शरीर में पर्याप्त पानी नहीं होता, तो आंखों की नमी भी प्रभावित होती है। इससे आंखें सूखी, भारी और थकी हुई महसूस होती हैं।

आंखों में जलन हो तो क्या करें?

दिन में कई बार ठंडे पानी से आंखों को धोएं।

धूप में बाहर निकलते समय सनग्लासेस पहनें।

पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं।

स्क्रीन टाइम कम करें और बीच-बीच में ब्रेक लें।

आर्टिफिशियल आई ड्रॉप्स का इस्तेमाल डॉक्टर की सलाह से करें।

अगर जलन लंबे समय तक बनी रहे, आंखों में दर्द या सूजन बढ़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है।

प्राइवेट हाथों में जीडीपी से सात गुना वेल्थ

गरीब होते जा रहे वर्कर्स, डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका में ये क्या हो रहा है?

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने देश को फिर से महान बनाने के चुनावी वादे के साथ वाइट हाउस पहुंचे थे। अपने दूसरे कार्यकाल में उन्होंने कई ऐसे फैसले लिए हैं जिससे दुनियाभर में उथलपुथल मची हुई है। लेकिन अमेरिका में अमीर और गरीब के बीच खाई लगातार बढ़ती जा रही है। देश में अमीरों की वेल्थ लगातार बढ़ती जा रही है जबकि वर्कर्स की हालत लगातार बिगड़ती जा रही है। देश में प्राइवेट सेक्टर की फाइनेंशियल एसेट्स देश की रियल जीडीपी के मुकाबले रेकॉर्ड 6.7 गुना पहुंच चुकी है।

इसका मतलब है कि अमेरिका में प्राइवेट सेक्टर के पास मौजूद स्टॉक्स, बॉन्ड्स और अन्य फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट्स की कुल वैल्यू रियल इकॉनमी के मुकाबले इतनी ज्यादा कभी नहीं रही। यह 2021 के रेकॉर्ड से भी आगे निकल गया है। तब कोरोना काल के बाद शेयरों में भारी तेजी आई थी और प्राइवेट सेक्टर की फाइनेंशियल एसेट्स देश की रियल जीडीपी के मुकाबले 6.3 गुना पहुंच गई थी। लेकिन अमेरिका के शेयर बाजारों में हाल में आई तेजी ने इस रेकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया।

अमीर-गरीब की खाई

अमेरिका में प्राइवेट सेक्टर की फाइनेंशियल एसेट्स की वैल्यू रियल जीडीपी के मुकाबले 1970 के लो लेवल के मुकाबले दोगुने से भी ज्यादा बढ़ चुकी है। जब प्राइवेट सेक्टर की फाइनेंशियल एसेट्स रियल इकॉनमी से ज्यादा तेजी से बढ़ती है तो अमीर लोग ज्यादा अमीर होते हैं और गरीब पिछड़ते जाते हैं। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में यह अंतर और बढ़ेगा। इसकी वजह यह है कि तेल की कीमत में हाल में आई तेजी से महंगाई बढ़ गई है। इससे लोगों को अपनी सेविंग्स से खर्चा करना पड़ रहा है। यानी यह पैसा सीधे बड़ी कंपनियों की जेब में जाएगा।

भयंकर गर्मी के बावजूद पावर प्लांट्स के पास है पर्याप्त कोयला भंडार: सरकार ने बताई सच्चाई

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में दावा किया गया था कि भयंकर गर्मी के बीच देश में बिजली की मांग ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गई है और कई पावर प्लांट्स के पास चार दिन की जरूरत से भी कम कोयला रह गया है। लेकिन सरकार ने इसका खंडन करते हुए कहा कि इसमें कोई सच्चाई नहीं है। इसका मकसद लोगों को गुमराह करना और पैनिक फैलाना है। देश में पावर प्लांट के पास पर्याप्त मात्रा में कोयला है।

सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया गया था कि देश में बिजली की डिमांड 277 गीगावाट के ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गई है। मई में लू की स्थिति अप्रैल से बदतर है और अभी तीन महीने की गर्मी बाकी है। इसमें दावा किया गया था कि देश में 19 थर्मल पावर प्लांट्स के पास चार दिन से भी कम जरूरत का कोयला बचा है। इसमें कहा गया था कि सरकार ने 2030 में बिजली की मांग 277 गीगावाट तक पहुंचने का अनुमान लगाया था लेकिन हम मई 2026 में ही इस पर पहुंच गए।

सरकार का स्पष्टीकरण

सरकार ने इसका खंडन किया है। पीआईबी फैक्ट चेक ने एक पोस्ट में कहा कि इन दावों में कोई सच्चाई नहीं है और इसका मकसद पैनिक फैलाना है। देश में 2 मई को पीक डिमांड 229 गीगावाट रही और इस डिमांड को पूरा किया गया। बिजली की कोई शॉर्टेज नहीं है। देश में थर्मल पावर प्लांट्स के पास 53.702 मिलिटन टन कोयला का भंडार है जो जरूरत को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। बयान में कहा गया है कि देश में पर्याप्त बिजली उपलब्ध है और ग्रिड ऑपरेशंस तथा डिस्ट्रीब्यूशन का काम योजना के मुताबिक चल रहा है।

सोना 2000 सस्ता,10 ग्राम की कीमत 1.48 लाख

एक किलो चांदी 4 हजार बढ़कर 2.44 लाख पर पहुंची; इस साल 14 हजार महंगी हुई

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। सोने के दाम में आज यानी 4 मई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,906 रुपए गिरकर 1.48 लाख रुपए पर आ गया है। इससे पहले इसकी कीमत 1.50 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं चांदी की कीमत में तेजी देखने को मिल रही है। एक किलो चांदी 3,906 रुपए बढ़कर 2.44 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले 30 अप्रैल को इसकी कीमत 2.40 लाख रुपए प्रति किलो थी। 2026 में सोना अब तक 15 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.48 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इस साल चांदी 14 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब बढ़कर 2.44 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

हरे निशान पर बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स 356 अंक चढ़ा, निफ्टी 24100 के पार

मुंबई, 4 मई (एजेंसियां)। अमेरिका-ईरान तनाव में कमी के संकेतों के बीच वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के चलते हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुए। चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के स्थानीय विधानसभा चुनाव परिणामों के शुरुआती रुझानों ने भी बाजार को समर्थन दिया। हालांकि चुनाव परिणामों की अस्थिरता के बीच आईटी और बैंक शेयरों में गिरावट के चलते घरेलू बाजार के प्रमुख बेंचमार्क निफ्टी50 और सेंसेक्स अपने दिन के उच्चतम स्तर से नीचे बंद हुए। 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 355.90 अंक या 0.46% चढ़कर 77,269.40 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला निफ्टी 121.75 अंक या 0.51% चढ़कर 24,119.30 अंक पर बंद हुआ। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 24 पैसे गिरकर अब तक के सबसे निचले स्तर 95.08 (अस्थायी) पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान सेंसेक्स में 900 से अधिक अंकों की उछाल आई और यह 77,257.27 पर खुलकर 77,910.75 का इंट्रा-डे हाई छुआ। वहीं निफ्टी 50 में एक प्रतिशत से अधिक की तेजी देखी गई और यह 24,063.55 पर खुलकर 24,290.20 का उच्चतम स्तर छुआ। सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी मेटल ने बेंचमार्क इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया और इनमें क्रमशः 2.41 प्रतिशत और 1.09 प्रतिशत की तेजी आई। वहीं, निफ्टी आईटी और निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी प्राइवेट बैंक का प्रदर्शन बेंचमार्क इंडेक्स से कमजोर रहा। निफ्टी 50 पैक में अदाणी पोर्ट्स सबसे अधिक लाभ कमाने वाला शेयर रहा, जिसमें 5.41 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। वहीं आयशर मोटर में 3.11 प्रतिशत की उछाल आई। इसके अलावा, अदाणी इंटरप्राइजेज, श्रीराम फाइनेंस, एचयूएल, एलएंडटी, मैक्स हेल्थ, ग्रासिम, इटरनल और सिप्ला के शेयरों में भी तेजी देखने को मिली। जबकि कोटक बैंक, भारती एयरटेल, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, ओएनजीसी, टीसीएस, इंडिगो, इंफोसिस और आईटीसी के शेयरों में गिरावट देखने को मिली और ये टॉप लूजर्स की लिस्ट में शामिल रहे। सोमवार के सत्र में ब्रेंट क्रूड की कीमतों में 2.45 प्रतिशत तक की गिरावट आई, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 'ऑपरेशन फ्रीडम' नामक एक नए अभियान की घोषणा की, जिसके तहत वाशिंगटन होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे जहाजों के लिए सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करेगा। इससे भी बाजार की भावना में सुधार हुआ।

जेपी मामले में वेदांता को झटका, एनसीएलएटी ने अडानी ग्रुप की बोली के खिलाफ अपील की खारिज

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। दिग्गज उद्योगपति अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांता को एनसीएलएटी में झटका लगा है। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने वेदांता लिमिटेड की दो याचिकाएं सोमवार को खारिज कर दीं। कंपनी ने इनमें कर्ज में डूबी जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के लिए अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की बोली के चयन को चुनौती दी थी। इससे पहले इस मामले में वेदांता को सुप्रीम कोर्ट में भी निराशा हाथ लगी थी। न्यायमूर्ति अशोक भूषण और तकनीकी सदस्य बरुण मित्रा की दो-सदस्यीय पीठ ने कहा कि वेदांता द्वारा ऐसा कोई आधार नहीं बनाया गया है जिससे एनसीएलटी के निर्णय में हस्तक्षेप किया जा सके। अपील में कोई दम नहीं है। दोनों अपीलें खारिज की जाती हैं। कोई आदेश पारित करने की आवश्यकता नहीं है। अपीलीय न्यायाधिकरण ने कहा कि ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) का निर्णय विभिन्न समाधान योजनाओं के समग्र मूल्यांकन और उनकी व्यावसायिक समझ पर आधारित था।

वेदांता का तर्क

एनसीएलएटी ने यह भी कहा कि समाधान प्रक्रिया के दौरान समाधान पेशेवर द्वारा कोई महत्वपूर्ण अनियमितता नहीं की गई। वेदांता ने मूल्यांकन मानदंड पर सवाल उठाते हुए कहा था कि उसकी बोली सकल मूल्य के लिहाज से 3,400 करोड़ रुपये अधिक और शुद्ध वर्तमान मूल्य (एनपीवी) के आधार पर लगभग 500 करोड़ रुपये अधिक थी। इसे खारिज करते हुए एनसीएलएटी ने कहा कि सीओसी द्वारा उच्च मूल्य वाली योजना को मंजूरी न देना मनमाना या अनुचित नहीं कहा जा सकता। इससे पहले 24 मार्च को एनसीएलएटी ने वेदांता समूह की उस याचिका पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया था, जिसमें एनसीएलटी के 17 मार्च के आदेश को चुनौती दी गई थी। हालांकि एनसीएलएटी ने कहा था कि अंतिम फैसला अपील के परिणाम पर निर्भर करेगा। कंपनी विधि न्यायाधिकरण की इलाहाबाद पीठ ने 17 मार्च को जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के अधिग्रहण के लिए अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की 14,535 करोड़ रुपये की बोली को मंजूरी दी थी, जिसे वेदांता ने एनसीएलएटी में चुनौती दी थी।

अडानी की बोली

वेदांता ने इस आदेश को उच्चतम न्यायालय में भी चुनौती दी थी लेकिन शीर्ष अदालत ने रोक लगाने से इनकार कर दिया। हालांकि उच्चतम न्यायालय ने यह निर्देश दिया कि जेएएल की निगरानी समिति कोई भी बड़ा नीतिगत निर्णय लेने से पहले न्यायाधिकरण की अनुमति ले। अडानी एंटरप्राइजेज ने जेएएल के लिए लगाई बोली में वेदांता लिमिटेड और डालमिया भारत को पीछे छोड़ते हुए जीत हासिल की। अडानी एंटरप्राइजेज को कर्जदाताओं के सर्वाधिक 89 प्रतिशत मत मिले थे। एनसीएलएटी ने 23 अप्रैल को वेदांता, समाधान पेशेवर, सीओसी और अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड सहित सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सुनवाई पूरी कर ली थी। गौरतलब है कि जेपी समूह की प्रमुख कंपनी जेएएल को 57,185 करोड़ रुपये कर्ज के भुगतान में चूक के बाद जून, 2024 में कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया में शामिल किया गया था। जेएएल की ग्रेटर नोएडा में जेपी ग्रीन्स जैसी प्रमुख रियल एस्टेट परियोजनाएं हैं। इसके मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में चार सीमेंट संयंत्र हैं और मध्य प्रदेश में कुछ पट्टे पर ली गई चूना पत्थर की खदानें हैं। इसके अलावा, इसने जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड, यमुना एक्सप्रेसवे टोलिंग लिमिटेड, जेपी इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट लिमिटेड और कई अन्य कंपनियों सहित अनुषंगी कंपनियों में भी निवेश किया है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारम्भ समय	
सूर्य	मेष	मे	मेष.....	04-44 बजे
चंद्र	वृश्चिक	मे	वृष....	06-28 बजे
मंगल	मीन	मे	मिथुन..	08-28 बजे
बुध	मेष	मे	कर्क...	10-40 बजे
गुरु	मिथुन	मे	सिंह---	12-52 बजे
शुक्र	वृष	मे	कन्या--	14-58 बजे
शनि	मीन	मे	तुला---	17-04 बजे
राहु	कुंभ		वृश्चिक..	19-13 बजे
केतु	सिंह	मे	धनु.....	21-27 बजे
			मकर...	23-34 बजे
			कुंभ...	01-24 बजे
			मीन....	03-03 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
सूर्योदय **05-52**
सूर्यास्त. **18 -33**
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष मंगलवार **05 May 2026**
तिथि - चतुर्थी **07-50** अहोरात्र तक
नक्षत्र - ज्येष्ठा **12-54** तक उपरान्त मूल
योग - शिव **00-16** रात्री तक उप सिद्ध
करण - बव **18-38** तक उप बालव
विशेष: ज्येष्ठ चतुर्थी व्रत,नक्षत्र शांति
चन्द्रोदय **22-36**

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखाये व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 15-25 से 17-01 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05-52 - 07-25	अशुभ	काल	18-33 - 20-01	अशुभ
उत्पात	07-25 - 09-01	अशुभ	लाभ	20-01 - 21-25	शुभ
चंचल	09-01 - 10-37	शुभ	उत्पात	21-25 - 22-49	अशुभ
लाभ	10-37 - 12-13	शुभ	शुभ	22-49 - 00-13	शुभ
अमृत	12-13 - 13-49	शुभ	अमृत	00-13 - 01-37	शुभ
काल	13-49 - 15-25	अशुभ	चंचल	01-37 - 03-01	शुभ
शुभ	15-25 - 17-01	शुभ	रोग	03-01 - 04-25	अशुभ
रोग	17-01 - 18-33	अशुभ	काल	04-25 - 05-52	अशुभ

कमोडिटी डेरिवेटिव्स में बैंकों-बीमा कंपनियों की एंट्री पर ब्रेक, सेबी प्रमुख तैयारियों पर क्या बोले?

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने सोमवार को कहा कि आरबीआई और भारतीय बीमा विनियामक व विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) बैंकों और बीमा कंपनियों को कमोडिटी डेरिवेटिव्स बाजार में भागीदारी की अनुमति देने के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि दोनों नियामकों के पास इस रुख के पीछे ठोस कारण हैं और फिलहाल इस सेगमेंट को लेकर वे सहज नहीं हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में आयोजित आईएमसी कैपिटल मार्केट्स कॉन्फ्रेंस के दौरान पांडे ने कहा कि खासतौर पर बीमा क्षेत्र लंबी अवधि के निवेश पर आधारित होता है, ऐसे में कमोडिटी डेरिवेटिव्स जैसे उतार-चढ़ाव वाले सेगमेंट के साथ इसका तालमेल एक बड़ी चिंता है। उन्होंने बताया कि सेबी की इस मुद्दे पर बैंकिंग और बीमा नियामकों के साथ हुई बातचीत में सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली।

जोखिमों पर जताई चिंता

डिजिटल और तकनीकी जोखिमों पर चिंता जताते हुए पांडे ने कहा कि एल्गोरिदमिक ट्रेडिंग इंसानी नियंत्रण से कहीं तेज काम करती है और डिजिटल प्लेटफॉर्म धोखाधड़ी का माध्यम बन सकते हैं। उन्होंने आगाह किया कि नई पीढ़ी के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल्स जहां कमजोरियों की पहचान करने में मददगार हैं, वहीं उनका बड़े पैमाने पर दुरुपयोग भी संभव है। सीकेवाईसी 2.0 पहल पर उन्होंने बताया कि यह अभी विकास के चरण में है और इसका उद्देश्य पूरे वित्तीय क्षेत्र में एकीकृत केवाईसी प्रणाली लागू करना है। इस परियोजना का नेतृत्व सेंट्रल रजिस्ट्री ऑफ सिक्योरिटाइजेशन एसेट रिकंस्ट्रक्शन एंड सिक्योरिटी इंटरेस्ट (सीईआरएसएआई) कर रहा है, जिसमें विभिन्न नियामकों के सुझाव शामिल किए जा रहे हैं। सेबी ने हाल ही में सीईआरएसएआई के साथ बैठक कर प्रमुख मुद्दों की पहचान की है और उम्मीद जताई है कि जुलाई के अंत तक इसका ढांचा तैयार हो सकता है। इससे पहले, पिछले महीने आईएमएफ-विश्व बैंक की स्प्रिंग मीटिंग्स के दौरानभारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल के कार्यक्रम में पांडे ने कहा था कि भारत का पूंजी बाजार अब वैश्विक स्तर पर एक मजबूत और प्रतिस्पर्धी निवेश गंतव्य के रूप में उभर रहा है। मजबूत मैक्रोइकोनॉमिक आधार और बढ़ते निवेशक आधार इसके प्रमुख कारण हैं।

कौन बनेगा एयर इंडिया का 'महाराजा'?

सीईओ के लिए शॉर्टलिस्ट हुए चार नाम, जल्दी हो सकता है फैसला?

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। टाटा ग्रुप की एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया के सीईओ के सेलेक्शन की रेस अब अंतिम दौर में पहुंच चुकी है। इस रेस में अब केवल चार नाम रह गए हैं। शॉर्टलिस्ट किए गए नामों में एयर इंडिया के चीफ कमर्शियल ऑफिसर निपुण अग्रवाल, विस्तारा के सीईओ रहे विनोद कण्णन और दो विदेशी नाम शामिल हैं। विनोद कण्णन सिंगापुर एयरलाइंस में सीनियर वाइस प्रेजिडेंट हैं। एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने अपना कार्यकाल पूरा होने से एक साल पहले ही इस्तीफा दे दिया था। टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक एयर इंडिया को बोर्ड की गुरुवार को मीटिंग होने वाली है। माना जा रहा है कि इसमें कैंपबेल के उत्तराधिकारी के नाम पर फैसला लिया जा सकता है। इस रेस में शामिल दो विदेशी नामों का खुलासा नहीं किया गया है। लेकिन अग्रवाल और कण्णन को मजबूत दावेदार माना जा रहा है। कण्णन सिंगापुर एयरलाइंस के दिग्गज हैं जबकि अग्रवाल टाटा ग्रुप से जुड़े रहे हैं। टाटा ग्रुप ने 2022 में एयर इंडिया का अधिग्रहण किया था और उसके बाद अग्रवाल ने एयर इंडिया में अहम भूमिका निभाई है। एक सूत्र ने बताया कि अब तक सीईओ के सेलेक्शन का मुद्दा 7 मई की मीटिंग के एंजेंडे में शामिल नहीं है। लेकिन इसे एजेंडे में शामिल किया जा सकता है क्योंकि एयर इंडिया के दोनों प्रमोटर टाटा ग्रुप और सिंगापुर एयरलाइंस स्थिति की गंभीरता को अच्छी तरह समझते हैं। एयर इंडिया में दोनों को नुकसान हो रहा है। एयर इंडिया की स्थिति से सिंगापुर एयरलाइंस की छवि पर भी असर पड़ रहा है।पांच साल में यह तीसरा मौका है जब एयर इंडिया को सीईओ की खोज चल रही है। टाटा ग्रुप ने एयर इंडिया में हजारों करोड़ रुपये झोंके हैं लेकिन इसका फाइनेंशियल और ऑपरेशनल कायाकल्प में देरी हो रही है। इसके कई आंतरिक और बाहरी कारण हैं। पिछले फाइनेंशियल ईयर में एयर इंडिया का घाटा करीब 24,000 करोड़ रुपये है। माना जा रहा है कि नए बिजनेस से हो रहे नुकसान से टाटा ग्रुप की लीडरशिप ने नाराजगी दिखाई है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज आप किसी भी ,अच्छे-बुरे तरीके से अपना लक्ष्य पा लेने के मूड में हैं । काफी समय तक हाशिये पर रहने के बाद आपको आज अपने ग्रहों की बदौलत काफी आत्मविश्वास का अनुभव होगा | आप अपनी मानसिक प्रवृति के आधार पर फैसले ले सकते हैं,यकीन मानिए वे सही ही साबित होंगें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
इस समय आपको जीवन में दो ही विकल्प मिलेंगे और दोनों में से किसी एक को भी छोड़ना आपके लिए समान दर्दनाक होगा । आपको अब अपने दिल की सुननी चाहिए । अपने खाली समय में अपने लक्ष्यों की सूची बनाएं,लेकिन उनकी प्राथमिकताएं भी तय करें । आपकी महत्वकाक्षाएं बढ़ गई हैं और आप उन्हें जितनी जल्दी हो सके,पूरे कर लेना चाहते हैं ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आपको आज बहुत सारी गलत जानकारी प्राप्त होंगी। इसीलिए औरों की सुनने और मानने की बजाय अपने आप सोच समझकर फैसले लेना अधिक उपयुक्त रहेगा । अपने तरीके और अपने नजरिये के आधार पर देखेंगे तो बिलकुल ठीक फैसला ले पायेंगे । आपकी बहु प्रतीक्षित छुट्टी जल्द ही मिलने वाली है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
नकारात्मकता से भरे छली लोगों से दूर रहें । ये आपको भी नकारात्मक बनाकर असफल कर देने की कोशिश में हैं जबकि आप अपनी मंजिल के बहुत करीब हो । शांति के लिए आज अपना अधिकतर समय परिवार के साथ घर पर बिताएं और सारा बाकी काम पूरा कर लें । कुछ मीठी यादें सहेजने के लिए अपने कमरे में उनका फोटो लगा दें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज आपको कुछ चौंकाने वाली बातें पता चलेंगी । लेकिन चिंता ना करें,सब अच्छी खबरें होंगी । जिन कई चीजों के लिए आप लम्बे समय से कोशिश कर रहे थे,वे आज पूरी होने वाली हैं । जिन कोशशों को आप अपनी और से व्यर्थ मान चुके थे,वे अंतत आज सफल होंगी । इसीलिए आज दोस्तों और परिजनों के साथ खुशियाँ मनाएं ,हो सकता है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
काफी समय से जिन्दगी एक ही ढर्रे पर चल रही है,कुछ मजेदार भी नही हो रहा ।अपनी नीरस जिंदगी में कुछ साहसिक गतिविधि शामिल करें । अपने पसंदीदा पर्यटन स्थल पर जा सकते हैं या कहीं भी बाहर घूम आयें । महत्वपूर्ण कामों को पूरा करने के लिए कुछ समय तक खुद को कुछ सामाजिक और निजी गतिविधियों से दूर कर लें ताकि एकाग्रता से काम कर पायें।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आप जिद्दीपन के प्रति अपना स्वाभाविक झुकाव महसूस करेंगे । लेकिन जब आपको यह अनुभव होगा की ऐसा करना आपके हित में नही है तो आप पछतावा भी महसूस करेंगे । अच्छे से स्थिति समझें,आकस्मिक भावनाओं के बहाव में बहने के स्थान पर स्पष्ट सोच से काम लें । अगर आप थोड़ी सी समझदारी से काम लेंगे तो समाधान जल्दी निकलेगा और आपको जल्दी ख़ुशी मिलेगी ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज का दिन तारीफ और प्रशंसा से भरा रहेगा । आपके बेहतरीन कामों के लिए पुरस्कार भी मिल सकते हैं । आपकी सच के साथ बने रहने की खासियत से आप अपने से प्रतिस्पर्धा करने वाले कई लोगों के रोल-मॉडल बन पायेंगे । आज कोई फैसला कार्यान्वित करने से पहले एक बार फिर से सोच लें ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आप व्यावहारिकता की अपेक्षा रखने वाले कई मुद्दों में भावनात्मक व्यवहार करेंगे । स्पष्ट सोच रखते हुए यह समझने की कोशिश करें की आपकी इच्छाएं क्या हैं और आपके लिए अच्छा क्या हैं। आपके भीतर कुछ ऐसी भावनाए पैदा हो सकती हैं जो आपको कुछ सीमायें लांघने के लिए उकसा सकती हैं ।ऐसी कोई भी फैसला लेने से पहले सब को सूचित कर दें ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
छोटी छोटी परेशानियां और असहमतियां दिन भर सामने आती रहेंगी । आपको इन छोटी छोटी बातों की उपेक्षा कर देनी है,नही तो आप अपनी मानसिक शांति को नष्ट कर लेंगे । अपनी समस्याएँ किसी के साथ बांटने की कोशिश करें,आपको अच्छा अनुभव होगा । एकांत की गतिविधियाँ आज बहुत अच्छी रहेंगी ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
बहुत से अच्छे मौके आपका इन्तजार कर रहे हैं लेकिन आपको उनके लिए पूरे तौर पर समर्पित कोशिशें करनी होंगी,जोकि इस समय आपके लिए कुछ मुश्किल लग रहा है । किसी ख़ास निजी समारोह के लिए इन मौकों को रोके रखना आपके लिए सही है । आप साधारणतया बहुत अच्छे हैं और इसीलिए आपके दोस्त आपसे लगाव रखते हैं ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज का दिन संकेत दे रहा है कि आज आप खूब आनंद उठाएंगे,लेकिन बेहतर यही होगा कि सुबह कुछ समय निकालकर अपने कल के शेष कार्यों को पूरा कर लें । अपने कार्यकर्म की योजना अपने परिजनों के कार्यक्रम के अनुसार ही बनाएं ताकि बाद में कोई ग़लतफ़हमी या समस्या ना आये ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

18 साल बाद ऑल टाइम हाई पर पहुंचा सरकारी कंपनी भेल का शेयर, 156% बढ़ गया नेट प्रॉफिट

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। सरकारी कंपनी भारत हैवी इलेक्टिकल्स लिमिटेड का शेयर आज ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। बीएसई पर कंपनी का शेयर 13 फीसदी तेजी के साथ 399 रुपये पर पहुंच गया। कंपनी का शेयर 18 साल बाद ऑल टाइम हाई पर पहुंचा है। इससे पहले यह 7 नवंबर 2007 को 390 रुपये पर पहुंचा था। पिछले एक महीने में इसकी कीमत में 63 रुपये की तेजी आई है जबकि इस दौरान बीएसई सेंसेक्स में 5 फीसदी तेजी आई है। कंपनी का मार्च तिमाही में शानदार प्रदर्शन रहा है। मार्च तिमाही में बीएचईएल का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट 156 फीसदी उछलकर 1,290.50 करोड़ रुपये पहुंच गया। कंपनी का शेयर पिछले सत्र में 352.40 रुपये पर बंद हुआ था और आज 355.80 रुपये पर खुला। कारोबार के दौरान यह 398.95 रुपये तक उछला। इस महारत्न पीएसयू का शेयर दोपहर बाद 3.15 बजे 6.91 फीसदी तेजी के साथ 376.75 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 1,31,238.97 करोड़ रुपये पहुंच गया। इसका 52 हफ्ते का न्यूनतम स्तर 205.20 रुपये है। कंपनी का शेयर पिछले साल 29 अगस्त को इस स्तर पर पहुंचा था। भारत हैवी इलेक्टिकल्स लिमिटेड का मार्च तिमाही में ऑपरेशंस से रेवेन्यू 37 फीसदी की तेजी के साथ 12,310 करोड़ रुपये रहा। पिछले साल की चौथी तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 8,993 करोड़ रुपये रहा था।

मुनाफे में हुई 27% से भी ज्यादा की बढ़ोतरी तो शेयरधारकों को मिला 200% का डिविडेंड

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। स्टेनलेस स्टील बनाने वाली भारत की सबसे बड़ी कंपनी जिंदल स्टेनलेस के शेयरधारकों को पिछले साल के लिए 200% का डिविडेंड मिलेगा। कंपनी के निदेशक मंडल ने 31 मार्च 2026 को समाप्त हुई तिमाही और वित्त वर्ष के वित्तीय परिणामों की आज घोषणा की। इस दौरान कंपनी का मुनाफा 27 फीसदी से भी ज्यादा बढ़ा है।वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान जिंदन स्टेनलेस ने 25,65,902 टन तैयार माल की बिक्री दर्ज की। यह पिछले वर्ष की तुलना में 8.1% अधिक है। आलोच्य अवधि के दौरान कंपनी का शुद्ध राजस्व 42,955 करोड़ रुपये रहा, जो 9.3% की वृद्धि दर्शाता है। इस दौरान कंपनी का ईबीआईटीडीए 5,560 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वर्ष की तुलना में 19.2% अधिक है। बीते साल कंपनी का शुद्ध मुनाफा या पीएटी 27.4% बढ़कर 3,185 करोड़ रुपये रहा।बीते साल की अंतिम तिमाही के दौरान, कंपनी के फिनिश्ड गुड्स की बिक्री 6,41,743 टन रही। इस दौरान कंपनी का शुद्ध राजस्व 11,367 करोड़ रुपये रहा। एबिट्डा वर्ष दर वर्ष 37.1% बढ़ कर 1,455 करोड़ रुपये हो गया, जो मज़बूत परिचालन प्रदर्शन को दर्शाता है। इस दौरान कंपनी का शुद्ध लाभ 41.4% बढ़कर 834 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।जेएसएल के निदेशकमंडल ने (शेयरधारकों की स्वीकृति के अधीन) साल 2025-26 के लिए तीन रुपये प्रति शेयर के अंतिम लाभांश की अनुशंसा की है। इसके साथ ही इस साल कुल लाभांश चार रुपये प्रति शेयर (2 अंकित मूल्य पर 200%) हो गया है। इस साल समेकित शुद्ध ऋण-से-इक्विटी अनुपात पिछले वर्ष के 0.24 से बेहतर हो कर 0.15 हो गया है। परिणाम के बाद पत्रकारों के साथ बातचीत में जिंदल स्टेनलेस के प्रबंध निदेशक अभ्युदय जिंदल ने बताया कि घरेलू स्तर पर स्टेनलेस स्टील की डिमांड बढ़ रही है। कंपनी ने ऑटोमोबाइल, पाइप्स और ट्यूब्स, मेट्रो, लिफ्ट एवं एलेवेटर्स और व्हाइट गुड्स सहित विभिन्न क्षेत्रों में मजबूत मांग के समर्थन से सुदृढ़ परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन दिया है। इस समय इंफ्रास्ट्रक्चर, इलेक्ट्रिक व्हीकल, ट्रेलर, कंटेनर, रियल एस्टेट,डिफेंस और एयरोस्पेस जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में स्टेनलेस स्टील का उपयोग भी बढ़ रहा है।

हर जिले में खुलेगा 'स्कूल ऑन व्हील्स'

सीएम भजनलाल ने ओड समाज को दी कई बड़ी सौगातें

जयपुर, 4 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ओड समाज को बड़ी सौगात देते हुए जयपुर में छात्रावास और रामदेवरा में धर्मशाला के लिए भूमि आवंटन की घोषणा की है। मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित ओड समाज संवाद कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि ओड समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है। किलों, महलों व जल संरचनाओं के निर्माण में पहचान बनाई है।

सीएम भजनलाल ने कहा कि ने कहा कि प्रधानमंत्री ने श्रम योगी मान-धन जैसी पेंशन योजना शुरू कर असंगठित श्रमिकों को वृद्धावस्था में सहारा दिया है। इसमें 27 हजार से अधिक श्रमिकों का पंजीयन हुआ है। उन्होंने चार नई श्रम संहिताएं लागू कर श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा, न्यूनतम वेतन, समय पर भुगतान और सुरक्षित कार्यस्थल की सुनिश्चितता की है।

सीएम भजनलाल ने कहा कि हमारी सरकार पीएम विश्वकर्मा योजना में 18 ट्रेड के दस्तकारों को 5 प्रतिशत की दर पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, ऋण पर 2 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज अनुदान के आदेश जारी किए हैं। अब तक 2 लाख से अधिक लाभार्थियों को प्रशिक्षण तथा 53 हजार से अधिक लाभार्थियों को ऋण उपलब्ध कराया गया है।

सीएम भजनलाल ने कहा कि श्रमिकों, स्ट्रीट वेंडर्स एवं लोक कलाकारों के लिए मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना शुरू की गई है। इसमें 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर 3 हजार रुपए मासिक पेंशन देने का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने श्रमिकों की न्यूनतम दैनिक मजदूरी में 26 रुपए की वृद्धि की है। विभिन्न योजनाओं में करीब 9 लाख श्रमिकों को 980 करोड़ रुपए का भुगतान किया है।

सीएम भजनलाल ने कहा कि लगभग 20 लाख श्रमिकों का ई-श्रम पोर्टल पर पंजीयन किया है। इससे असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिल सकेगा। वहीं, इनके कल्याण एवं रोजगार अवसरों में वृद्धि के लिए श्रम-सेतु मोबाइल ऐप शुरू किया है।

सीएम भजनलाल ने कहा कि एससी, एसटी एवं ओबीसी वर्ग के विद्यार्थियों को कक्षा 8 उत्तीर्ण करने पर जन्म प्रमाण पत्र के साथ ही जाति प्रमाण पत्र प्रदान करने की व्यवस्था की है। शहरी क्षेत्र में घुमंतू, अर्द्ध घुमंतू समुदाय के लोगों को करीब डेढ़ हजार पट्टे जारी किए हैं। इन समुदायों के उत्थान के लिए दादूदयाल घुमंतू सशक्तीकरण योजना लागू की है।

सीएम भजनलाल ने कहा कि घुमंतू एवं अर्द्ध-घुमंतू समुदाय और मजदूर वर्ग के परिवारों के बच्चों को हर जिले में शिक्षा के लिए एक स्कूल ऑन व्हील्स स्थापित किया जाएगा। अन्य पिछड़ा वर्ग उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत लगभग 80 हजार से अधिक विद्यार्थियों को 80 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। सीएम भजनलाल ने कहा कि लगभग 2 हजार किसानों को महात्मा ज्योतिबा फूले मंडी श्रमिक कल्याण योजना का लाभ दिया गया है। इस योजना के तहत मंडी श्रमिकों की बेटियों के विवाह के लिए सहायता राशि बढ़ाकर 75 हजार रुपए की गई है। लघु, सीमांत, बटाईदार किसानों और खेतिहर श्रमिकों के बच्चों के लिए राजकीय महाविद्यालयों में राजकीय निधि कोष में लिया जाने वाला शुल्क भी माफ किया है।

इस अवसर पर ओड महासभा के अध्यक्ष प्रेम ओड एवं अन्य पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में ओड समाज के लोग उपस्थित रहे।

एसआई भर्ती-2021 रद्द ही रहेगी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- पानी के गिलास से 2-3 बूंद जहर अलग नहीं कर सकते, पूरा पानी फेंकना पड़ता है

जयपुर, 4 मई (एजेंसियां)। सब-इंस्पेक्टर भर्ती-2021 रद्द ही रहेगी। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने सोमवार को ट्रेनी SI (चयनित अभ्यर्थियों) की स्पेशल लीव पिटीशन (SLP) को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा- हम दिल्ली में बैठकर पता नहीं कर सकते हैं कि राजस्थान में क्या हो रहा है। लेकिन जिस तरह से रोज हमारे सामने भर्ती की गड़बड़ी के 20 मामले (आरोपियों की जमानत व अन्य) सामने आ रहे हैं, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा-पानी के गिलास में दो-तीन बूंद जहर की गिरने पर उसे पानी से अलग नहीं कर सकते हैं। पूरा गिलास ही फेंकना पड़ता है। उसी तरह से इस भर्ती में सही-गलत की छंटनी वर्तमान परिस्थितियों में संभव नहीं है। एसआई भर्ती में संस्थागत लीक हुआ है। राजस्थान लोक सेवा आयोग के एक सदस्य को पेपर लीक मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है, जो प्रणालीगत स्तर पर गंभीर खामियों का संकेत है। इस आरोपी की जमानत भी सुप्रीम कोर्ट पहले ही खारिज कर चुका है।

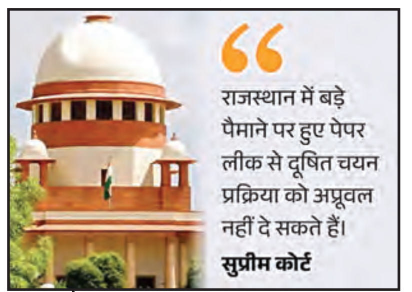

सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि ऐसी स्थिति में दोषी और निर्दोष अभ्यर्थियों का पृथक्करण (सेपरेशन) ही एकमात्र वैधानिक उपाय होता है, लेकिन वर्तमान स्थितियों में यह संभव नहीं है। बेंच ने उदाहरण देते हुए कहा- नीट में 44 एमबीबीएस अभ्यर्थी पकड़े गए थे, तब भी सुप्रीम कोर्ट ने पूरी भर्ती रद्द कर दी थी।

यह टिप्पणी परीक्षा में धांधली के मामलों में कठोर मानक अपनाने का संकेत है। अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा कि राजस्थान में बड़े पैमाने पर हुए पेपर लीक से दूषित चयन प्रक्रिया को वह मंजूरी (अप्रूवल) नहीं दे सकती है।

राजस्थान हाईकोर्ट की एकलपीठ ने 28 अगस्त 2025 को इस भर्ती को रद्द करने का फैसला सुनाया था। इसके बाद हाईकोर्ट की खंडपीठ (डिवीजन बेंच) ने 4 अप्रेल 2026 को फैसला सुनाते हुए इस आदेश को बरकरार रखा था। खंडपीठ के इसी फैसले को चयनित अभ्यर्थियों ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, लेकिन वहां से भी उन्हें निराशा हाथ लगी है।

इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने आज तत्कालीन आरपीएससी चेयरमैन संजय श्रोत्रिय की अपील को भी खारिज कर दिया। संजय श्रोत्रिय ने एकलपीठ द्वारा उनके खिलाफ की गई टिप्पणियों को लेकर एसएलपी दायर की थी।

लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने एसएलपी को खारिज करते हुए कहा कि आप चेयरमैन थे। आपकी चेयरमैनशिप में ही सबकुछ हुआ है। यह सार्वजनिक हित से जुड़ा मामला है, कोई भी टिप्पणी नहीं हटेगी। दरअसल, एकलपीठ ने 28 अगस्त 2025 को भर्ती रद्द करते हुए पेपर लीक में RPSC के तत्कालीन अध्यक्ष और सदस्यों की भूमिका पर सवाल खड़े किए थे।

कोर्ट ने कहा था कि चेयरमैन ने ऐसे सदस्य को परीक्षा की जिम्मेदारी दी, जिस पर पहले ही दूसरी भर्ती के पेपर लीक में शामिल होने के आरोप लग चुके थे। उसी सदस्य ने परीक्षा से 35 दिन पहले भर्ती का पेपर रद्द कर दिया।

इनोवा क्रिस्टा और स्कूटी के बीच आमने-सामने टक्कर

3 युवकों की मौत

उदयपुर, 4 मई (एजेंसियां)। राजस्थान से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। बता दे की उदयपुर में इनोवा क्रिस्टा और स्कूटी के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। स्कूटी सवार 3 युवकों की मौत हो गई, जबकि कार सवार 2 लोग घायल हैं। इस हादसे के बाद आस पास के इलाके में अफरा तफरी मच गई। मिली जानकारी के मुताबिक बता दे की दोनों गाड़ियां ब्रिज की रेलिंग तोड़ती हुईं करीब 40 फीट नीचे जा गिरीं। हादसा प्रतापनगर थाना इलाके में हुआ। प्रतापनगर थानाधिकारी पूरणसिंह राजपुरोहित ने कहा- टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कूटी के परखच्चे उड़ गए। युवकों को संभलने का मौका ही नहीं मिला।

आईएमडी का ऑरेंज-येलो अलर्ट, मूसलाधार बारिश और ओले गिरने के बाद नई चेतावनी जारी

जयपुर, 4 मई (एजेंसियां)। सीकर में मौसम का मिजाज नरम रहा। इस दौरान बादलवाही के चलते दिन में धूप की तल्खी कम रही। तापमान में भी गिरावट दर्ज हुई।

फतेहपुर कृषि अनुसंधान केंद्र में न्यूनतम पारा .5 डिग्री से. लुढ़ककर 22.4 और दिन का पारा दो डिग्री गिरकर 37 डिग्री दर्ज हुआ। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार जिले में आगामी चार दिन बारिश की संभावना रहेगी। इस संबंध में केंद्र ने येलो व ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

वहीं अगले 3 घंटे के लिए मौसम विभाग ने टोंक, सवाईमाधोपुर, करौली, धौलपुर, भरतपुर, दौसा और आसपास के क्षेत्रों में कहीं-कहीं हल्की बारिश और गरज-चमक के साथ तेज

हवाएं चलने का येलो अलर्ट जारी किया है।

इन जिलों में आज बारिश का ऑरेंज अलर्ट

मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार प्रदेश में सोमवार को एक मजबूत पश्चिमी विक्षोभ सक्रिया होगा। इसके असर से सीकर जिले में आगामी चार दिनों तक बारिश की संभावना है। केंद्र ने सोमवार को 60 से 70 किमी प्रति घंटे की गति वाली हवाओं, बिजली की चमक व मेघगर्जन के साथ बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

इसके बाद के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। केंद्र के अनुसार बारिश से जिले सहित प्रदेश में आगामी दिनों में तापमान में गिरावट के साथ गर्मी से राहत मिलेगी।

शहर में ज्यादा रही गर्मी

फतेहपुर के मुकाबले सीकर शहर में सोमवार को गर्मी का असर ज्यादा रहा। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के अनुसार शहर में न्यूनतम तापमान 22.2 और अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री दर्ज हुआ।

एक घंटे झमाझम बारिश, ओले गिरे

बारां जिले के राजपुर कस्बे सहित आस-पास के क्षेत्र में शाम 4 बजे से डेढ़ घंटे तक मूसलाधार बारिश आंधी और साथ ही लगभग 10 मिनट तक चने के आकार के ओले पड़ने से भीषण गर्मी में आमजन को राहत मिली।

वहीं किसान पशुओं को खिलाने के लिए रखे चारे को तिरपाल इत्यादि से ढकने का जतन करते नजर आए, बारिश होने के कारण तापमान में गिरावट के साथ ही मौसम खुशनुमा हो गया। कस्बाथाना क्षेत्र में भी घंटेभर तक तेज बारिश हुई।

12वीं के छात्र की हत्या के बाद फूटा गुस्सा

आरोपियों के घरों में लगाई आग, भारी पुलिस बल तैनात

प्रतापगढ़, 4 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में प्रतापगढ़ जिले के धरियावद उपखंड के पाटला बावड़ी गांव में मामूली विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया, जिसमें 12वीं कक्षा के 17 वर्षीय छात्र नाथूलाल मीणा पुत्र भीखाराम मीणा निवासी पाटला बावड़ी की चाकूबाजी में मौत हो गई। जानकारी के अनुसार पारसोला थाना क्षेत्र के पाटला बावड़ी गांव में गांव में आयोजित एक सामाजिक कार्यक्रम के दौरान देर रात कहासुनी शुरू हुई, जो बाद में गंभीर झगड़े में बदल गई।

बताया जा रहा है कि विवाद के बाद जब नाथूलाल अपने घर लौट रहा था, तभी पाटला बावड़ी मोड़ पर पहले से घात लगाए बैठे आरोपियों ने उसे घेर लिया और उस पर चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

घटना के बाद गांव में तनावपूर्ण माहौल बन गया और आक्रोशित ग्रामीणों ने आरोपियों के घरों में आग लगा दी। जिसके कई घर पूरी तरह जलकर राख हो गए। हालात बिगड़ते देख पुलिस प्रशासन हरकत में आया और मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। सोमवार को गांव में शांति है। लेकिन, ग्रामीणों में भय का माहौल है।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी सहित 5-6 संदिग्धों को डिटेन कर लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य भी मौके पर पहुंचे। फिलहाल गांव में शांति बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

हिस्ट्रीशीटर हत्याकांड के आरोपियों की पुलिस से मुठभेड़

जवाबी फायरिंग में 3 आरोपी घायल, जयपुर रेफर

दौसा, 4 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा जिले में सोमवार तड़के पुलिस और हिस्ट्रीशीटर धर्मेंद्र मीणा हत्याकांड के आरोपियों के बीच मुठभेड़ हो गई। यह घटना लालसोट क्षेत्र में बिनोरी मोड़ के पास सुबह करीब 3 बजे हुई, जब पुलिस और डीएसटी टीम आरोपियों की तलाश में दबिश देने पहुंची थी।

आरोपियों ने पुलिस से बचकर भागने की कोशिश की और पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। हालांकि इस दौरान पुलिस टीम बाल-बाल बच गई और किसी जवान को गोली नहीं लगी। तभी पुलिस ने जवाबी फायरिंग की। हत्याकांड का मुख्य आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हो गया। वहीं, दो अन्य आरोपी भी भागने के प्रयास में चोटिल हो गए।

मौके पर मौजूद पुलिस टीम ने मुख्य आरोपी चेतराम सहित देशराज उर्फ देशू और कल्लू उर्फ राज गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई लालसोट थानाधिकारी के नेतृत्व में की गई, जिसमें डीएसटी की टीम भी शामिल रही। घटना की सूचना मिलते ही एफएसएल व एमओवी की टीम भी मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। इस दौरान मंडावरी थानाधिकारी सुधीर उपाध्याय भी मौके पर मौजूद रहे।

तीनों घायल पहले दौसा और फिर जयपुर रेफर

पुलिस ने मुठभेड़ में घायल तीनों बदमाशों को उपचार के लिए लालसोट जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को दौसा जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इसके बाद घायलों को उपचार के जयपुर रेफर किया गया। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

लालसोट के कोथून मार्ग पर जमात चौराहे के निकट 10 अप्रेल की दोपहर हिस्ट्रीशीटर धर्मेंद्र मीणा की गोली मारकर हत्या कर दी थी। फायरिंग से कुछ देर पहले ढाबे पर धर्मेंद्र व कुछ युवकों ने दो अलग-अलग टेबलों पर खाना खाया था। एक टेबल पर 5 और दूसरी पर 3 युवक अलग-अलग बैठकर खाना खा रहे थे। इस दौरान दोनों टेबलों के युवकों में कहासुनी हुई थी।

आईएएस सौम्या झा के ऑफिस को मिली बम से उड़ाने की धमकी

दहशत में आए अधिकारी-कर्मचारी

दौसा, 4 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद पूरे कलेक्ट्रेट परिसर को तत्काल खाली कराते हुए चारों ओर से सुरक्षा घेरा बना दिया गया। बताया जा रहा कि कलेक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी वाले ईमेल में जहरीली गैस वाले बम होने की बात कही गई थी, जिसके बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हो गईं। किसी भी संभावित खतरे को ध्यान में रखते हुए परिसर में सघन तलाशी अभियान शुरू किया गया। कलेक्टर सौम्या झा के चेंबर की गहनता से जांच की गई, साथ अन्य शाखाओं में भी जांच की गई। मौके पर जिला विशेष शाखा, क्यूआरटी और कालिका पेट्रोलिंग यूनिट की टीमें पहुंचकर हर कोने की बारीकी से जांच कर रही हैं। बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड को भी अलर्ट पर रखा गया है, ताकि किसी भी संदिग्ध वस्तु की तुरंत पहचान की जा सके। एएसपी योगेंद्र फौजदार ने बताया कि एक ईमेल प्राप्त हुआ था जिसमें लिखा हुआ है कि दौसा कलेक्ट्रेट में जहरीली गैस वाले बम है और सवा 12 बजे बम धमाका होगा। इस प्रकार धमकी भरे ईमेल प्राप्त होने के बाद पूरे कलेक्टरेट केंपस में सर्च ऑपरेशन चलाया गया था। कलेक्ट्रेट के सभी अधिकारियों के चेंबर, विभिन्न शाखाओं के रूम्स और कलेक्ट्रेट कैंपस के ओपन एरिया में भी चेकिंग की गई है।

पांचना बांध विवाद फिर गरमाया: अदालत के आदेश के बाद नहरों में पानी छोड़ने की कवायद तेज, जमीन पर टकराव की स्थिति

करौली, 4 मई (एजेंसियां)। करौली जिले का पांचना बांध एक बार फिर चर्चा के केंद्र में आ गया है। राजस्थान हाईकोर्ट के सख्त निर्देशों के बाद नहरों में पानी छोड़ने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। हालांकि प्रशासन अलर्ट मोड पर है, लेकिन जमीनी स्तर पर पुराने सामाजिक और क्षेत्रीय विवाद के कारण टकराव की स्थिति बनी हुई है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट आदेश दिया था कि 1 मई तक हर हाल में पांचना बांध से नहरों में पानी छोड़ा जाए। आदेश की अवहेलना पर जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से पेश होने की चेतावनी भी दी गई थी। इसके बाद विभाग ने तेजी से काम शुरू किया और नहरों की सफाई, मरम्मत और निगरानी के लिए कई अभियंताओं की तैनाती की गई।

एडिशनल चीफ इंजीनियर सुरेशचंद ने नहरी क्षेत्र का दौरा कर तैयारियों का निरीक्षण किया। विभागीय निर्देशों के अनुसार अलग-अलग खंडों में अभियंताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, ताकि पानी छोड़ने की प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा न आए और काम समय पर पूरा हो सके।

पांचना बांध का निर्माण करौली और सवाई माधोपुर के 35 गांवों की लगभग 9,985 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई के उद्देश्य से किया गया था। लेकिन वर्ष 2005 के बाद से नहरों में पानी नहीं पहुंच पाया। अब कोर्ट के आदेश के बाद कमांड एरिया के किसानों में उम्मीद जगी है कि उन्हें इस बार सिंचाई के लिए पानी मिल सकेगा। विवाद की जड़ में बांध से प्रभावित 39 गांव और कमांड एरिया के किसान हैं। प्रभावित गांवों का कहना है कि उनकी जमीन डूब क्षेत्र में गई है, इसलिए पानी पर पहला अधिकार उनका है। वहीं कमांड एरिया के किसान वर्षों से पानी का इंतजार कर रहे हैं और नहरों में पानी छोड़े जाने की मांग कर रहे हैं।

यह विवाद केवल पानी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे सामाजिक और राजनीतिक कारण भी जुड़े हुए हैं। गुर्जर और मीणा समुदायों के बीच पहले से चली आ रही खाई इस मुद्दे को और जटिल बना रही है। पूर्व में हुए आंदोलन और टकराव की घटनाएं आज भी लोगों के मन में बनी हुई हैं, जो ऐसे मामलों में फिर सामने आ जाती हैं। 2008 से 2013 के बीच लिए गए निर्णय भी विवाद का कारण बने हुए हैं। आरोप है कि 39 गांवों की योजना को घटाकर केवल 13 गांवों तक सीमित कर दिया गया, जिससे असंतोष और गहरा गया। स्थानीय लोग इसे राजनीतिक हस्तक्षेप का परिणाम मानते हैं। पांचना संघर्ष समिति के सदस्य अशोक सिंह धाबाई ने कहा कि हाईकोर्ट का आदेश किसानों के लिए न्याय की दिशा में अहम कदम है।

नीट परीक्षा के डर से छात्र ने रची खुद के अपहरण की साजिश, एआई से बनाया फर्जी वीडियो

कोटा, 4 मई (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी का दबाव छात्रों पर किस कदर हावी है, इसका एक चौंकाने वाला मामला 'कोचिंग सिटी' कोटा में सामने आया है। यहां एक नाबालिग छात्र ने परीक्षा के तनाव से बचने के लिए किसी फिल्मी पटकथा की तरह खुद के अपहरण की झूठी साजिश रच डाली। इस ड्रामे को सच दिखाने के लिए छात्र ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सहारा लेकर एक फर्जी वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिससे पुलिस महकमे और परिजनों में हड़कंप मच गया।

एआई से तैयार किया 'फर्जी' वीडियो

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नियति शर्मा ने बताया कि यह छात्र पिछले दो सालों से कोटा में रहकर नीट की तैयारी कर रहा था। वह किसी कोचिंग संस्थान के बजाय सेल्फ स्टडी कर रहा था। परीक्षा वाले दिन जब उसे केंद्र पर होना चाहिए था, तब उसने खुद का एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया। वीडियो देखकर ऐसा लग रहा था कि उसका अपहरण हो गया है। परिजनों ने जैसे ही यह वीडियो देखा, उनके पैरों तले जमीन खिसक गई और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।

महज कुछ घंटों में खुला राज

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत तकनीकी संसाधनों और साइबर सेल की मदद ली। छात्र की लोकेशन ट्रैक की गई और महज कुछ ही घंटों में उसे सुरक्षित बरामद कर लिया गया। जब पुलिस ने छात्र से कड़ाई से पूछताछ की, तो सारा सच सामने आ गया। छात्र ने कबूल किया कि उसने AI तकनीक का इस्तेमाल कर वह वीडियो बनाया था ताकि घरवाले यह समझें कि वह मुसीबत में है और उसे परीक्षा न देनी पड़े। दरअसल, वह परीक्षा के लिए तैयार नहीं था और फेल होने के डर से डरा हुआ था।

धर्मांतरण विवाद पर बवाल, कलीनजरा में भीड़ का हमला

चार आरोपी गिरफ्तार

बांसवाड़ा, 4 मई (एजेंसियां)। बांसवाड़ा जिले के कुशलगढ़ थाना क्षेत्र के कलीनजरा गांव में कथित धर्मांतरण की सूचना के बाद हालात अचानक बिगड़ गए और इलाके में सनसनी फैल गई. राज्य में धर्मांतरण विरोधी कानून 2025 लागू होने के बावजूद इस तरह की गतिविधियों की खबर ने प्रशासन को सतर्क कर दिया. मौके पर पहुंचे विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ताओं पर भीड़ ने हमला कर दिया, जिसमें तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए.

घटना के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. इस घटना ने आदिवासी क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था और धार्मिक गतिविधियों को लेकर नई बहस छेड़ दी है, वहीं प्रशासन पूरे मामले की गहन जांच में जुटा हुआ है.

क्या है पूरा मामला

जानकारी के अनुसार, घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें करीब 100-150 लोग एक साथ किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल होते दिख रहे हैं. इस सभा में शामिल लोगों ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि किसी तरह का धर्मान्तरण जैसा मामला नहीं है. हम सिर्फ प्रार्थना और धार्मिक कार्यक्रम कर रहे थे. वहीं शिकायतकर्ता की ओर से कहा गया कि इसके पीछे धर्मांतरण का मामला है पानी के कुंड में नहलाकर धर्मांतरण किया जा रहा था.

पुलिस ने चार लोगों को किया गिरफ्तार

कुशलगढ़ थानाधिकारी ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए मुख्य नामजद आरोपी अनिल रावत, आतिश, देवचंद और निलेश उर्फ इस्माइल को गिरफ्तार कर लिया है. फिलहाल पुलिस प्रशासन क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अन्य फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दे रहा है. राजस्थान में गैरकानूनी धर्म परिवर्तन निषेध विधेयक, 2025 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है. प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभा के लिए किसी प्रकार की अनुमति नहीं ली गई थी. स्थानीय लोगों ने धर्मांतरण के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यहां केवल धार्मिक सभा का आयोजन हो रहा था.

1000 किमी तक पीछा, 100 से अधिक सीसीटीवी खंगाले

दिल्ली-हरियाणा से चेन स्नेचिंग के 4 आरोपी अरेस्ट

सवाई माधोपुर, 4 मई (एजेंसियां)। सवाईमाधोपुर की मानटाउन थाना पुलिस ने दस दिन पूर्व कलक्ट्रेट निवास चौराहे पर बुजुर्ग महिला से हुई चेन स्नैचिंग वारदात का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मुख्य दो चेन स्नैचरों सहित कुल चार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर सोने की चेन बरामद की। मानटाउन थानाधिकारी सुनील कुमार गुप्ता के अनुसार गिरफ्तार आरोपी अभिषेक वर्मा उर्फ नरेन्द्र निवासी सुल्तानपुरी दिल्ली, गुलशन शर्मा निवासी श्याम नगर लखेसरा कानोता जयपुर, वाहन मालिक सरिता वाल्मिकी निवासी मुबारकपुर रोहिणी दिल्ली और लूट का माल खरीदने वाले विकास उर्फ पम्मी वर्मा निवासी ठाकुरान मोहल्ला दादरी निवासी दिल्ली है।

मानटाउन थानाधिकारी सुनील कुमार गुप्ता ने बताया कि 22 अप्रेल की सुबह करीब सवा छह बजे 60 वर्षीय कृष्णा देवी जैन अपनी साथी इन्द्रा शर्मा के साथ मॉर्निंग वॉक कर रही थीं। थकान मिटाने के लिए वे कलक्ट्रेट निवास चौराहे पर बैठी ही थी कि बाइक सवार बदमाश उनके गले से करीब ढाई तोला सोने की चेन तोड़कर फरार हो गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने इसे चुनौती मानते हुए कई विशेष टीमों का गठन किया। पुलिस ने सवाईमाधोपुर से बांदीकुई तक करीब 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे खंगाले। जांच में सामने आया कि वारदात में प्रयुक्त स्कूटी दिल्ली निवासी सरिता के नाम पर थी। पूछताछ में सरिता ने कबूल किया कि उसने अपने साथी अभिषेक वर्मा और गुलशन शर्मा के साथ मिलकर वारदात की योजना बनाई थी। वारदात से एक दिन पूर्व उन्होंने महिलाओं की रैकी की और अगले दिन चेन स्नैचिंग को अंजाम दिया।

2 लाख इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स को हर साल प्रशिक्षित करना उद्योग की जिम्मेदारी: आईटी मंत्री

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के आईटी और उद्योग मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू ने सोमवार को आईटी उद्योग से अपील की कि वे राज्य के विशाल इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स के कौशल विकास और मार्गदर्शन की जिम्मेदारी सीधे तौर पर लें। उन्होंने कहा कि केवल कक्षा में दी जाने वाली शिक्षा से अकादमिक ज्ञान और उद्योग की आवश्यकताओं के बीच की खाई को पाटा नहीं जा सकता। मंत्री श्रीधर बाबू हैदराबाद स्थित आईटी सर्विसेज कंपनी पीएसआर टेकहब के 10वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम ताज विवांता, बेगमपेट में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में उद्यमियों और युवा पेशेवरों को संबोधित करते हुए मंत्री ने इस चुनौती और अवसर के पैमाने को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के संस्थानों से हर साल लगभग 2 लाख इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स निकलते हैं, ऐसे में उन्हें उद्योग के लिए तैयार करने की जिम्मेदारी केवल सरकार पर नहीं हो सकती। मंत्री ने कहा, उद्योग को आगे आना होगा – सिर्फ इन युवाओं को रोजगार देने के लिए नहीं, बल्कि उन्हें प्रशिक्षित करने, मार्गदर्शन देने और आकार देने के लिए भी। उन्होंने राज्य की आईटी कंपनियों से संरचित स्किलिंग और मेंटरशिप कार्यक्रमों को संस्थागत रूप देने का आग्रह किया। इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम की घोषणा करते हुए मंत्री ने बताया कि तेलंगाना सरकार अगले कुछ महीनों में अपना एआई हब शुरू करने जा रही है। यह एक समर्पित सुविधा होगी, जो सॉफ्टवेयर इंजीनियरों के लिए अपस्किलिंग और रिस्किलिंग कार्यक्रम प्रदान करेगी।

पीएसआर टेकहब की सराहना करते हुए मंत्री ने कहा कि यह कंपनी अन्य कंपनियों के लिए एक आदर्श है। उन्होंने बताया कि इस कंपनी ने अब तक 250 से अधिक लोगों को रोजगार दिया है और यह दिखाती है कि मध्यम स्तर की घरेलू आईटी कंपनियां भी राज्य के तकनीकी कार्यबल में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। संस्थापक श्री रंगा राव और पूरी पीएसआर टेकहब टीम को बधाई देते हुए मंत्री ने कंपनी की यात्रा को अनुशासित उद्यमिता और मजबूत नेतृत्व का उदाहरण बताया। 2016 में स्थापित इस कंपनी ने कोविड-19 महामारी जैसी चुनौतियों के बावजूद 120 करोड़ रुपए का कारोबार हासिल किया है। मंत्री के आह्वान पर प्रतिक्रिया देते हुए निदेशक पी. नम्युता ने भावुक अंदाज में पीएसआर टेकहब की ओर से प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा, मंत्री श्रीधर बाबू ने हमें दिशा दिखाई है। हम नए इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स को प्रशिक्षित करेंगे, उनका मार्गदर्शन करेंगे और उन्हें इस उद्योग में स्थापित होने में मदद करेंगे – क्योंकि कभी किसी ने हमारे लिए भी यही किया था, और हम उसे नहीं भूले हैं। निदेशक नम्युता ने यह भी घोषणा की कि पीएसआर टेकहब वैश्विक स्तर पर अपने विस्तार की तैयारी कर रही है और उसके ग्राहक दुनिया भर में स्थापित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि कंपनी का मौजूदा 250 कर्मचारियों का परिवार अगले तीन वर्षों में बढ़कर 1,000 कर्मचारियों तक पहुंच जाएगा।

बंगाल में जीत पर हैदराबाद में मिठाइयां बंटी

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता मीर फ़िरासत अली बाक़री ने हैदराबाद के पुराने शहर में चारमीनार विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले आज़ा खाना ज़हरा एक्स रोड, दारूलशिफ़ा में मिठाइयों का वितरण किया। इस अवसर पर बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं के साथ मौजूद मीर फ़िरासत अली बाक़री ने कहा कि बीजेपी पश्चिम बंगाल में सरकार बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। बीजेपी तेलंगाना के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता मीर फ़िरासत अली बाक़री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में मिली यह ऐतिहासिक जीत कार्यकर्ताओं के अटूट समर्पण का प्रमाण है, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद पार्टी का झंडा ऊंचा रखा। इस अवसर पर अशोक गांधी, श्रीधर यादव, सुरजीत ठाकुर, अब्बास रज़ा और ग्रेस भी उपस्थित थे।

तेलंगाना कैबिनेट की बैठक में कई अहम फैसले

होगी बिजली घोटालों की सीबीआई जांच, जमीन दरों में संशोधन

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य मंत्रिमंडल की मंगलवार को हुई बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। सबसे अहम निर्णय बिजली खरीद और भद्राद्री-यादाद्री थर्मल प्रोजेक्ट्स में कथित अनियमितताओं की जांच रिपोर्ट को सीबीआई को सौंपने का रहा।

कैबिनेट ने आयोग की रिपोर्ट पर चर्चा के बाद निष्पक्ष जांच के लिए मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का निर्णय लिया। इस जांच के लिए पहले रिटायर्ड जस्टिस एल. नरसिम्हा रेड्डी की अध्यक्षता में आयोग बना था, बाद में जस्टिस मदन बी. लोकूर को नियुक्त किया गया था। राज्य में जमीन की कीमतों को लेकर भी बड़ा फैसला लिया गया। कैबिनेट ने बाजार दरों के अनुसार भूमि मूल्यों को संशोधित करने की मंजूरी दी है। संशोधित दरें इसी महीने के अंतिम सप्ताह से लागू होंगी।

मंत्रियों एक समूह ने मंत्रिमंडल की बैठक के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि हिल्ट पॉलिसी के तहत आवेदन करने वालों को भी राहत दी गई है। अब आवेदक 10 प्रतिशत राशि जमा कर आवेदन सुरक्षित रख सकते हैं और शेष 90 प्रतिशत राशि 90 दिनों में जमा करनी होगी।

हाल ही में हुई बेमौसम बारिश से फसलों को हुए नुकसान पर मुख्यमंत्री ने संबंधित जिलों के मंत्रियों को तुरंत रिपोर्ट लेकर किसानों की मदद करने के निर्देश दिए हैं। कैबिनेट ने नलगोंडा-रंगारेड्डी दुग्ध उत्पादक संघ (एनएआरएमएसी) को नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (एनडीडीबी) को सौंपने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इससे डेयरी संचालन, प्रोसेसिंग और मार्केटिंग एनडीडीबी के तहत होगी। ऊर्जा क्षेत्र में 9 जिलों में 33/11 केवी सबस्टेशनों पर सोलर पावर प्लांट स्थापित करने को मंजूरी दी गई है। पायलट आधार पर 18 स्थानों पर करीब 66.50 करोड़ रुपये की लागत से 19 मेगावाट परियोजनाएं स्थापित की जाएंगी। ग्रेटर हैदराबाद, साइबराबाद और मलकाजगिरी नगर निगमों में लंबित सरकारी बकाया वसूली के लिए वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) योजना को मंजूरी दी गई है। इससे करीब 1686 करोड़ रुपये की वसूली होने का अनुमान है। इसके अलावा खम्मम जिले में बुग्गवागु से लेफ्ट फ्लड फ्लो कैनाल निर्माण, सभी आईटीआई और पॉलिटेक्निक संस्थानों को यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी के अंतर्गत लाने तथा रंगारेड्डी जिले के मोइनाबाद में 42 एकड़ में आधुनिक सब्जी बाजार स्थापित करने जैसे प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई।

कावल में 35 से ज्यादा बाघों के लिए पर्याप्त शिकार

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कावल बाघ अभ्यारण्य पर किए गए एक नए अध्ययन में सामने आया है कि यहां 35 से अधिक बाघों के लिए पर्याप्त शिकार उपलब्ध है, लेकिन उनकी संख्या बढ़ाने के लिए अन्य समस्याओं का समाधान जरूरी है। अध्ययन के अनुसार, अभ्यारण्य में बाघों की स्थायी आबादी अभी नहीं है, हालांकि पिछले कुछ वर्षों में दूसरे क्षेत्रों से कुछ बाघ यहां आए हैं। लेकिन मादा बाघों की कमी के कारण उनकी संख्या बढ़ना मुश्किल है। शोध में पाया गया कि चीतल की संख्या बढ़ी है, जबकि अन्य शिकार प्रजातियां लगभग स्थिर हैं। मौजूदा स्थिति में यह क्षेत्र करीब 35 से 41 बाघों का भरण-पोषण कर सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि बाघों की संख्या बढ़ाने के लिए जंगलों का सुधार, सुरक्षित गलियारे और मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करना जरूरी होगा। अध्ययन में यह भी बताया गया कि सड़क, रेल लाइन और खनन जैसी गतिविधियां बाघों की आवाजाही में बाधा बन रही हैं। शोधकर्ताओं ने सुझाव दिया है कि बाघों की आवाजाही के लिए विशेष रास्ते बनाए जाएं और स्थानीय लोगों के साथ मिलकर संरक्षण कार्य किया जाए, तभी यहां बाघों की संख्या बढ़ाई जा सकती है।

तेलंगाना बिहार सहयोग समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी चंद्रदेव सिंह का निधन

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बिहार सहयोग समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं दुर्गा माता मंदिर के संस्थापक चंद्रदेव सिंह का सोमवार दोपहर निधन हो गया। उन्होंने सिकंदराबाद के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उनके निधन की खबर मिलते ही समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में उनके निवास पर पहुंचकर अंतिम दर्शन किए और श्रद्धांजलि अर्पित की। समिति के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव ने बताया कि स्वर्गीय चंद्रदेव सिंह समाजसेवा के प्रति समर्पित व्यक्ति थे। उन्होंने अपने जीवनकाल में अनेक सामाजिक कार्यों में सक्रिय योगदान दिया। दुर्गा माता मंदिर के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसे क्षेत्र के लोगों द्वारा सदैव याद किया जाएगा।जानकारी के अनुसार, उनका अंतिम संस्कार मंगलवार दोपहर उनके निवास, दुर्गा माता मंदिर, इंदिरा नेहरू नगर, मल्काजगिरी से मारेडपल्ली श्मशान घाट पर किया जाएगा। उनके निधन से समाज में शोक की लहर है और लोगों ने इसे अपूरणीय क्षति बताया है।

उस्मान सागर व हिमायत सागर में पानी हरा, जलापूर्ति विभाग सतर्क

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भीषण गर्मी के बीच उस्मान सागर और हिमायत सागर जलाशयों के पानी का रंग पिछले कुछ सप्ताह से हरा होने लगा है, जिससे नगर जलापूर्ति एवं सीवरेज प्राधिकरण के लिए चिंता की स्थिति उत्पन्न हो गई है। अधिकारियों ने स्थिति पर सतत निगरानी रखते हुए समस्या के समाधान और स्वच्छ व सुरक्षित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। अधिकारियों के अनुसार, अप्रैल की शुरूआत से ही पानी के रंग में परिवर्तन देखा जा रहा है।

इसके संभावित कारणों में पिछले वर्ष के वर्षाकाल के दौरान जलाशयों में अत्यधिक जल प्रवाह शामिल है। उस समय ऊपरी क्षेत्रों से बड़ी मात्रा में अवांछित वनस्पति बहकर आई और जलनिकास द्वारों पर जमा हो गई थी, जो अब पानी के रंग में परिवर्तन का कारण बन रही हो सकती है।

इसके अतिरिक्त, वर्तमान ग्रीष्म ऋतु की तीव्र गर्मी को भी इस परिवर्तन का एक कारण माना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि तापमान बढ़ने के साथ ही यह परिवर्तन अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। नगर जलापूर्ति प्राधिकरण के प्रबंध निदेशक के. अशोक रेड्डी ने इन जलाशयों से जल प्राप्त करने वाले लगभग एक लाख उपभोक्ताओं के लिए सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित करने हेतु विशेष दल तैनात किए हैं। उपायों के अंतर्गत जल स्रोत से लेकर उपभोक्ताओं के घरों तक नियमित रूप से जल के नमूने एकत्र किए जा रहे हैं। प्रतिदिन लगभग 3,000 नमूनों की जांच गुणवत्ता परीक्षण प्रभाग द्वारा की जा रही है, ताकि जल की शुद्धता सुनिश्चित की जा सके। ये दोनों जलाशय पुराने शहर के बड़े हिस्से के लिए जीवन रेखा के समान हैं। यहां से प्राप्त जल से पुराने शहर के लगभग 70 प्रतिशत क्षेत्र की जल आवश्यकता पूरी होती है, जबकि शेष 30 प्रतिशत जल बंजारा हिल्स, जुबली हिल्स और रेड हिल्स के कुछ हिस्सों में आपूर्ति किया जाता है।

मक्का-ज्वार को पीएसएस में शामिल करने और खरीद सीमा हटाने की मांग

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने केंद्र सरकार से मक्का और ज्वार फसलों को मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) में शामिल करने की मांग की है। साथ ही चना और सूरजमुखी फसलों पर लागू 25 प्रतिशत खरीद सीमा को हटाने का भी अनुरोध किया है। इस संबंध में उन्होंने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को एक बार फिर पत्र लिखकर आग्रह किया। मंत्री ने कहा कि राज्य में रबी (यासंगी) सीजन में पैदा हुई चना और सूरजमुखी फसलों पर केंद्र द्वारा तय 25 प्रतिशत खरीद सीमा के कारण किसानों को परेशानी हो रही है। शेष फसल राज्य सरकार को खरीदनी पड़ रही है, जिससे राज्य पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

उन्होंने बताया कि केंद्र ने चना की 29,860 मीट्रिक टन और सूरजमुखी की 3,690 मीट्रिक टन खरीद की अनुमति दी थी, जो पिछले सप्ताह ही पूरी हो चुकी है। इसके बावजूद किसानों के पास अभी भी बड़ी मात्रा में फसल बची हुई है और वे बाजारों में ला रहे हैं। मंत्री ने केंद्र से चना खरीद सीमा बढ़ाकर 1,12,077 मीट्रिक टन और सूरजमुखी की खरीद 10,839 मीट्रिक टन तक करने की अनुमति देने की मांग की है।

तुम्मला नागेश्वर राव ने कहा कि तेलंगाना में मक्का और ज्वार की बड़े पैमाने पर खेती होती है। इस रबी सीजन में 11.21 लाख एकड़ में मक्का की खेती हुई है और औसत उपज 26.57 क्विंटल प्रति एकड़ रही है। वहीं ज्वार की खेती 3.68 लाख एकड़ में हुई है और इसकी उपज लगभग 10 क्विंटल प्रति एकड़ रहने का अनुमान है।

उन्होंने बताया कि बाजार में उचित मूल्य नहीं मिलने के कारण राज्य सरकार ने 246 खरीद केंद्र स्थापित कर इस रबी सीजन में लगभग 3.99 लाख मीट्रिक टन मक्का न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी है। वहीं पिछले खरीफ सीजन में भी 3.76 लाख मीट्रिक टन मक्का खरीद पर करीब 902.80 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे।

गर्मी और बारिश से सब्जियां महंगी, टमाटर के दाम तीन गुना

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भीषण गर्मी और बेमौसम बारिश के कारण शहर में सब्जियों की आपूर्ति प्रभावित हो गई है, जिससे कीमतों में तेज बढ़ोतरी देखी जा रही है।

टमाटर के दाम सबसे ज्यादा बढ़े हैं। दो हफ्ते पहले 10 रुपये किलो बिकने वाला टमाटर अब 30 से 40 रुपये किलो तक पहुंच गया है। किसानों के अनुसार, गर्मी और बारिश से फसल खराब हो गई है, जिससे पैदावार कम हुई और बाजार में सब्जियों की कमी हो गई। भिंडी, बैंगन, फूलगोभी, बीन्स और पत्तागोभी जैसी अन्य सब्जियों के दाम भी बढ़ गए हैं। भिंडी 70 रुपये किलो, बैंगन 50 रुपये किलो और पत्तागोभी 40 रुपये किलो बिक रही है।

मंडी के व्यापारियों का कहना है कि गांवों से कम आपूर्ति होने के कारण कीमतें बढ़ रही हैं और मानसून आने तक यही स्थिति बनी रह सकती है। पत्तेदार सब्जियों की भी कमी हो गई है, जिससे धनिया, पुदीना जैसी चीजें महंगी हो गई हैं।

शहर में सब्जियां आसपास के जिलों से आती हैं, लेकिन अभी आपूर्ति कम होने से आम लोगों को महंगाई का सामना करना पड़ रहा है।

नगर निगम कार्यालय में आग, बड़ा हादसा टला

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद नगर निगम के अंतर्गत सेरिलिंगमपल्ली जोनल कमिश्नर कार्यालय में सोमवार को आग लग गई। जानकारी के अनुसार, आग कमिश्नर के कक्ष में लगी, जिससे वहां रखा फर्नीचर जलकर खाक हो गया और काफी नुकसान हुआ। हालांकि, समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। मामले की जांच की जा रही है।

विपक्ष पर झूठे केस दर्ज कर रही सरकार : केटीआर

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस सरकार पर विपक्षी नेताओं के खिलाफ मनगढ़ंत मामले दर्ज कर प्रतिशोध की राजनीति करने का आरोप लगाया है। सोमवार को वह पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ संगारेड्डी जेल में नेता मन्ने कृशांक से मिलने पहुंचे। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कृशांक एक वकील और पीएचडी धारक हैं, जो तेलंगाना आंदोलन के समय से सक्रिय रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की कथित गड़बड़ियों को उजागर करने के कारण कृशांक को निशाना बनाया गया है। उनके खिलाफ करीब 35 मामले दर्ज किए गए हैं और उन्हें 12 दिनों तक जेल में रखा गया।

केटीआर ने कहा कि सरकार पुलिस का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्यों के लिए कर रही है और कानून-व्यवस्था पर ध्यान देने के बजाय सोशल मीडिया पर ज्यादा कार्रवाई हो रही है। उन्होंने फोन टैपिंग और पत्रकारों को परेशान करने के भी आरोप लगाए। उन्होंने कृशांक की गिरफ्तारी को गलत बताते हुए कहा कि पार्टी इस मामले में कोर्ट का रुख करेगी और अपने नेताओं व कार्यकर्ताओं के साथ खड़ी रहेगी।

खरीद केंद्र पर किसान की मौत, परिवार में शोक

नलगोंडा, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नकरेकल के नेल्लीबांडा स्थित धान खरीद केंद्र पर सोमवार को एक किसान की अचानक मौत हो गई, जिससे परिवार में शोक और किसानों में चिंता का माहौल है। मृतक की पहचान 68 वर्षीय मोहम्मद नसीरुद्दीन के रूप में हुई है, जो बाबासाहेब गुडेम के रहने वाले थे। वे अपना धान लेकर खरीद केंद्र पहुंचे थे, तभी अचानक धान के ढेर पर गिर पड़े। स्थानीय लोग उन्हें तुरंत अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

आशंका है कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा था। बताया जा रहा है कि पिछले दो दिनों में खरीद केंद्रों पर इस तरह की यह तीसरी घटना है। इससे पहले रंगारेड्डी में लू लगने और जयशंकर भूपालपल्ली में बिजली गिरने से भी दो किसानों की मौत हो चुकी है।

ऑक्सीजन टैंक फटने से धमाका, तीन लोग घायल

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। उपनगर पहाड़ीशरीफ के जलपल्ली इलाके में सोमवार को ऑक्सीजन टैंकों में विस्फोट होने से दहशत फैल गई। जानकारी के अनुसार, चिकित्सा उपयोग में लाए जा रहे दो ऑक्सीजन टैंक अचानक फट गए, जिससे जोरदार धमाका हुआ। विस्फोट से आसपास के घरों को नुकसान पहुंचा और कुछ मकानों की छतें आंशिक रूप से गिर गईं।

इस घटना में तीन लोग घायल हो गए, जिन्हें पुलिस ने तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और स्थिति को नियंत्रण में लिया। विस्फोट के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। मामले की जांच की जा रही है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

'वर्षों की साधना ...

पीएम मोदी ने भाजपा मुख्यालय में विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा- जो लोग मुझे देख नहीं पाते हैं, उनसे मेरी प्रार्थना है, वे जहां वहीं से मुझे सुन लें, किसी को आगे पीछे न करें। उन्होंने कहा- जब वर्षों की साधना सिद्धी में बदलती है तो चेहरे पर जो खुशी होती है, वो खुशी आज मैं देशभर के भाजपा के कार्यकर्ता के चेहरे पर देख रहा हूं। पीएम मोदी ने आगे कहा- मैं कार्यकर्ता के नाते हर भाजपा कार्यकर्ता की खुशी में शामिल हूं। आज का ये दिवस कई मायनों में खास है, विशेष है। ये देश के उज्ज्वल भविष्य की उद्घोषणा का दिन है। ये भरोसे का दिन है। भरोसा भारत के महान लोकतंत्र पर, भरोसा प्रदर्शन की राजनीति पर। भरोसा एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना पर।

दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में विधानसभा चुनावों में जीत के बाद बोलते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि 12 वर्षों के बाद भी जनता में पीएम मोदी के प्रति कायम है। उन्होंने आगे कहा कि पीएम मोदी ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मभूमि पश्चिम बंगाल को भाजपामय कर दिया है। मैं आज के दिन अपने प्रिय नेता को विश्वास को दिलाता हूं कि आप नेतृत्व किजिए, भाजपा के कार्यकर्ता परिश्रम में जुट जाएंगे। इस जीत के उत्सव के साथ हम कल से फिर परिश्रम जुट जाएंगे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पुष्पांजलि अर्पित करने के लिए आगे बढ़े, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुष्पांजलि स्वीकार कर नितिन नबीन को ही पहना दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में असम और पश्चिम बंगाल चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन का जश्न मनाने पहुंचे हैं।

विजय की आंधी ...

उन्होंने दावा किया कि विजय ने राजनीति में अत्यंत नेक इरादों के साथ कदम रखा है। विशेष रूप से, युवाओं ने उनकी पार्टी की विचारधारा और वादों को सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है, जो भविष्य के लिए एक मजबूत संकेत है। एस.ए. चंद्रशेखर ने विजय की लोकप्रियता और जनता से जुड़ाव पर विस्तार से बात की। उन्होंने बताया कि पिछले 30 वर्षों से विजय के मन में तमिल लोगों के लिए कुछ करने की भावना थी, जिस पर उन्होंने धीरे-धीरे काम किया। आज, रुझान संकेत दे रहे हैं कि वह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बन सकते हैं।

चंद्रशेखर ने कहा कि तमिल लोग विजय को सिर्फ एक नेता के रूप में नहीं, बल्कि अपने परिवार का सदस्य मानते हैं। महिलाएं उन्हें अपने बेटे के समान प्यार करती हैं, युवा उन्हें अपना भाई (अन्ना) मानते हैं, और बुजुर्ग महिलाएं भी उन्हें अपने पोते के समान स्नेह देती हैं। विजय ने जनता के साथ एक ऐसा गहरा रिश्ता बनाया है जो उन्हें खास बनाता है।

मुख्य सचिव का ...

इस बीच खबर आई है कि चुनाव आयोग ने राज्य सचिवालय नबन्ना सहित सभी महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालयों में केंद्रीय बलों की तैनाती का कड़ा आदेश जारी किया है। सोमवार दोपहर को नबन्ना, राइटर्स बिल्डिंग, विकास भवन और खाद्य भवन जैसे प्रमुख केंद्रों पर सीआरपीएफ की क्विक रिस्पांस टीमें क्यूआरटी पहुंच गईं, जिनका मुख्य उद्देश्य सरकारी दस्तावेजों को नष्ट होने या चोरी होने से बचाना है। चुनाव आयोग का यह कदम भाजपा की उन आशंकाओं के बाद आया है जिसमें भ्रष्टाचार से जुड़ी फाइलों को गायब किए जाने का डर जताया गया था। सचिवालयों में सुरक्षा इतनी सख्त है कि बाहर निकलने वाले कर्मचारियों के बैग की तलाशी ली जा रही है ताकि कोई भी फाइल बाहर न जा सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने चुनाव प्रचार के दौरान बार-बार दोहराया था कि भाजपा सरकार बनते ही पिछली सरकार की सभी फाइलें खोलकर जांच की जाएगी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

हार के बावजूद पंजाब प्लेऑफ की दहलीज पर

डबल हेडर के बाद पॉइंट्स टेबल नहीं बदला

खेल डेस्क, 4 मई (एजेंसियां)। टेबल टॉपर पंजाब किंग्स को आईपीएल के मौजूदा सीजन में दूसरी हार झेलनी पड़ी। दूसरे मैच में गुजरात टाइटंस ने 4 विकेट से हराया। हार के बावजूद पंजाब की टीम प्लेऑफ की दहलीज पर है।

आईपीएल में डबल हेडर डे था यानी कि दिन में दो मुकाबले। दिन के पहले मैच में कोलकाता नाइड राइडर्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 7 विकेट से हराया। खास बात यह रही कि 2 मैचों के नतीजों के बाद पॉइंट्स टेबल में कोई बदला नहीं हुआ। बाकी कि टीमें भी अपने-अपने स्थान पर हैं।

IPL 2026

पॉइंट्स टेबल

रैंक	टीम	मैच	जीत	हार	NR	अंक	NRR
1	PBKS	9	6	2	1	13	0.855
2	RCB	9	6	3	0	12	1.42
3	SRH	10	6	4	0	12	0.644
4	RR	10	6	4	0	12	0.51
5	GT	10	6	4	0	12	-0.147
6	CSK	9	4	5	0	8	0.005
7	DC	9	4	5	0	8	-0.895
8	KKR	9	3	5	1	7	-0.539
9	MI	9	2	7	0	4	-0.803
10	LSG	8	2	6	0	4	-1.106

पंजाब प्लेऑफ की रेस में सबसे आगे

पंजाब की टीम प्लेऑफ की रेस में सबसे आगे है। बेंगलुरु, हैदराबाद और राजस्थान की टीमें एक समान 12-12 अंक लेकर क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। पंजाब को हराने वाली गुजरात 12 अंक के साथ 5वें नंबर पर है।

पंजाब की टीम 9 में से 6 मैच जीतकर पॉइंट्स टेबल के टॉप पर है। टीम ने 2 मैच गंवाए हैं। एक नो रिजल्ट मैच के सहारे उसके पास 13 अंक हैं। गुजरात ने सीजन में छठी जीत हासिल की है। टीम के 12 अंक हो गए हैं और टाइटंस की टीम 5वें नंबर पर कायम है। क्योंकि उसका नेट रन रेट खराब है।

अभिषेक को ऑरेंज कैप मिली, राहुल को पीछे छोड़ा

दिन के पहले मैच में अभिषेक शर्मा ने 10 बॉल पर 15 रन बनाए। इन 15 रनों के सहारे अभिषेक ने सीजन के टॉप स्कोरर की लिस्ट में दिल्ली के केएल राहुल को पीछे छोड़ दिया है। अब अभिषेक के नाम 10 मैचों में 440 रन हो गए हैं, जबकि केएल राहुल 433 रन के साथ दूसरे और हैदराबाद के हेनरिक क्लासन 425 के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

रबाडा पर्पल कैप रेस में तीसरे नंबर पर आए

गुजरात के कगिसो रबाडा ने पंजाब के खिलाफ मैच में 2 विकेट लिए। इसके सहारे वे सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए हैं। उन्होंने राजस्थान के जोफ्रा आर्चर को पीछे छोड़ा। रबाडा के नाम 16 विकेट हैं। बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार और चेन्नई के अंशुल कम्बोज 17-17 विकेट के साथ पहले और दूसरे स्थान पर हैं।

सीएसके के ऑलराउंडर रामाकृष्णा घोष आईपीएल से बाहर

मुंबई के खिलाफ डेब्यू मैच में चोटिल हुए थे; चेन्नई ने अब तक रिप्लेसमेंट नहीं चुना

चेन्नई, 4 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स की मुश्किलें जारी हैं। टीम के बॉलिंग ऑलराउंडर रामाकृष्णा घोष चोट के कारण मौजूदा सीजन से बाहर हो गए हैं। घोष ने शनिवार (2 मई) को मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल डेब्यू किया था और शानदार प्रदर्शन किया था।

चेन्नई सुपर किंग्स के आधिकारिक बयान के मुताबिक, घोष के दाहिने पैर में फ्रैक्चर है। यह चोट शनिवार को चेन्नई में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच के दौरान लगी थी। फिलहाल फ्रेंचाइजी ने उनके रिप्लेसमेंट के नाम की घोषणा नहीं की है।

डेब्यू मैच में सूर्या का विकेट लिया और शानदार कैच पकड़ा

महाराष्ट्र के मीडियम पेसर रामाकृष्णा घोष के लिए शनिवार का दिन सपने जैसा शुरू हुआ था। उन्होंने मैच की आठवीं गेंद पर पॉइंट बाउंड्री पर डाइविंग कैच लेकर मुंबई के ओपनर विल जैक्स को पवेलियन भेजा। इसके बाद गेंदबाजी में अपनी शॉर्ट पिच गेंद से दुनिया के नंबर-1 टी20 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को आउट किया। घोष ने 133 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सभी को प्रभावित किया था।

2025 की नीलामी में 30 लाख में खरीदा था

घोष को सीएसके ने आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में उनके बेस प्राइस 30 लाख रुपये में खरीदा था। पिछले सीजन में उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था, लेकिन टीम ने भरोसा जताते हुए इस साल रिटेन किया। शनिवार को उन्हें पहली बार पीली जर्सी में मैदान पर उतरने का मौका मिला, लेकिन चोट ने उनका सीजन खत्म कर दिया।

चेन्नई के चार खिलाड़ी अब तक हो चुके हैं बाहर

मौजूदा सीजन में खिलाड़ियों की चोट ने सीएसके की प्लानिंग बिगाड़ दी है। रामाकृष्णा घोष इस सीजन में बाहर होने वाले चेन्नई के चौथे खिलाड़ी और तीसरे तेज गेंदबाज हैं। उनसे पहले नाथन एलिस, आयुष म्हात्रे और खलील अहमद भी चोट के कारण टूर्नामेंट से हट चुके हैं। लगातार गेंदबाजों के बाहर होने से कप्तान ऋतुराज गायकवाड के पास गेंदबाजी विकल्प कम होते जा रहे हैं।

अगला मुकाबला 5 मई को दिल्ली से

चेन्नई सुपर किंग्स की टीम फिलहाल पॉइंट्स टेबल में छठे स्थान पर है। टीम ने अब तक खेले 9 मैचों में से 4 में जीत दर्ज की है, जबकि 5 मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा है। प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए सीएसके को अपने बाकी बचे मैच जीतने होंगे। टीम का अगला मुकाबला 5 मई को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होगा।

आईपीएल में 7 टीमों का रहा कोच जेम्स होप्स

अब बिग बैश में मिला बड़ा मौका, पहली बार बने हेड कोच

सिडनी, 4 मई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर जेम्स होप्स को बिग बैश में बड़ा मौका मिला है. उन्हें मेंस बीबीएल का खिताब 3 बार जीतने वाली सिडनी सिक्सर्स ने एक अहम जिम्मेदारी से नवाजा है. आईपीएल में पंजाब किंग्स के बॉलिंग कोच की भूमिका निभा रहे जेम्स होप्स को सिडनी सिक्सर्स ने अपना हेड कोच नियुक्त किया है. इस रोल के लिए जेम्स होप्स का सिडनी सिक्सर्स के साथ दो साल का करार हुआ है. ऑस्ट्रेलिया के लिए 84 वनडे और 12 टी20 खेलने वाले जेम्स होप्स बिग बैश के अगले सीजन से पहले सिडनी सिक्सर्स के हेड कोच का पद संभाल लेंगे.

ये पहली बार होगा जब जेम्स होप्स किसी टीम की हेड कोच की भूमिका निभाते दिखेंगे. वो अब तक आईपीएल की 2 टीमों समेत दुनिया भर की टी20 लीग में 7 टीमों से जुड़े रहे हैं, लेकिन वहां उनकी भूमिका या तो बॉलिंग कोच या असिस्टेंट कोच की रही है.

आईपीएल में जेम्स होप्स पंजाब किंग्स के साथ तो बतौर बॉलिंग कोच जुड़े ही हैं. वहीं इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स के साथ वो असिस्टेंट कोच के नाते जुड़े थे. उन्होंने मेजर लीग क्रिकेट में वॉशिंगटन फ्रीडम के लिए बॉलिंग कोच की भूमिका निभाई है. वहीं ब्रिसबेन हीट्स, क्वींसलैंड बुल्स, होबार्ट हरिकेन्स और तस्मानियन टाइगर्स के साथ वो असिस्टेंट कोच जुड़े रहे.

सिडनी सिक्सर्स के हेड कोच बने जेम्स होप्स

सिडनी सिक्सर्स का हेड कोच बनकर जेम्स होप्स ने कहा कि उनके लिए ये एक बड़ी बात है कि वो एक ऐसे क्रिकेट क्लब का हिस्सा बनने जा रहे हैं, जिसका एक गौरवान्वित इतिहास रहा है और जिसकी नींव मजबूत है. उन्होंने आगे कहा कि वो सिडनी सिक्सर्स के काबिल खिलाड़ियों के साथ काम करने और बिग बैश में सिक्सर्स के आगे के सफर में अपना योगदान देने को लेकर बेताब हैं.

सिडनी सिक्सर्स के जनरल मैनेजर रसैल हैंस ने जेम्स होप्स के हेड कोच बनाए जाने को नए अध्याय की शुरुआत बताया. उन्होंने कहा कि जेम्स का क्रिकेटिंग माइंड बेहतरीन है, जिससे हमें नए खिलाड़ियों के विकास में और टीम के ट्रैक रिकॉर्ड को सुधारने में मदद मिलेगी. हमने उनके ऑस्ट्रेलिया के घरेलू क्रिकेट और दुनिया भर की T20 लीग के एक्सपीरियंस को देखते हुए हेड कोच बनाने का फैसला किया है.

जॉन सीना की डब्ल्यूडब्ल्यूई में धमाकेदार वापसी का ऐलान

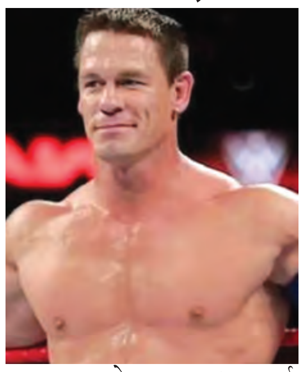

लास वेगास, 4 मई (एजेंसियां)। जॉन सीना ने पिछले साल दिसंबर में अपने करियर का अंतिम मैच लड़ा था. उन्होंने कहा कि वो अब कभी इन-रिंग एक्शन में नज़र नहीं आएंगे. सीना हाल ही में रेसलमेनिया 42 में आए थे. उन्हें शो का होस्ट बनाया गया था. उनके कुछ सैगमेंट भी हुए थे. सीना की एंट्री पर सभी खुश हो गए थे. खैर फैंस को अब सीना को टीवी पर देखने के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा. उनकी धमाकेदार वापसी कंफर्म हो गई है. बैकलैश 2026 का आयोजन 9 मई को होने वाला है. फैंस इसे लेकर काफी उत्साहित हैं. मैच कार्ड भी तैयार हो गया है. फ्लोरिडा के टेम्पा स्थित बेंचमार्क इंटरनेशनल एरीना ने खुलासा किया है कि जॉन सीना बैकलैश में नज़र आएंगे. सीना वहं पर आकर क्या करेंगे इसका अभी पता नहीं है. वो शो को होस्ट भी कर सकते हैं. इस पीपीवी में डैनहाउसेन का डेब्यू भी होने वाला है. हो सकता है कि सीना उनका सपोर्ट करें. सीना की वजह से दर्शक भी खुश हो गए होंगे. एरीना की तरफ से कहा गया है कि सीना बैकलैश में वापसी कर रहे हैं.

2025 में जॉन सीना का रिटायरमेंट टूर बढ़िया रहा. उन्होंने अपने कुछ पुराने विरोधियों का सामना किया था, जिसमें रैंडी ऑर्टन, सीएम पंक, एजे स्टाइल्स और ब्रॉक लैसनर सहित बड़े रेसलर्स शामिल थे. सीना ने अपने करियर का अंतिम मैच 13 दिसंबर को गुंथर के खिलाफ लड़ा था. दोनों के बीच तगड़ा मैच देखने को मिला था. अंत में सीना को टैपआउट के जरिए हार का सामना करना पड़ा.

विनेश के सपोर्ट में उतरे महावीर फोगाट

बोले-कुश्ती महासंघ भंग करो, मौजूदा प्रमुख बृजभूषण की कठपुतली

चंडीगढ़, 4 मई (एजेंसियां)। ओलिंपियन रेसलर विनेश फोगाट द्वारा भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण पर यौन शोषण के आरोप लगाने के बाद विनेश के बचपन के कोच रहे ताया महावीर फोगाट उनके समर्थन में उतरे हैं। महावीर ने कहा कि बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ लंबे समय से चल रहे आंदोलन के बावजूद महासंघ में कोई खास बदलाव नहीं आया है। मौजूदा प्रमुख संजय सिंह बृजभूषण के सिर्फ एक कठपुतली हैं। एक दिन पहले ही विनेश ने वीडियो जारी कर कहा था कि वह भी उन यौन उत्पीड़ित महिला खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्होंने बृजभूषण के खिलाफ शिकायत दी है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के गोंडा में बृजभूषण के स्वामित्व वाले कॉलेज में 10 से 12 मई के बीच आयोजित सीनियर ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट में जाने पर आपत्ति जताई।

महावीर फोगाट ने कहा कि डब्ल्यूएफआई का ये टूर्नामेंट

अनुचित है। इससे यह स्पष्ट होता है कि आंदोलन से पहले की तरह ही स्थिति अभी भी उतनी ही संदिग्ध और भ्रष्ट बनी हुई है।

आयोजन स्थल के औचित्य पर सवाल उठाते हुए महावीर फोगाट ने कहा कि जब दिल्ली के आसपास पर्याप्त बुनियादी ढांचा और खिलाड़ियों की अच्छी-खासी संख्या मौजूद है, तो गोंडा में इस आयोजन को आयोजित करना गंभीर चिंता का विषय है।

उन्होंने कहा, इससे यह संकेत मिलता है कि केंद्र सरकार भी भारतीय कुश्ती संघ में स्थिति सुधारने के लिए कुछ नहीं कर सकी। बृजभूषण अभी भी महासंघ के प्रमुख के करीबी होने के कारण बैकडोर से बागडोर संभाले हुए हैं।

महासंघ को भंग किया जाए

महावीर फोगाट ने महासंघ को भंग करने की अपनी मांग को दोहराया और व्यवस्था में पूर्ण सुधार का का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि खेल मंत्रालय को डब्ल्यूएफआई और अन्य महासंघों का प्रभार लेना चाहिए जो ₹भेदभाव और भ्रष्टाचार के एक सड़े हुए और कुख्यात पैटर्न से ग्रस्त हैं।

बता दें कि बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान की फिल्म दंगल हरियाणा के बलाली गांव के पहलवान महावीर फोगाट पर ही बनी थी। फिल्म में दिखाया गया था कि किस तरह महावीर ने अपनी बेटियों को बेटों की तरह ट्रेनिंग दी और रेसलर बनाया। फिल्म महावीर की दो बेटियों गीता और बबीता पर आधारित है। आमिर खान उस फिल्म में महावीर फोगाट की भूमिका में नजर आए थे।

ज्वेरेव को हराकर सिनर ने लगातार पांचवां मास्टर्स 1000 खिताब जीता

मैड्रिड ओपन अपने नाम किया

मैड्रिड, 4 मई (एजेंसियां)। विश्व नंबर एक यानिक सिनर ने एलेक्जेंडर ज्वेरेव को मात देकर मुतुआ मैड्रिड ओपन में मेंस सिंगल्स का खिताब अपने नाम किया। इसके साथ ही उन्होंने लगातार पांचवीं बार एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। 58 मिनट के एकतरफा मुकाबले में इतालवी खिलाड़ी ने 6-1, 6-2 से जीत हासिल की, जिसके साथ उन्होंने एलीट स्तर पर अपनी शानदार लय को बरकरार रखा है। जीत के साथ, सिनर 1990 में इस सीरीज की शुरुआत के बाद से लगातार पांच मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। यह उनकी हर तरह की सतह पर जबरदस्त पकड़ को दिखाता है।

सिनर ने शुरू से ही मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने शुरुआत में ही ज्वेरेव की सर्विस तोड़ी और उन्हें कभी भी अपनी लय में आने का मौका नहीं दिया।

उन्होंने अपने चारों ब्रेक प्वाइंट्स को भुनाया, जबकि अपनी सर्विस पर उन्हें एक भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं करना पड़ा। उनकी पहली सर्विस की सटीकता कमाल की थी, उन्होंने उन प्वाइंट्स में से 93 प्रतिशत जीते और बेसलाइन से सटीक नियंत्रण के साथ रैली को अपने पक्ष में किया।

एटीपी ने सिनर के हवाले से कहा, 'मैंने मैच की शुरुआत बहुत अच्छी की और तुरंत ही उनकी सर्विस तोड़ दी। आज वह अपना सर्वश्रेष्ठ खेल नहीं खेल रहे थे, इसलिए मैंने आक्रामक होकर खेलने की कोशिश की। मैं जिस स्तर का खेल दिखा रहा हूं, उससे बहुत खुश हूं। इस तरह एक और खिताब जीतना अविश्वसनीय है। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। यह एक और शानदार टूर्नामेंट रहा है।'

मैड्रिड का यह खिताब सिनर का नौवां मास्टर्स 1000 खिताब है। यह उस शानदार दौर की पराकाष्ठा है, जिसकी शुरुआत पिछले साल अक्टूबर में शंघाई में उनके रिटायर होने के बाद हुई थी। तब से, 24 वर्षीय खिलाड़ी ने पेरिस, इंडियन वेल्स, मियामी, मोंटे-कार्लो और अब मैड्रिड में खिताब जीते हैं। इस दौरान उन्होंने इन सभी टूर्नामेंट्स में मिलाकर सिर्फ कुछ ही सेट्स गंवाए हैं।

खास बात यह है कि सिनर इस सीजन के शुरुआती चारों मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट जीतने वाले भी पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले उन्होंने बिना कोई सेट गंवाए 'सनशाइन डबल' पूरा किया था और फिर मोंटे-कार्लो में कार्लोस अल्काराज को हराया था।

यह इतालवी खिलाड़ी अब और भी बड़ी उपलब्धियां हासिल करने की कगार पर खड़ा है। वह प्रतिष्ठित 'करियर गोल्डन मास्टर्स' पूरा करने से सिर्फ एक खिताब दूर हैं। यह उपलब्धि अब तक सिर्फ नोवाक जोकोविच ने ही हासिल की है। सिनर के पास अपने घरेलू मैदान पर होने वाले आगामी रोम मास्टर्स में इस उपलब्धि को हासिल करने का मौका होगा।

दक्षिण कोरिया ने तीसरी बार जीता उबेर कप का खिताब

फाइनल में चीन को 3-1 से हराया

हॉर्सेंस (डेनमार्क), 4 मई (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया महिला टीम ने शानदार टीम प्रदर्शन करते हुए गत चैंपियन चीन को 3-1 से हराकर तीसरी बार उबर कप का खिताब अपने नाम कर लिया है। दक्षिण कोरिया इससे पहले कुआलालंपुर में साल 2010 और बैंकॉक में 2022 में भी यह ट्रॉफी जीत चुका है। दोनों बार उन्होंने चीन को ही हराया था। इस बार फोरम होरसेंस में भी कोरियन टीम ने दबाव में बेहतरीन खेल दिखाते हुए एक और यादगार जीत दर्ज की।

मुकाबले की शुरुआत वर्ल्ड नंबर 1 खिलाड़ी एन से-यंग के दमदार प्रदर्शन से हुई। उन्होंने वर्ल्ड नंबर 2 वांग झीयी को 21-10, 21-13 से हराकर मैच का माहौल अपने पक्ष में कर लिया, जिससे साउथ कोरिया को शुरुआती बढ़त मिल गई। यह मुकाबला 47 मिनट तक चला

16 चैंपियनशिप जीत चुकी

चीन की टीम ने तुरंत पलटवार किया। वर्ल्ड नंबर 1 डबल्स टीम की दमदार जोड़ी लियू शेंगशू और टैन निंग ने जियोंग ना-यून और ली सो-ही को कड़ी टक्कर देते हुए 53 मिनट में 21-15, 21-12 से जीत हासिल करके मैच को 1-1 से बराबर कर दिया।

दूसरे सिंगल्स मैच के दौरान मुकाबले का रुख फिर से साउथ कोरिया के पक्ष में मुड़ गया। वर्ल्ड नंबर 17 खिलाड़ी किम गा-यून ने शांत और असरदार खेल दिखाते हुए वर्ल्ड नंबर 4 खिलाड़ी चेन युफेई को 55 मिनट में 21-19, 21-15 से हराया, जिससे उनकी टीम खिताब के और करीब पहुंच गई।

जैसे-जैसे दबाव बढ़ता गया, अहम डबल्स मैच में साउथ कोरिया की बेक हा-ना और किम हे-जियोंग की जोड़ी ने चुनौती का डटकर सामना किया। चीन की जिया यिफान और झांग शुक्सियन से पहला गेम 16-21 से हारने के बाद, कोरियन जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए अगले दो गेम 21-10, 21-13 से जीते और 85 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर लिया।

भारतीय पुरुष टीम ने थॉमस और उबर कप 2026 में ब्रॉन्ज मेडल के साथ अपना अभियान समाप्त किया। शुक्रवार को होरसेंस (डेनमार्क) में खेले गए सेमीफाइनल में भारत को फ्रांस के खिलाफ 0-3 से हार का सामना करना पड़ा।

साल 2022 की चैंपियन भारतीय टीम ने क्वार्टरफाइनल में चीनी ताइपे को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। हालांकि, सेमीफाइनल से पहले टीम को बड़ा झटका लगा, जब उनके शीर्ष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन को कोहनी की चोट के कारण मुकाबले से बाहर बैठना पड़ा।

भारतीय क्रिकेट में 'गर्लफ्रेंड कल्चर': बीसीसीआई के नए नियम के बाद हार्दिक पंड्या समेत

इन खिलाड़ियों पर पड़ेगा असर

मुंबई, 4 मई (एजेंसियां)। बीसीसीआई ने भारतीय क्रिकेट में फैले 'गर्लफ्रेंड कल्चर' को लेकर मोर्चा खोलने का मन बना लिया है. भारतीय क्रिकेट एंड कंट्रोल बोर्ड अब 'गर्लफ्रेंड कल्चर' को लेकर सख्त नियम बनाने जा रहा है ताकि इसमें उलझे खिलाड़ियों को उसके बुरे परिणामों से बचाया जा सके. आईपीएल 2026 के दौरान कई सारे खिलाड़ी अपनी-अपनी गर्लफ्रेंड के साथ घूमते नजर आ रहे हैं. फिर चाहे वो हार्दिक पंड्या हों, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन या यशस्वी जायसवाल. यहां तक कि इन सबकी देखादेखी कुछ अनजाने खिलाड़ी भी आईपीएल 2026 में अपनी गर्लफ्रेंड के साथ नजर आए हैं. बीसीसीआई की चिंता उन्हीं गर्लफ्रेंड को लेकर बढ़ी है, जो स्टेडियम और टीम बस से लेकर टीम होटल तक खिलाड़ियों के संग रहती हैं.

दैनिक जागरण की रिपोर्ट के मुताबिक इस गर्लफ्रेंड कल्चर से जुड़े नियम को सख्त बनाने की तैयारी में है. बीसीसीआई के एक बड़े अधिकारी के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया कि वो खिलाड़ियों की गर्लफेंड को लेकर नियम बनाने पर चर्चा कर रहे हैं. बीसीसीआई की अगली बैठक में इस पर बात होगी. बीसीसीआई के सीनियर अधिकारी ने कहा कि परिवार और पत्नी के खिलाड़ियों के साथ होटल में रुकने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन, गर्लफ्रेंड के मामले

में थोड़ा गंभीर होने की जरूरत है.

आईपीएल खेल रहे खिलाड़ियों की गर्लफ्रेंड में कई ऐसी भी हैं जो पहले बेटिंग यानी सट्टेबाजी को प्रमोट करने वाली वेबसाइट से जुड़ी रही हैं. हाल ही में आईपीएल के कई खिलाड़ियों पर उनकी महिला मित्रों ने केस भी दर्ज कराए हैं. उन्हीं वजहों से बीसीसीआई अब और भी ज्यादा गंभीर है और गर्लफ्रेंड कल्चर पर नए और कठोर नियम लाने की तैयारी में है.

बीसीसीआई के अधिकारी ने बताया कि पहले आईपीएल के दौरान गर्लफ्रेंड को खिलाड़ियों के होटल में रुकने की इजाजत नहीं थी. लेकिन, अब ऐसा नहीं है. अब गर्लफ्रेंड का टीम होटल में रुकना ट्रेंड बन गया है.

रिपोर्ट में बीसीसीआई अधिकारी ने आगे कहा कि उन्होंने आईपीएल के एक एंटी करप्शन यूनिट के अधिकारी से गर्लफ्रेंड को टीम होटल में ले जाने के बारे में बात की. इस पर उन्होंने जो कहा वो हैरान करने वाला रहा. बीसीसीआई अधिकारी के मुताबिक एंटी करप्शन यूनिट के अधिकारी ने उनसे कहा कि उन्हें पत्नियों और ऑफिशियली अनाउंसड गर्लफ्रेंड को साथ में रुकने की अनुमति देने को कहा गया है. इस पर बीसीसीआई अधिकारी ने पूछा कि ऑफिशियली अनाउंसड गर्लफ्रेंड का नियम आया कहां से? जिस पर एंटी करप्शन यूनिट अधिकारी ने कहा कि सर हम तो ऐसे ही करते हैं. साफ है कि ये जानने के बाद अब गर्लफ्रेंड के साथ रुकने और ना रुकने को लेकर बीसीसीआई जल्दी ही नया और सख्त नियम लाएगा. क्योंकि, बीसीसीआई को इस बात का डर है कि कहीं कोई बड़ा बवाल ना हो जाए. मामले की गंभीरता को देखते हुए गर्लफ्रेंड कल्चर से जुड़ा नया नियम आईपीएल के अगले सीजन में लागू हो सकता है. अगर ऐसा होता है तो फिर इस सीजन अपनी-अपनी गर्लफ्रेंड के साथ घूम रहे तमाम खिलाड़ियों, जिनमें हार्दिक, ईशान, अर्शदीप, यशस्वी जैसे नाम हैं- उनको अगले सीजन में ऐसी आजादी नहीं रहेगी.

बास्केटबॉल दिग्गज कोबे ब्रायंट की सफलता का सीक्रेट

आंख खुलते ही फोन देखने की बजाय 15 मिनट शांत बैठें; मेमोरी बढ़ेगी, तनाव दूर होगा

फिलाडेल्फिया, 4 मई (एजेंसियां)। भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर खुद के लिए समय नहीं निकाल पाते। ऐसे में दिवंगत बास्केटबॉल खिलाड़ी कोबे ब्रायंट की दिनचर्या की एक आसान आदत हमारे लिए बेहद काम की हो सकती है। अपनी आक्रामक खेल शैली और जीतने की जिद के लिए मशहूर कोबे का अभ्यास सुबह 4 बजे ही शुरू हो जाता था। लेकिन इस कड़े रूटीन के बीच उनका एक खास नियम था, जिसने उन्हें मानसिक रूप से अभेद्य बनाया था।

अमेरिका के कोबे हर सुबह उठने के बाद कम से कम 15 मिनट एक जगह बिल्कुल शांत बैठकर ध्यान लगाते थे। उनके लिए यह मौन शारीरिक कसरत जितना ही महत्वपूर्ण था। कोबे मानते थे कि सुबह की 15 मिनट की यह शांति उनके पूरे दिन की नींव तय करती है। यह उन्हें दिनभर मानसिक रूप से स्थिर रखती। इसके बिना उन्हें लगता था कि वे बस काम और तनाव के पीछे भाग रहे हैं। इस मौन के अभ्यास से वे अपने दिन को खुद नियंत्रित कर पाते थे। रात को बड़े मैचों से पहले भी वे इसी तरह शांत बैठकर चुनौतियों की कल्पना करते और मानसिक रूप से खुद को तैयार करते थे।

मनोविज्ञान में इस अभ्यास को 'टाइप 2 फन' कहा जाता है। शुरुआत में 15-20 मिनट बिना मोबाइल या किसी बाहरी रुकावट के चुपचाप बैठना उबाऊ और बेचैन करने वाला लग सकता है। लेकिन आदत बनने पर यह गहरी संतुष्टि देता है। जब इंसान बिल्कुल शांत बैठता है, तो दिमाग में वो बातें और भावनाएं आने लगती हैं, जिन्हें वह दिनभर की भागदौड़ में नजरअंदाज कर देता है- जैसे शरीर का कोई पुराना दर्द, या अटका हुआ काम। खाली बैठकर हम विचारों से भागने के बजाय उनका सामना करना सीखते हैं।

मंत्रियों और जजों के नाम पर आईपीएल टिकट घोटाला

फर्जी हस्ताक्षरों से ठगी करने वाला गिरोह गिरफ्तार

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आईपीएल के बढ़ते क्रेज को कमाई का जरिया बनाने की कोशिश कर रहे एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए उप्पल पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। यह गिरोह न सिर्फ आम लोगों को ठग रहा था, बल्कि देश के उच्च पदों पर आसीन व्यक्तियों के नाम का दुरूपयोग कर अधिकारियों को भी धोखा दे रहा था।

उप्पल स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आईपीएल मैच के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिस को सूचना मिली कि स्टेडियम पार्किंग के पास टिकटों की कालाबाजारी की जा रही है। सूचना मिलते ही उप्पल के एसआई ए. माधव रेड्डी के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और वहां संदिग्ध रूप से खड़ी एक महिंद्रा थार (एपी-40बीबी-6768) वाहन की तलाशी ली। जांच के दौरान आरोपियों की पूरी साजिश उजागर हो गई। यह गिरोह केवल ब्लैक में टिकट बेचने तक सीमित नहीं था, बल्कि बड़े स्तर पर फर्जीवाड़ा कर रहा था। आरोपी गूगल से जजों, मंत्रियों और राज्यपालों के आधिकारिक लेटरहेड डाउनलोड करते थे। इन पर प्रमुख हस्तियों के फर्जी हस्ताक्षर कर उन्हें हैदराबाद, तमिलनाडु और कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशनों को भेजते थे। इसके जरिए वीवीआईपी कोटा के महंगे 'कॉम्प्लिमेंटरी' टिकट हासिल कर उन्हें ऊंचे दामों पर बेचकर मुनाफा कमाते थे।

पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी गट्टमनेनी अशोक, कंकनाला दिनेश और सिंगमनेनी वेणुमाधव को गिरफ्तार किया है। इनमें एक रियल एस्टेट कारोबारी है, जबकि अन्य दो निजी कर्मचारी हैं। सभी आरोपी आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले के पल्कुर गांव के निवासी हैं।

वहीं चेन्नई के आशिष, सेंथिल और तान्सिल नामक तीन अन्य आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। आरोपियों के पास से आईपीएल टिकट, महिंद्रा थार वाहन, 5 मोबाइल फोन, 5 फर्जी लेटरहेड बरामद हुआ है। मल्काजगिरि पुलिस आयुक्त बी. सुमति (आईपीएस) के पर्यवेक्षण में, उप्पल जोन डीसीपी सुरेश कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में उप्पल पुलिस एवं एसओटी टीम ने इस गिरोह को गिरफ्तार किया।

तकनीकी खराबी से इंडिगो फ़्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। इंडिगो की एक फ़्लाइट में तकनीकी खराबी आने के बाद सोमवार को राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। जानकारी के अनुसार, यह विमान केरल के कन्नूर के लिए उड़ान भर चुका था, लेकिन करीब 30 मिनट बाद पायलट को तकनीकी समस्या का पता चला। इसके बाद एहतियात के तौर पर विमान को वापस लौटाने का फैसला किया गया। विमान सुरक्षित रूप से हवाई अड्डे पर उतर गया और सभी यात्री व चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं।

प्लास्टिक इकाई में भीषण आग, कई घर प्रभावित

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुशीराबाद थाना क्षेत्र के भोलापुर की पद्माशाली कॉलोनी में रविवार रात प्लास्टिक के सामान बनाने वाली एक इकाई में भीषण आग लग गई। आग गोदाम से शुरू होकर तेजी से आसपास की दुकानों और घरों तक फैल गई, जिससे इलाके में दहशत फैल गई और लोग घरों से बाहर निकल आए। धुएं के कारण गोदाम में मौजूद दो लोगों की तबीयत खराब हो गई, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। इस घटना में पांच घर और दो गोदाम प्रभावित हुए हैं।

तेलंगाना के विकास में प्रवासी श्रमिकों का महत्वपूर्ण योगदान : डॉ.एम. रमेश

निर्माण श्रमिकों के बच्चों के लिए देश में पहली 'वर्क साइट स्कूल' की शुरूआत

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नारसिंगी स्थित राजपुष्प लेबर कैंप में प्रवासी श्रमिकों के बच्चों के लिए विशेष 'वर्क साइट स्कूल' का शुभारंभ साइबराबाद पुलिस आयुक्त डॉ.एम. रमेश और सीएमसी आयुक्त सृजना ने संयुक्त रूप से किया। यह अभिनव पहल तेलंगाना शिक्षा विभाग, नगर प्रशासन विभाग और राजपुष्प प्रॉपर्टीज के साझे प्रयास से शुरू की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य विभिन्न राज्यों से आए श्रमिकों के बच्चों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का वातावरण प्रदान करना है। इस अवसर पर साइबराबाद पुलिस आयुक्त डॉ.एम. रमेश ने कहा कि तेलंगाना के विकास में प्रवासी श्रमिकों का महत्वपूर्ण योगदान है और उन्हें सुरक्षा व भरोसा देना हमारी जिम्मेदारी है।

उन्होंने सर्व शिक्षा अभियान और अक्षय पात्र फाउंडेशन द्वारा मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराने की सराहना की। उन्होंने कहा कि सरकारी विभागों (जैसे जीएचएमसी, राजस्व और श्रम विभाग) के साथ निजी संस्थाएं और एनजीओ मिलकर काम करें तो बेहतर परिणाम सामने आते हैं। बच्चों को देश की अमूल्य संपत्ति बताते हुए उन्होंने उनमें अच्छे संस्कार विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस पहल के लिए उन्होंने राजपुष्प प्रॉपर्टीज का आभार जताया।

उन्होंने यह भी चिंता व्यक्त की कि लेबर कैंपों में उचित संरक्षण और मार्गदर्शन के अभाव में बच्चे भटक सकते हैं और नशे की प्रवृत्तियों के कारण उनके साथ अपराध होने का खतरा रहता है। उन्होंने आंगनवाड़ी जैसे केंद्रों के माध्यम से बच्चों को अनुशासन और अच्छे व्यवहार की शिक्षा देने का आह्वान किया। साथ ही, बच्चों को उनकी मातृभाषा में शिक्षा देने से बेहतर परिणाम मिलने की बात कही। इस पहल को शीघ्र लागू करने के लिए नारसिंगी थाना प्रभारी हरिकृष्णा रेड्डी की सराहना भी की।

सीएमसी आयुक्त सृजना ने कहा कि हैदराबाद को देश के लिए आदर्श शहर बनाने के लिए केवल बुनियादी ढांचे का विकास ही नहीं, बल्कि सामुदायिक विकास भी आवश्यक है। उन्होंने प्रवासी श्रमिकों के बच्चों के लिए यह पहल शुरू करने पर साइबराबाद पुलिस आयुक्त की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि भले ही इन बच्चों को विलासितापूर्ण जीवन न दे सकें, लेकिन सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण देना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह वर्क साइट स्कूल एक स्थायी व्यवस्था के रूप में विकसित होगा। सीएमसी की ओर से केयरटेकर नियुक्त करने और बच्चों की व्यक्तिगत सुरक्षा सुनिश्चित करने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग के साथ मिलकर साइबराबाद नगर प्रशासन इन बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए कार्य करेगा।

राजपुष्प फाउंडेशन की पुष्पलीला ने बताया कि वर्तमान में इस कैंप में झारखंड, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और असम से आए 58 बच्चों के लिए विशेष शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने बताया कि शिक्षा विभाग और राजपुष्प प्रॉपर्टीज की ओर से एक-एक शिक्षक नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि देश में इस तरह का पूर्ण विकसित वर्क साइट स्कूल संभवतः पहली बार शुरू किया गया है और भविष्य में इसे स्थायी रूप से विस्तार दिया जाएगा। रंगारेड्डी जिला शिक्षा अधिकारी सुशींद्र राव ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य सभी प्रवासी श्रमिकों के बच्चों तक शिक्षा पहुंचाना है। समग्र शिक्षा अभियान के तहत लेबर कैंपों में स्कूल सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी और बच्चों को नियमित शिक्षा से जोड़ा जाएगा।

उन्होंने बताया कि मध्याह्न भोजन की व्यवस्था अक्षय पात्र के माध्यम से की जाएगी। कार्यक्रम में शेरिलिंगमपल्ली डीसीपी सीएच श्रीनिवास, कुकटपल्ली एडीसीपी सुदर्शन, राजपुष्प एमडी महेंद्र रेड्डी, नारसिंगी एसएचओ हरिकृष्णा रेड्डी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

रेल संचालन की सुरक्षा से निपटने की तैयारियों की समीक्षा

महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने दिए सख्त निर्देश

सिकंदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार को सिकंदराबाद स्थित रेल निलयम में बैठक कर जोन में रेल संचालन की सुरक्षा और गर्मी से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में अतिरिक्त महाप्रबंधक सत्य प्रकाश सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी मौजूद रहे, जबकि विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ डिवीजनों के मंडल रेल प्रबंधक वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए शामिल हुए। महाप्रबंधक ने वर्तमान लू की स्थिति को देखते हुए सुरक्षित और निर्बाध रेल संचालन बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को उच्च तापमान को ध्यान में रखते हुए ट्रैक को मजबूत करने, आवश्यक स्थानों पर बैलास्ट (कंकड़) भरने और नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ट्रैक पेट्रोलिंग स्टाफ को गर्मी में काम करते समय आवश्यक सावधानियों के बारे में जागरूक करने, गैंगमैन को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने और कार्यस्थलों पर पर्याप्त पेयजल व ओआरएस की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में गर्मियों के दौरान ट्रेनों में आग की घटनाओं को रोकने के लिए चलाए जा रहे फायर सेफ्टी ड्राइव की भी समीक्षा की गई। महाप्रबंधक ने प्राइवेट साइडिंग और गुड्स शेड्स पर सीसीटीवी कैमरों की स्थापना में तेजी लाने को कहा। इसके अलावा, अवैध प्रवेश की आशंका वाले स्थानों पर ट्रैक फेंसिंग की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए।

गांधी सरोवर परियोजना का नोटिस, विला मालिकों में दहशत

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राजेंद्रनगर क्षेत्र में मूसी नदी तट विकास से जुड़ी गांधी सरोवर परियोजना के लिए जारी एक नए नोटिस से बंडलागुडा के कीर्ति रिचमंड विला, सन सिटी के संपत्ति मालिकों में दहशत फैल गई है। राजस्व मंडल अधिकारी (आरडीओ) ने विला ओनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष इंद्र प्रकाश को नोटिस भेजकर 6 मई को सुबह 11 बजे सुनवाई के लिए बुलाया है। इसमें जमीन अधिग्रहण को लेकर आपत्तियां और दावे पेश करने का मौका दिया जाएगा। बताया गया है कि इससे पहले 21 फरवरी 2026 को एसोसिएशन की ओर से अधिग्रहण का विरोध किया गया था, जिस पर अब आगे कार्रवाई की जा रही है। कीर्ति रिचमंड विला एक गेटेड कॉलोनी है, जहां 24 एकड़ में कई लग्जरी विला बने हैं। इस परियोजना के तहत यहां के करीब 36 से 40 विला प्रभावित हो सकते हैं। स्थानीय लोगों ने जमीन अधिग्रहण का विरोध करते हुए इसे रोकने की मांग की है और कुछ लोग आंदोलन से भी जुड़ गए हैं।

मंत्री पोन्नम प्रभाकर को गीता मजदूरों ने भेंट किए ताड़ी के फल

स्वास्थ्य लाभ बताकर की सेवन की अपील

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री क्वार्टर्स में मंत्री पोन्नम प्रभाकर को हुस्नाबाद क्षेत्र के गीता मजदूरों ने प्रकृति का उपहार माने जाने वाले ताड़ी के फल (ताड़ी मुंजल) भेंट किए। इस दौरान मंत्री ने ताड़ी के फल का स्वाद लेते हुए खुशी व्यक्त की और कहा कि हर व्यक्ति को इनका सेवन करना चाहिए क्योंकि यह स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि गर्मी के मौसम में ताड़ी के फल प्रकृति का एक अनमोल उपहार हैं और शरीर के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में गीता मजदूरों के लिए ताड़ी के फल आय का एक महत्वपूर्ण साधन भी हैं, जिससे उन्हें आर्थिक सहारा मिलता है। मंत्री ने तेलंगाना के लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग इस प्राकृतिक फल का सेवन कर इसका आनंद लें। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि तेलंगाना सरकार की ओर से ताड़ी के फलों के विपणन के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। मंत्री ने स्पष्ट किया कि ताड़ी के फल ताड़ी के पेड़ों से प्राप्त होते हैं और अन्य फलों की तरह इनमें किसी प्रकार का नशा नहीं होता, इसलिए सभी लोग इन्हें निःसंकोच खा सकते हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म में आरोपी को 20 साल की सजा

मंचरियाल, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बेल्लमपल्ली की एक अदालत ने छह साल की बच्ची से दुष्कर्म के मामले में आरोपी को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। फास्ट ट्रैक कोर्ट के जज लालसिंह श्रीनिवास नाइक ने किराना दुकानदार बांदा साईकृष्णा को दोषी ठहराते हुए 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। मामला 21 अक्टूबर 2020 का है, जब आरोपी ने घर के बाहर खेल रही छह वर्षीय बच्ची को जबरन दुकान में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। इस मामले में आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था। पुलिस ने जांच पूरी कर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की, जिसके आधार पर अदालत ने यह सजा सुनाई।

केरल में मिली जीत संघर्ष की पहचान : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के आईटी एवं उद्योग विभाग के मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू ने पांच राज्यों के चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आज घोषित नतीजों ने देश की राजनीति को एक स्पष्ट संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि सत्ता में हो या विपक्ष में, कांग्रेस पार्टी हमेशा संवैधानिक मूल्यों के लिए संघर्ष करती रही है। केरल में मिली जीत इस संघर्ष की पहचान है। केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ गठबंधन की शानदार जीत को उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों पर जनता के भरोसे का प्रमाण बताया। यह नफरत की राजनीति पर विवेक की जीत है। उन्होंने कहा कि इन परिणामों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि विभाजनकारी राजनीति के बजाय जनता विकास, एकता और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को प्राथमिकता देती है। मंत्री ने कहा कि केरल की जनता ने नफरत को नकारते हुए विकास और एकता को चुनकर पूरे देश के लिए उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने केरल सहित अन्य राज्यों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा दिखाए गए संघर्ष की सराहना की।

कांग्रेस की जीत के लिए दिन-रात मेहनत करने वाले प्रत्येक कार्यकर्ता और पार्टी पर विश्वास जताने वाले हर मतदाता के प्रति उन्होंने आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की विचारधारा हमेशा लोगों को जोड़ने की रही है, न कि बांटने की। पार्टी का सफर सदैव जनता के हित के लिए रहा है। राहुल गांधी के नेतृत्व में 'प्रेम और सामाजिक न्याय' के मार्ग को सही बताते हुए उन्होंने कहा कि केरल का जनादेश इस विचारधारा को और मजबूत करता है। इसी प्रेरणा के साथ पार्टी आगे भी बढ़ती रहेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि तेलंगाना में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस दूसरी बार सत्ता में आएगी। चुनाव से पहले किए गए सभी वादों को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2029 में होने वाले लोकसभा चुनावों में कांग्रेस के नेतृत्व वाला गठबंधन देशभर में शानदार जीत हासिल कर केंद्र में सरकार बनाएगा।

जिले के सभी लोगों को स्व-गणना में भाग लेना चाहिए : किरणमयी

जनसुनवाई के दौरान शीघ्र समस्याओं के समाधान का निर्देश

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले में सोमवार को एकीकृत जिला कार्यालय परिसर के बैठक कक्ष में आयोजित जन सुनवाई कार्यक्रम के दौरान 89 शिकायतें प्राप्त हुईं। जिले के विभिन्न हिस्सों से शिकायतकर्ताओं ने जिला अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) चंद्र रेड्डी को अपनी शिकायतें प्रस्तुत कीं और अपनी चिंताओं को व्यक्त किया। इस अवसर पर बोलते हुए, अतिरिक्त कलेक्टर ने संबंधित विभागों के जिला अधिकारियों को जन समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम के दौरान जनता द्वारा प्रस्तुत याचिकाओं का तत्काल समाधान करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को समय-समय पर याचिकाओं की समीक्षा करने और उन्हें लंबित न रखते हुए उनका समाधान करने का निर्देश दिया। राजस्व विभाग से 24, अन्य विभागों से 65, कुल मिलाकर 89 आवेदन प्राप्त हुए। बाद में, जिला अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) किरणमयी ने कहा कि इस महीने की 4 तारीख से शुरू हुआ किसान सप्ताह जिले में सफलतापूर्वक आयोजित किया जाना चाहिए और सरकार द्वारा दी जा रही हर योजना की जानकारी संबंधित अधिकारियों को दी जानी चाहिए। इसी तरह, आगामी जनगणना-2027 कार्यक्रम के मद्देनजर, जिले के सभी लोगों को स्व-गणना में भाग लेना चाहिए और अपना विवरण दर्ज कराना चाहिए। उन्हें स्व-गणना ऑनलाइन पोर्टल (se.census.gov.in) पर जाकर स्व-घोषणा आईडी प्राप्त करनी चाहिए। 26 अप्रैल से शुरू हुआ स्व-गणना कार्यक्रम 10 मई तक चलेगा और सभी को स्व-गणना ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपना विवरण दर्ज कराना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्व-गणना में चिन्हित कर्मचारी सर्वेक्षण के लिए घर आने पर अपनी आईडी की जानकारी अवश्य दें। कार्यक्रम में जिला राजस्व अधिकारी संगीता, विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी, कलेक्ट्रेट अधीक्षक, संबंधित अधिकारी और अन्य लोगों ने भाग लिया।

पांच राज्यों के चुनाव परिणामों पर बीजेपी में जश्न

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पांच राज्यों के चुनाव परिणामों में असम, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में बीजेपी गठबंधन की शानदार जीत के बाद हैदराबाद स्थित बीजेपी तेलंगाना राज्य कार्यालय में उत्साहपूर्ण माहौल में भव्य जश्न मनाया गया। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव के नेतृत्व में नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मिठाइयां बांटकर एक-दूसरे को बधाई दी। इस कार्यक्रम में राज्यसभा सदस्य डॉ.के. लक्ष्मण, बीजेएलपी नेता एलेटि महेश्वर रेड्डी, एमएलसी अंजी रेड्डी, बीजेपी प्रदेश उपाध्यक्ष कासम वेंकटेश्वरलु, मुख्य प्रवक्ता एवं मीडिया इंचार्ज एन.वी. सुभाष सहित कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। डॉ.के. लक्ष्मण की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पांच राज्यों के चुनाव परिणामों में असम, बंगाल और पुडुचेरी में बीजेपी गठबंधन की जीत बेहद खुशी की बात है। उन्होंने नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने को भारतीय लोकतंत्र की बड़ी जीत बताया। उन्होंने कहा कि 10 मई को प्रधानमंत्री मोदी के हैदराबाद दौरे को लेकर तेलंगाना की जनता में भारी उत्साह है, जो केंद्र सरकार के विकास कार्यों पर विश्वास को दर्शाता है। डॉ. लक्ष्मण ने पश्चिम बंगाल में बीजेपी की जीत को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार के भ्रष्टाचार, अराजकता और वोट बैंक की राजनीति के खिलाफ जनता ने फैसला सुनाया है।

उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में मोदी सरकार द्वारा लागू किए गए विकास एजेंडे को जनता का समर्थन मिल रहा है। सबका साथ, सबका विकास केवल नारा नहीं, बल्कि जमीनी हकीकत है। उन्होंने तेलंगाना की राजनीति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि राज्य में बीआरएस और कांग्रेस सरकारों ने संपत्ति का दुरूपयोग किया है, जिससे जनता बदलाव की ओर देख रही है। उन्होंने यह भी कहा कि 10 मई को सिकंदराबाद परेड ग्राउंड्स में होने वाली जनसभा में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की अपील की। बीजेएलपी नेता एलेटि महेश्वर रेड्डी ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मभूमि पश्चिम बंगाल में बीजेपी का सत्ता में आना ऐतिहासिक और गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि 2011 में जहां बीजेपी की स्थिति कमजोर थी, वहीं आज दो-तिहाई बहुमत से सरकार बनाना प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर जनता के भरोसे को दर्शाता है।

जनगणना में भाग लेने की अपील, उलेमा ने बढ़ाई जागरूकता

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के धार्मिक विद्वानों और उलेमा ने मुस्लिम समुदाय से चल रही जनगणना में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है। रेड हिल्स की मस्जिद दारुल इरफान में हुई बैठक में मौलाना मोहम्मद शाह जमालुर रहमान ने कहा कि धार्मिक नेताओं को लोगों को जनगणना के महत्व के बारे में जागरूक करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि जनगणना में लापरवाही से भविष्य में नुकसान हो सकता है। बैठक में यह भी बताया गया कि जनगणना की अंतिम तिथि 9 मई है और समय तेजी से निकल रहा है। उलेमा ने कहा कि कम भागीदारी से समुदाय की सही संख्या सामने नहीं आ पाएगी, जिससे सरकारी योजनाओं का लाभ प्रभावित हो सकता है।

बैठक में तय किया गया कि मस्जिदों के जरिए लोगों को जागरूक किया जाएगा और इमाम अपने प्रवचनों में इस विषय को शामिल करेंगे। इसके साथ ही युवाओं से अपील की गई कि वे डिजिटल माध्यम से लोगों को जनगणना प्रक्रिया में मदद करें।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.